जबलपुर, बुधवार, 19 जून 2024 ■ ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-12 ■ वर्ष : 19, अंक : 50 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम अधि. 37 न्यून.27
haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रदेश के डेढ़ दर्जन जिलों में ओला-बारिश, पारा 7 डिग्री तक गिरा

दोपहर बाद बदला मौसम, आंधी के साथ बारिश से राहत

आज भी पूर्वी और उत्तरी मप्र के अधिकांश हिस्सों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट, साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी सक्रिय

प्रदेश में औसत पारा 40 डिग्री पर अब लू का असर नहीं

भोपाल/जबलपुर

राजधानी सहित डेढ़ दर्जन से अधिक जिलों में मंगलवार को आंधी के साथ कुछ जिलों में ओले गिरे तो कहीं बारिश दर्ज हुई। इससे इन जिलों में गर्मी से राहत रही। प्रदेश में प्री मानसून गतिविधियों से पारा तेजी से गिरा। भोपाल सहित कुछ जिलों में पारा बढ़ गया, जबकि पूर्वी और पश्चिमी प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में गिरावट रही है।

मानसून धीमी गति से आगे बढ़ा

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश में प्री मानसून बारिश जारी रहेगी, जिससे तापमान में बदलाव होगा। मानसून की उत्तरी सीमा मंगलवार तक नवसारी, जलगांव, अमरावती, चंदरपुर, बीजापुर, सुकमा, मलकानिगरी, विजयनगरम आदि से होकर गुजर रही है। इसके अलावा सौराष्ट्र से लगे पूर्वी अरब सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी सक्रिय है, जिससे प्रदेश में नमी आ रही है। इससे उम्मीद है कि दो से तीन दिन में मानसून भी ऑनसेट होने की सभी परिस्थितियां पूरी हो जाएं।

कहां कितना गिरा पारा

भोपाल, खंडवा, खरगौन, राजगढ़, जबलपुर, मंडला और मलाजखंड आदि जिलों के तापमान में बढ़त रही। सबसे अधिक बढ़त भोपाल में 4.7 डिग्री रही। शेष शहरों में 2 से 4 डिग्री तक पारा बढ़ा। बारिश के बाद दमोह के पारे में वंधिक 6.5 डिग्री की गिरावट रही।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राहुल का दावा- सत्तारूढ़ खेमे के लोग संपर्क में

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से भाजपा और नरेंद्र मोदी पर हमला बोला।

गांधी ने कहा कि 2024 के आम चुनावों के बाद लोकसभा में संख्या बहुत कमजोर होगी और 'छोटी सी गड़बड़ी भी एनडीए की सरकार को गिरा सकती है। किसी का नाम लिए बिना राहुल ने दावा किया कि एनडीए के लोग हमारे संपर्क में हैं और मोदी खेमे में असंतोष है।

रील के चक्कर में लड़की गाड़ी समेत खाई में गिरी

औरंगाबाद। महाराष्ट्र में 23 साल की एक लड़की कार के साथ रील बनवा रही थी तभी उससे गाड़ी में

बैक गियर लगा और ब्रेक लगाने की जगह उसने एक्सीलेटर पर पैर रख दिया और गाड़ी 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। लड़की की इस दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। पूरा मामला महाराष्ट्र के औरंगाबाद का है।

ठप रही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सेवाएं

नई दिल्ली। देशभर में मंगलवार की दोपहर को इंटरनेट सर्विस प्रभावित रही। इसमें रिलायंस जियो

यूजर्स सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। दिन के समय में एयरटेल, गूगल और एक्स यूजर्स को आउटेज का सामना करना पड़ा। डाउनडिटेक्टर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2400 से ज्यादा यूजर को अपने जियो कनेक्शन में समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

निफ्टी और सेंसेक्स का नया ऑल टाइम हाई

मुंबई। शेयर मार्केट में मंगलवार को बड़े गैपअप के बाद मार्केट ने सस्टेन किया और सेंसेक्स और

निफ्टी ने नया ऑल टाइम हाई बनाते हुए बढ़त दर्ज की। निफ्टी ने 92 अंकों के की बढ़त दर्ज करते हुए 23558 के लेवल पर क्लोज़ किया, जबकि सेंसेक्स ने 308 अंकों की बढ़त दर्ज की और 77301 के लेवल पर क्लोज़ किया। निफ्टी ने 23579 के लेवल का नया ऑल टाइम हाई लगाया।

सीएम डॉ. यादव ने कहा-विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चे कल का भविष्य

मुख्यमंत्री ने शाला में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दुलारा, तिलक लगाया पुस्तकें भेंट की

प्रदेश के 416 विद्यालयों में पीएमश्री योजना के तहत उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी

मध्य प्रदेश के स्कूलों में विश्व स्तरीय भवन, स्मार्ट क्लास, डिजिटल टीचिंग, नि:शुल्क वाहन सुविधा सहित कई अन्य आधुनिक संसाधनों की सुविधा विद्यार्थियों को मिलेगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मंगलवार को राजधानी के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेशोत्सव मनाया गया।

स्कूल चलें हम अभियान 2024 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज स्कूल चलें हम अभियान के तहत इस प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में आकर आनंदित हूं, विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले यह नन्हें मुन्ने बच्चे आने वाले कल का भविष्य हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल चलें हम अभियान 2024 का किया शुभारंभ, प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त 369 सीएम राइज स्कूलों का संचालन शुरू

सुपर-100 योजना के तहत वर्ष 2024 में जेईई एडवांस में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का किया सम्मान

सुपर-100 योजना के विद्यार्थियों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुपर-100 योजना के तहत वर्ष 2024 में जेईई एडवांस में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का सम्मान किया। इनमें ग्राम सालीचौका जिला नरसिंहपुर के पवनराय, ग्राम रक्सहाकलॉ जिला रीवा के शीतल सिंह, सतना जिले ग्राम अतरार के साहिल पाल, भोपाल के रविराज विश्वकर्मा का सम्मान किया गया।

स्कूल शिक्षा स्तर पर भी एनईपी-2020 पर रहेगा फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालयों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह विद्यालय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सफल जीवन जीने की प्रेरणा और अनुभव प्रदान करने के भी महत्वपूर्ण केन्द्र हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश की सभी व्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है। इसी क्रम में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का सकारात्मक प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी में परिलक्षित होगा। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में देश में अग्रणी रहा है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों का क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर करके मध्यप्रदेश देश में आगे रहेगा।

भगवान श्रीकृष्ण ने शाला स्तर पर ज्ञानार्जन और मित्रता का उदाहरण दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय संचालन के साथ-साथ विद्यालय के परिवेश के बारे में सोचना और उसे बेहतर बनाना जरूरी है। विद्यालय विद्यार्थियों को ऐसा परिवेश और मार्गदर्शन दें, जिससे वे कठिन परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ ज्ञान और शिक्षा प्राप्त करते हुए नैतिक मूल्यों के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हो सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह का नामांकन-पत्र दाखिल

मोदी के साथ छिंदवाड़ा की जनता जारी रहेगा 'विजय अभियान'

भाजपा अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में जीत का इतिहास कायम करेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को छिंदवाड़ा में ऐतिहासिक विजय मिली है, इस विजय में अमरवाड़ा की जनता जर्नादन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। तीन बार विधायक रहे कमलेश शाह को भाजपा ने अमरवाड़ा से अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने नामांकन भी जमा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार छिंदवाड़ा और अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह का नामांकन-पत्र दाखिल कराया।

अमरवाड़ा के विकास के लिए भाजपा कृत संकल्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा के ऐतिहासिक विजय में अमरवाड़ा की जनता का बड़ा योगदान है। उनका यह योगदान अमरवाड़ा उपचुनाव में भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने अमरवाडा में कार्यकर्ता बैठक को संबोधित किया। इस मौके पर प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़, दीपक सक्सेना, छिंदवाडा सांसद विवेक बंटी साहू, जिला अध्यक्ष शेषराव यादव, अमरवाडा से पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह, सुश्री मोनिका शाह बट्टी एवं पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता भाजपा पर वोटों की बारिश करेगी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि आज अमरवाड़ा उपचुनाव से भाजपा प्रत्याशी शाह ने नामांकन जमा किया है। आज भगवान इंद्रदेव प्रसन्न होकर बारिश कर रहे हैं, उसतरह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण योजनाओं के कार्यों से प्रसन्न होकर अमरवाड़ा की जनता उपचुनाव में भाजपा पर वोटों की बारिश करने जा रही है।

इंदौर में नाबालिग की मौत

बस में बैठने घर से निकली छात्रा, 14 वीं मंजिल से कूदी

इंदौर। शहर के निपानिया इलाके की एक टाउनशिप में एक नाबालिग छात्रा ने 14 वीं

मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। वह घर से स्कूल बस में बैठने के लिए रुकी थी,लेकिन बस में बैठने के बजाए पास की बिल्डिंग में चली गई और वहां से छलांग लगा दी। उसने आत्महत्या क्यों की। इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने परिजनों के बयान अभी नहीं लिए है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक छात्रा के पास कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार छात्रा का नाम अंजलि पिता अमोल है।

यह अपनी तरह की पहली सुविधा

सेना ने शुरू किया स्किन बैंक सैनिकों का होगा उपचार

नई दिल्ली। सेना के रिसर्च और रेफरल अस्पताल (आर एंड आर) ने एक अत्याधुनिक त्वचा बैंक

सुविधा केन्द्र की शुरूआत की है। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं में यह अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को आग में जलने के कारण शरीर में गंभीर बीमारी और त्वचा से संबंधित अन्य बीमारियों के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। यह त्वचा बैंक 'स्किन ग्राफ्ट' के संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा।

स्वाति मालीवाल ने लिखा पत्र

राहुल और पवार को बताया अपना दर्द, वक्त भी मांगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने खुद पर

कथित हमले को लेकर नई मुहिम छेड़ दी है। उन्होंने इंडिया गठबंधन में अपनी पार्टी की घेराबंदी शुरू कर दी है। मालीवाल ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं को लेटर लिखा है। मालीवाल ने उन्हें अपना दर्द बताते हुए मुलाकात का वक्त भी मांगा है। राहुल गांधी और शरद पवार को लिखे लेटर को मालीवाल ने अपने एक्स अकाउंट से सार्वजनिक भी किया है।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार, एनटीए को जारी किया नोटिस

अगर किसी की ओर से 0.001% लापरवाही है तो उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए

कोर्ट ने कहा बस कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर ऐसे बच्चे का इलाज कर रहा है जो इस तरह से पास हो गया है और उसकी जांच की जरूरत है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट यूजी 2024 में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्र पर कड़ी फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। देश की सर्वोच्च अदालत की बेंच ने कहा कि किसी भी ओर से थोड़ी सी भी लापरवाही होने पर पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए।

याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि बस कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर ऐसे बच्चे का इलाज कर रहा है जो इस तरह से पास हो गया है और उसकी जांच की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से यह भी कहा कि वे नीट यूजी के खिलाफ दायर याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें।

पं. प्रदीप मिश्रा का एक और विवादित बयान

हमको कुछ नहीं आता, हम तुलसीदास जी की तरह गंवार

एजेंसी ⏭ मथुरा

सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में राधा रानी पर विवादित टिप्पणी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पंडित मिश्रा ने तुलसीदास जी को लेकर विवादित बयान दे दिया। जिससे वह अपने बयानों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। उनका सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गोस्वामी तुलसीदास के लिए गंवार शब्द का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस बयान से संत समाज में एक बार फिर उनके प्रति आक्रोश है। 'हरिभूमि' इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

■ राधा रानी के बाद अब इस बयान का विरोध भी शुरू

मैंने सबसे पहले किसान और गरीब परिवारों के लिए लिया फैसला: पीएम मोदी

किसानों के खाते में पहुंचे 2-2 हजार रुपए

एक क्लिक में 9.26 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे 20 हजार करोड़ रुपए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार वाराणसी पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। किसानों को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री गंगा आरती में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। दशाश्वमेध घाट पर पीएम मोदी के साथ उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद थीं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने किसान सम्मेलन को संबोधित किया और किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त ट्रान्सफर की।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले किसानों के जीवन आसान बना रही है योजना

अब तक, 11 करोड़ से ज्यादा पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला है

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए किए ट्रांसफर

प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधियोजना की 17वीं किस्तजारी कर दी। प्रधानमंत्री डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की 17वीं किस्त जारी की। अब तक, 11 करोड़ से ज्यादा पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रत्यक्षलाभ अंतरण मोड के माध्यम से देश भर के किसानों के परिवारों के बैंक खातों में हर चार महीने में तीन समान किस्तों में 6,000 रुपए प्रति वर्ष का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया गया है।

पीएम मोदी शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में करेंगे योग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में होने वाले आयोजन में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम डल झील के पास ही स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम है, 'योग स्वयं और समाज के लिए। जाधव ने कहा कि इस थीम का अर्थ है कि कैसे हम योग से खुद की आतंरिक शक्ति बढ़ा सकते हैं और समाज का भी कल्याण इससे संभव है। मंत्री ने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक औक आध्यात्मिक विकास होता है। इसके अलावा समाज में भी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।

थीम 'योग स्वयं और समाज के लिए'

योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में करेंगे शिरकत

आयुष मंत्री जाधव ने बताया योग का महत्व

पीएम मोदी का जम्मू कश्मीर दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20-21 जून को जम्मू कश्मीर के दौरे पर जा रहे हैं। वे 21 जून को श्रीनगर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को 'योग महोत्सव 2024'के रूप में मनाया जाएगा। इसका विषय 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' रखा गया है।

ग्राम प्रधानों को पत्र भेजा

गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाएं

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा है। उन्होंने अपील की है कि गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाया जाए और उन्हें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। यही नहीं इस दौरान उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए ब्रेल लिपि में एक पुस्तक भी रिलीज की, जो योग पर आधारित है। यह पुस्तक बच्चों को योग सीखने और उसका अभ्यास करने में मदद करेगी। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस के प्रस्ताव को माना था और तब से ही हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी 'मन की बात' फिर करेंगे शुरू

30 जून को देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे

योग दिवस के अलावा पीएम मोदी इस सप्ताह के रविवार से दोबारा 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू करने वाले हैं। आगामी 30 जून को एक बार फिर आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे। मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर खुद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि चुनाव के कारण कुछ महीने के अंतराल के बाद 'मन की बात' की एक बार फिर से वापस हो रही है। इस महीने का कार्यक्रम 30 जून को होगा। आप सब इस कार्यक्रम के लिए 'माईगोव ओपन फोरम' या 'नमो एप' पर अपने विचार साझा करें। आप 1800117800 पर अपने संदेश रिकार्ड भी कर सकते हैं।

चुनाव से पहले बंद हुआ था कार्यक्रम

मोदी ने 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद देशवासियों के साथ संवाद के लिए आकाशवाणी पर मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' शुरू किया था। उनके दूसरे कार्यकाल में भी यह कार्यक्रम हर महीने प्रसारित किया गया। मार्च में आम चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होने पर यह कार्यक्रम बंद हो गया था।

खबर संक्षेप

हाईटेंशन लाइन के टूटे तार से 3 लोग जिंदा जले

लखीमपुर। हाईटेंशन लाइन के टूटे तार ने पल भर में दो परिवारों की खुशियां जला डालीं। मृतक बबलू

की दो जुलाई को शादी थी। परिवार में हंसी-खुशी का माहौल था। इसे जो भी सुना, वो सहम गया।रोते-बिलखते बहादुरपुर सेहरा मऊ निवासी बबलू के पिता अमरीक ने बताया कि उनके 21 वर्षीय पुत्र बबलू की शादी को लेकर तैयारियां जोरों से की जा रही थीं।

रेड्डी भी ईवीएम पर भड़के मतपत्रों से हो चुनाव

अमरावती। वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी नेचुनावों में ईवीएम की जगह

मतपत्रों का इस्तेमाल पर जोर दिया। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद रेड्डी ने दावा किया कि हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए हमें भी उसी ओर बढ़ना चाहिए।

मुंबई में बीच सड़क पर एक्स-गर्लफ्रेंड का मर्डर

मुंबई। 20 साल के युवक की ओर से अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड आरती यादव की हत्या का सनसनीखेज

मामला सामने आया है। मुंबई के पास एक बिजी रोड पर इस घटना को अंजाम दिया गया। सनकी आशिक ने रिंच से युवती पर तब तक हमला किया जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। लोग मौजूद थे मगर चुपचाप यह नजारा ही देखते रहे। आरोपी की पहचान रोहित यादव बताया है।

बालासोर में झड़प के बाद लगा कर्फ्यू, इंटरनेट बंद

बालासोर।ओडिशा के बालासोर में दो समूहों के बीच झड़प के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। प्रशासन ने

कुछ संवेदनशील इलाकों में इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी और लोगों से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि 17 की मध्यरात्रि से 18 जून की मध्यरात्रि तक कर्फ्यू लगा रहा। सीएम मोहन चरण माझी ने तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया।

कांवड़िए-पुलिसवाले भिड़े अफसर ने मांगी माफी

हरिद्वार। हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों के दल और पुलिसकर्मियों के बीच टकराव हो

गया? कावड़ियों ने मौके पर जमकर हंगामा काटा बवाल इतना बढ़ गया कि कांवड़ भी खंडित हो गई और पुलिस को वापस हर की पैड़ी से जल भरकर वापस कांवड़ियों को सौंपनी पड़ी। कनखल एसएचओ और दो पुलिसकर्मियों को माफी भी मांगनी पड़ी।

अभी 30 हजार सहायता समूह को प्रमाण पत्र दिए गए

कृषि सखी के रूप में खेती को मिलेगी ताकत, मैं रात-दिन ऐसे ही श्रम करूंगा

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

पीएम मोदी ने वाराणसी में किया किसानों के साथ संवाद

पीएम ने कहा कि हमने आशा कार्यकर्ता के रूप में बहनों का काम देखा। डिजिटल इंडिया बनाने में बहनों की भूमिका अच्छी है। अब हम कृषि सखी के रूप में खेती को नई ताकत मिलते हुए देखेंगे।

आज 30,000 से अभी सहायता समूह को कृषि सखी के रूप में प्रमाण पत्र दिए गए। अभी 12 राज्यों में यह योजना शुरू हुई है। इसे पूरे देश में हजारों समूह को इससे जोड़ा जाएगा। यह अभियान 3करोड़ लखपति दीदी बनाने में भी मदद करेगा और राज्य सरकार को मौका मिला पूरे समर्पण भाव से काम किया है। उन्होंने कहा कि ये बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका ये विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए, देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन-रात ऐसे ही मेहनत करूंगा। आपके सपनों और संकल्पों को पूरा करने के लिए हर प्रयास करूंगा।

12 राज्यों में योजना

पीएम-किसान सबसे बड़ी डीबीटी योजना

मोदी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम बन चुका है। अभी तक देश के करोड़ों किसान परिवारों की बैंक खाते में 3:15 लाख करोड़ जमा हो चुके हैं।वाराणसी जिले के किसानों के खाते में भी 700 करोड़जमा हुए। मुझे खुशी है पीएम किसान सम्मान निधि में सभी लाभार्थी तक लाभ पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल हुआ है। भारत संकल्प यात्रा के दौरान भी एक करोड़ से अधिक किसान इस योजना से जुड़े।

करोड़ों किसान हमारे साथ जुड़े

काशी के साथ-साथ काशी से ही देश के गांव के लोग जुड़े करोड़ों किसान हमारे साथ जुड़े हुए हैं और यह सारे हमारे किसान माताएं भाई-बहन की शोभा बढ़ा रहे हैं। मैं अपनी काशी से हिंदुस्तान के कोने-कोने में गांव-गांव में आज टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए सभी किसान भाई बहनों का देश के नागरिकों का अभिवादन करता हूं। आज 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की तरफ भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। उन्हें सम्मान और आय के नए साधन दोनों सुनिश्चित करेंगे। मैं अपने सभी किसान परिवारों को, माता बहनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

देशभर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ घर बनाए

मैंने नौजवान, नारी शक्ति और गरीब सभी को भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने सरकार बनते ही सबसे पहले फैसला किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया। देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ में घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मन निधि को आगे बढ़ाना हो यह फैसला करोड़ों लोगों की मदद करेंगे।

विदेशों में पहुंच रहे यहां के निर्मित उत्पाद

पीएम ने कहा कि किसान आत्मनिर्भर बन रहा है और कृषि निर्यात में अग्रणी बना है। बनारस का लंगड़ा आम, जौनपुर की मूली, गाजीपुर की भिंडी। ऐसे अनेक उत्पाद आज विदेशी मार्केट में पहुंच रहे हैं। वन जिला वन प्रोडक्ट और जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब बनने से एक्सपर्ट बढ़ रहा है और उत्पादन भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का होने लगा। अब हमें ग्लोबल मार्केट में देश को नई ऊंचाई पर ले जाना और मेरा तो सपना है कि दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई ना कोई खजाना डिफेक्ट वाले मंत्र को बढ़ावा देना। मोटे अनाज श्री अन्य का उत्पादन हो, औषधीय गुण वाली फसल हो या फिर प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना। पीएम किसान समृद्धि के माध्यम से किसानों के लिए एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम विकसित किया जा रहा है। यहां इतनी बड़ी संख्या में हमारी माताएं उपस्थित हैं, इनके बिना खेती की कल्पना भी नहीं संभव है।अब खेती को नई दिशा देने में भी माता बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है।

प्रियंका को वॉकओवर नहीं मिलेगा

सीबीआई (एम) फिर से यहां उम्मीदवार उतारेगी

एजेंसी ▶▶ वायनाड

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाद्रा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारेगी।

भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विश्वम ने संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल भाकपा के पास वायनाड लोकसभा सीट है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा।उन्होंने कहा कि इसमें संदेह क्या है? सीपीईएम और एलडीएफ ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भारतीय जनता पार्टी के अनुकूल हो। हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे।प्रियंका वाद्रा की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर विश्वम ने कहा कि कांग्रेस को किसी भी क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने की पूरी स्वतंत्रता है।

तो राहुल को यहां लड़ना नहीं था

विश्वम ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी की योजना वायनाड सीट खाली करने की थी, तो उन्हें राहुल गांधी जैसे एक प्रमुख नेता को दक्षिण में लाने की कोई आवश्यकता नहीं थी। पार्टी की वरिष्ठ नेता एनी राजा ने हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में वायनाड से राहुल के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि राहुल ने यह सीट 364422 मतों से जीती थी।

वाड्रा बोले- मेरी बात तो बाद की बात...

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड से चुनाव मैदान में उतारने के पार्टी के कदम पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं भाजपा को सबक सिखाने के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद दूंगा। उन्होंने धर्म के आधार पर राजनीति की मुझे खुशी है कि प्रियंका गांधी वायनाड से लड़ने जा रही हैं। उन्हें संसद में होना चाहिए, इसलिए नहीं कि वह प्रचार कर रही हैं बल्कि मैं चाहता हूं कि वह मुझसे पहले संसद में हों। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि लोग उन्हें अच्छा जनादेश देंगे। वाड्रा ने कहा कि हमारा ध्यान देश के मुद्दों पर लोगों के लिए लड़ना था। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि राहुल और प्रियंका ने काफी मेहनत की है। उन्होंने हर जगह यात्रा की और आज हमारे पास एक मजबूत विपक्ष है। राहुल और प्रियंका ने यह सब अपने पिता और दादी से सीखा है।

चांदनी चौक में मंदिर में सैकड़ों बकरों ने विवेक को घेर लिया

15 लाख रु जुटाए, 124 बकरों को खरीदकर कुर्बानी से बचाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जामा मस्जिद से करीब 500 मीटर की दूरी पर चांदनी चौक में एक मंदिर के आंगन में सैकड़ो बकरों ने विवेक जैन को घेर लिया। पेशे से सीए ने ईद-उल-अजहा के मौके पर 124 बकरों को कटने से बचाने के लिए करीब 15 लाख रुपएजुटाए थे। वह उन सभी को शांत करने के लिए स्पीकर से एक मंत्र को बोल रहा था।

यह एक जैन मंत्र था। यह सब बकरे डरे हुए थे और उनको लग रहा था कि उनको बलि देने के लिए इकट्ठा किया गया है। उनको नहीं पता कि उन्हें हमने नई जिंदगी दी है।ईद से पहले धरमपुर इलाके में नए जैन मंदिर में बकरे बाजारों जैसी ही चहल-पहल थी। हालांकि, यहां पर लोगों में उत्साह बकरों को कसाई के ब्लेड से बचाने के लिए था। लोग बकरों की एक झलक पाने के लिए मंदिर में जुट रहे थे। कुछ ने उनके चारे के लिए पैसे दिए तो किसी ने उनको प्यार से दुलारा।

जैन समुदाय बना चर्चा का विषय

हिंदू हो या मुस्लिम या सिख हर कोई पुरानी दिल्ली की गलियों में छिपे हुए इस मंदिर को जानता है। इसने इन बकरों को बचाने के लिए लाखों रुपए खर्च किए थे। जैन ने लोगों को बकरे के दर्शन के लिए आंगन में ले जाते हुए कहा कि हमे खुद पर काफी गर्व है। यह सब इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि देशभर से हमारे समुदाय से हमें काफी सपोर्ट मिला। हमारा धर्म हमें यही करना सिखाता है।

दिल्ली और पटना सहित 40 एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली और पटना सहित देश के 40 हवाईअड्डों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी एक ई-मेल के जरिए दी गई है। सभी एयरपोर्ट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धमकी भरा ई-मेल मंगलवार को दिन में मिला, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों को सतर्क किया गया है। जयपुर एयरपोर्ट से भी ऐसी ही खबर है। सुरक्षा एजेंसियों को सचेत किया है।

12 करोड़ का ब्रिज उद्घाटन से पहले ध्वस्त

बिहार के अररिया में बिना पुल

अररिया। बिहार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते रहे हैं। बिहार में एक बार फिर सरकारी कामों में भ्रष्टाचार को पोल खोने वाली तस्वीर सामने आई है। अररिया के पड़रिया घाट (सिकटी प्रखंड क्षेत्र) पर करोड़ों की लागत से बना पुल ढह गया। पुल के उद्घाटन की लोग राह देख रहे थे।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के कथन का भी दिया हवाला

संघ से रिश्ता तो कांग्रेस रिजेक्ट करती थी जजों की नियुक्ति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यायपालिका में जोड़तोड़ से नियुक्ति के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं।

70 के दशक से पहले न्यायिक नियुक्तियों में कैंडिडेट की विचारधारा कोई खास मायने नहीं रखती थी। 1967 के बाद चीजें बदल गईं। बॉम्बे हाई कोर्ट के एडवोकेट अभिनव चंद्रचूड़ पेंगुइन से प्रकाशित अपनी किताब 'सुप्रीम व्हिस्परर्स' में लिखते हैं कि फरवरी 1967 में जब सुप्रीम कोर्ट की 11 जजों की बेंच ने 'गोलकनाथ खिलाफ स्टेट ऑफ पंजाब' केस में फैसला दिया कि संसद के पास संविधान के मूलभूत अधिकारों में बदलाव का अधिकार नहीं है, तो कांग्रेस सरकार को यह बात अखर गई।

एडवोकेट अभिनव ने अपनी किताब में लिखा

फिर नियुक्तियों का मामला लॉ मिनिस्ट्री को सौंपा

इस फैसले से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रिवी पर्स में भी सरकार को झटका दे चुका था। इंदिरा चिढ़ी बैठी थीं। गोलकनाथ केस के बाद न्यायिक नियुक्तियों का मामला गृह मंत्रालय से लॉ मिनिस्ट्री को सौंप दिया गया। सरकार ने अपने विचारधारा के जजों को भरना शुरू किया। इंदिरा कैबिनेट के कई मंत्रियों ने इसमें मदद की। इनमें एक मंत्री थे एस. मोहन कुमार मंगलम।

विचारधारा पता करवाने में लगी सरकार

चंद्रचूड़ लिखते हैं कि इसके बाद सरकार इस बात का खास ध्यान रखने लगी कि कैंडिडेट की विचारधारा क्या है? वह किस पार्टी से जुड़ा है और किसको समर्थन करता है? 1984-1987 के बीच लॉ मिनिस्टर रहे अशोक सेन के मुताबिक उस दौर में कांग्रेस सरकार ने एक भी ऐसे जज की नियुक्ति नहीं की, जो एंटी कांग्रेसी था या कांग्रेस के खिलाफ विचार रखता था।

पूर्व सीजेआई के हवाले से लिखा

अभिनव अपनी किताब में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया वाईवी चंद्रचूड़ के हवाले से लिखते हैं कि एक तरीके से कांग्रेस सरकार ऐसे कैंडिडेट्स को तलाशती थी, जो उसके साथ खड़े हों और समर्थन दें। सरकार किसी कैंडिडेट को नियुक्त करने से पहले उसके फैसले तो देखते ही थी,एक-एक चीज पता करवाती थी। जैसे वह किसी खास ग्रुप या किसी संगठन के कार्यक्रम में तो नहीं जाता है।खासकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से तो कोई जुड़ाव नहीं है। कांग्रेस को किसी कैंडिडेट के बारे में पता चलता कि वह विरोधी विचार वाली पार्टी से जुड़ा है, तो तुरंत उसका रिज्यूमे डस्टबिन में डाल दिया जाता।

पैर धुलवाया, फिर नाना की सफाई

कीचड़ होने से मेरा पैर गंदा हो गया था, कार्यकर्ता ने पांव धोया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक पार्टी कार्यकर्ता से पैर धुलवाने के मामले पर सफाई दी है। नाना पटोले ने कहा कि मेरा नाम नाना है लेकिन मैं नाना नहीं हूं।

हर रोज मेरे बारे में कोई भी खबर आप लोग लेते हो, लेकिन ये मैंने जान बूझकर नहीं किया है। मैं एक कार्यक्रम में गया था। कीचड़ होने से मेरा पैर गंदा हुआ। एक कार्यकर्ता ने मेरा पैर धोया, लेकिन मीडिया ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। वहां पालकी आई थी जिसके दर्शन के लिए मैं गया था।

पटोले ने सफाई देते हुए कहा कि मीडिया ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। जमीन पर कीचड़ होने से पैर गंदे हो गए थे और उन्होंने खुद को साफ करने के लिए पानी मांगा था, तभी एक अटेंडेंट ने उनकी मदद की। बताया गया कि महाराष्ट्र के अकोला जिले के वाडेगांव में नाना के पैर कीचड़ में धंस गया था।

सिक्किम में मानसूनी बारिश का कहर जारी, पर्यटक हो रहे परेशान

भूस्खलन से प्रभावित 200 पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/गंगटोक

सिक्किम के भूस्खलन प्रभावित मंगन जिले के लाचुंग में 200 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया और करीब एक हजार पर्यटक अब भी फंसे हुए हैं। पर्यटकों को चुंगथांग के रास्ते मंगन शहर तक पहुंचाया गया, जहां से परिवहन विभाग ने उन्हें वाहनों में गंगटोक ले जाने की व्यवस्था की है। बता दें कि पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में मानसूनी बारिश कहर बरपा रही है।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने आमलोगों का जीना मुहाल कर दिया है। सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं आवश्यक चीजों की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर में एक साथ दक्षिण-पश्चिम मानसून एक्टिव हुआ था। सालों के बाद ऐसा हुआ है, जब देश के दो अलग-अलग हिस्सों में मानसून साथ में सक्रिय हुआ है। मानसून के सक्रिय होने के बाद से पूर्वोत्तर के राज्यों में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है।

मंगन जिले में बारिश से प्रभावित चुंगथांग में फंसे पर्यटकों को निकाला जा रहा है

मूसलाधार बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त

भारी बारिश के बाद डेंटम से गेजिंग, सिक्किम की ओर जाने वाली जलमग्न सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है, जिसके कारण वाहनों को आने-जाने में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद

एक तरफ राजधानी दिल्ली समेत उत्तर और पूर्वी भारत का अधिकांश इलाका भीषण गर्मी की चपेट में है, दूसरी तरफ पूर्वोत्तर में लगातार मूसलाधार बारिश ने हालत खराब कर रखी है। लगातार तेज बारिश की वजह से सिक्किम में कई जगहों पर सड़कें पानी के तेज बहाव या फिर लैंडस्लाइड में तबाह हो चुकी हैं। ऐसे में उत्तरी सिक्किम में तकरीबन 1600 टूरिस्ट फंस गए हैं। सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद होने की वजह से ये लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं। मौसम इस हद तक खराब है कि हवाई सेवाएं भी ठप पड़ गई हैं। ऐसे में फंसे हुए पर्यटकों को निकालाने के लिए एयर फोर्स की मदद मांगी गई है।

सिक्किम में अभी तक शुरू नहीं हो सका बचाव अभियान

खराब मौसम के चलते सिक्किम में अभी तक राहत एवं बचाव का काम में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एयर फ़ोर्स को भी मौसम ठीक होने का इंतजार है। नॉर्थ सिक्किम में तकरीबन 1600 लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है। सिक्किम में फंसे टूरिस्टों को रेस्क्यू करने के लिए भारतीय वायुसेना से अनुरोध किया गया था। खराब मौसम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एरियल रेकी भी नहीं की जा सकी है। 11 जून को अचानक हुई तेज बारिश के बाद से हालात लगातार बिगड़ते चले गए। लैंडस्लाइड की वजह से सड़कें तक बह चुकी हैं।

खबर संक्षेप

गर्मी के कहर से 22 हज यात्रियों की मौत

रियाद। सऊदी अरब में होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक हज यात्रा पर इस बार भीषण गर्मी का कहर टूटा है। हज यात्रा के दौरान गर्मी के चलते इस बार कम से कम 22 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने के चलते सऊदी अरब सरकार की हज यात्रा की तैयारियों के दावों की पोल खुल गई। हज यात्रा पर गए देश के 14 श्रद्धालुओं की लू लगने से मौत हुई है। सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गर्मी लगने के 2700 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

दलाई लामा से मिलने भारत आईं नैंसी पेलोसी

नई दिल्ली। अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी 2 दिन के दौरे पर भारत आई हैं। वह धर्मशाला में तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात करेंगी। मंगलवार को दोपहर करीब 12:30 बजे पेलोसी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर लैंड हुईं। उनके साथ अमेरिका के 6 सांसदों का डेलिगेशन मौजूद है। नैंसी इससे पहले मई 2017 में भी दलाई लामा से मिलने भारत आई थीं। पेलोसी लंबे समय से तिब्बत की आजादी का समर्थन करती आई हैं।

अपनी करारी हार के बाद ईवीएम पर भड़के जगन

अमरावती। वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को चुनावों में ईवीएम की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल पर जोर दिया। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है।

नाटो प्रमुख ने चीन को दी चेतावनी

कहा- यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने पर परिणाम भुगतने होंगे

रूस की मदद करके चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को दे रहा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ कीव

नाटो ने रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि रूस की मदद करके चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। नाटो प्रमुख ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को चीन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लगातार हथियारों की आपूर्ति ही इस युद्ध का अंत कर सकती है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने अगले महीने होने वाली नाटो की 75वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन की आधारशिला रखने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन

जुलाई के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन का एक निर्णायक दीर्घकालिक संदेश भेजना है। क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन को यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन पर संदेह करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ एक कठिन पुनर्मिलन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। बाइडन के साथ बैठक से पहले बोलते हुए स्टोलटेनबर्ग ने चीन पर आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह रूस के रक्षा उद्योग के पुनर्निर्माण के लिए चीन एक प्रमुख निर्यात प्रोत्साहन है।

अमेरिका के खिलाफ नहीं, किसी पक्ष को सहायता नहीं: चीन

वहीं चीन का कहना है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ नहीं है। ना ही चीन किसी को गलत तरीके से सहायता दे रहा है। जिंग ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा आयोजित सप्ताहांत शिखर सम्मेलन से दूरी बनाई थी, जिसमें किसी भी शांति के लिए रूस द्वारा यूक्रेनी क्षेत्र छोड़ने की कीव की मांगों की पुष्टि की गई थी।

प्रयागराज देश में सबसे गर्म, तापमान 47.6 डिग्री, ओडिशा में 4 दिन में मानसून पहुंचेगा

9 राज्यों में हीटवेव, यूपी-बिहार में गर्मी से 107 मौतें

गर्म हवा के झोंके से हीटवेव (लू) का कहर एक बार फिर शुरू हो चुका है। विशेषकर अगले 48 घंटे तक लू का प्रकोप तेज होने की पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के उत्तरी राज्यों में गर्मी का दौर लगातार जारी है। आईएमडी ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, बिहार और झारखंड में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को प्रयागराज लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर था। यहां तापमान 47 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश में 24 घंटे में लू से 90 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, प्रशासन इसे मानने से इनकार कर रहा है। प्रशासन का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा की मौतें गर्मी की वजह से हुई है, लेकिन डॉक्टरों का साफ कहना है कि ज्यादातर मौतें हीटवेव और हीट स्ट्रोक से हुई है। उधर, बिहार में सोमवार को लू से 17 लोगों की मौत हुई। हालांकि, इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। औरंगाबाद में सोमवार को तापमान 46.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

कानपुर में गर्मी बन रही जानलेवा,15 की मौत

कानपुर के घाटमपुर सर्किल में बीते 36 घंटे में अलग-अलग जगहों पर 15 लोगों की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि एक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में फोटो भेजकर शव की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। सभी की मौत हीट स्ट्रोक से होने की आशंका जताई जा रही है।

36 घंटे में हीट स्ट्रोक से हालबेहाल

घाटमपुर में बीते 36 घंटे में भीषण गर्मी के चलते पंद्रह लोग अपनी जान गवां चुके है। सभी की मौत हीट स्ट्रोक से होने की आशंका जताई जा रही है। 36 घंटे में हीट स्ट्रोक से हुई मौत के ये मामले सामने आए।

छत्तीसगढ़ में गर्मी की छुट्टियां बढ़ीं

छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ रही है। रविवार 16 जून को रायपुर और राजनांदगांव का तापमान 39 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके चलते गर्मी की छुट्टियां 25 जून तक बढ़ा दी गई हैं। इससे पहले राज्य सरकार ने गर्मी की छुट्टियां 22 अप्रैल से 15 जून तक घोषित की थीं। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा है कि मौसम की स्थिति देखते हुए स्कूल कब खुलेंगे, इसका फैसला कलेक्टर करेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के कई जिलों में 19 जून तक मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

बुधवार से दिल्ली में लोगों को राहत मिल सकती है

दिल्ली में भी गर्मी का दौर लगातार जारी है। तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बुधवार से दिल्ली के लोगों को राहत मिल सकती है। मंगलवार सुबह यहां न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। वहीं, पंजाब के बठिंडा में 46.9 डिग्री सेल्सियस टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा पंजाब के अमृतसर, पटियाला और गुरदास में भी तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहा।

3 साल से लेन-देन नहीं तो बंद होगा एकाउंट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में है अगर आपका भी खाता, तो फिर ये खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, पीएनबी की ओर से उन ग्राहकों या अकाउंट होल्डर्स को फिर से अलर्ट जारी किया गया है, जिनके खाते में बीते तीन साल से कोई ट्रांजैक्शन नहीं हुआ है और इन अकाउंट में बैलेंस जीरो है। ऐसे खातों को 30 जून 2024 से बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में अगर आपने भी अपने पीएनबी एकाउंट में 3 साल से लेन-देन नहीं किया है, तो फिर तय अवधि में जरूर कर लें।

सोशल मीडिया के जरिए किया अलर्ट

पीएनबी ने अपने ट्विटर (अब एक्स) अकाउंट पर एक अलर्ट जारी कर कहा है कि बैंक ने देखा है कि कई अकाउंट में बीते 3 सालों से ग्राहक द्वारा किसी तरह का कोई ट्रांजैक्शन नहीं किया गया है और इनमें कोई बैलेंस भी नहीं है। ऐसे में इन खातों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदम के तहत इन्हें क्लोज करने का फैसला किया गया है। इस संबंध में बैंक की ओर से ग्राहकों को 1 मई 2024, 16 मई 2024, 24 मई 2024 और 1 जून 2024 को वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से पहले भी नोटिस जारी किया जा चुका है। ऐसे सभी ग्राहकों को इस असुविधा से बचने के लिए हर हाल में 30 जून तक अपने अकाउंट को सक्रिय करना होगा। यह कदम पीएनबी द्वारा ऑपरेट ना होने वाले ऐसे खातों के मिसयूज को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे सभी खातों की कैलकुलेशन 30 अप्रैल 2024 के आधार पर की जाएगी।

इजराइल ने 2023 में किया हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात

तेलअवीव। इजराइल ने गाजा युद्ध के बीच हथियार निर्यात में नया रिकॉर्ड बनाया है।

इजराइल ने साल 2023 में 13.1 अरब डॉलर का हथियार निर्यात किया है। इनमें से आधा निर्यात एशिया को किया गया है और उसमें भारत शीर्ष कस्टमर रहा है। पिछले 5 साल में इजराइली हथियारों का निर्यात दोगुना हो गया है। यही नहीं पिछले 3 साल से इजराइली हथियारों का निर्यात लगातार रिकॉर्ड बना रहा है।

66 से अधिक लापता

इटली के दक्षिणी तट पर दो जहाज़ों के पलटने से 11 की मौत

एजेंसी ▶▶ रोम

इटली के पास समुद्र में बड़ा हादसा हो गया। यहां समुद्र में 2 जहाज डूब गए, जिसमें कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई। वहीं, अभी 66 लोग लापता हैं, जिसमें 26 बच्चे भी शामिल हैं। इटली के दक्षिणी तट पर समंदर में 2 जहाजों के डूबने की वजह से 66 लोग समुद्र में लापता हो गए, जबकि 11 लोगों की इस हादसे में मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने एक बयान में हगादसे को लेकर जानकारी दी है। वहीं, एक अन्य हादसे के बारे में जर्मन सहायता समूह 'रेस्कशिप' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पहली जहाज दुर्घटना में बचावकर्मियों को इटली के छोटे लैम्पेडुसा द्वीप के पास 10 प्रवासियों के शव मिले हैं।

484 पदों के लिए 21 जून से शुरू होंगे आवेदन

सेंट्रल बैंक में 10वीं पास के लिए निकली भर्ती

उम्र 18 से कम व 26 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के सरकारी बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 10वीं पास युवाओं के लिए नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। बैंक ने सफाई कर्मचारी और सब स्टाफ के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। कुल 484 पदों के लिए यह भर्ती निकाली गई है। आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत 21 जून से होगी जबकि आवेदन करने की लास्ट डेट 27 जून है। जुलाई-अगस्त में इसका पेपर होने की संभावना है। हालांकि पेपर के लिए तारीख आवेदन प्रक्रिया बंद होने के बाद जारी की जाएगी।

भर्ती की उम्र सीमा कितनी है?

इच्छुक और योग्य उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट https://www.centralbankofindia.co.in/en/recruitments पर जाकर भर्ती का नोटिफिकेशन पढ़ सकते हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की उम्र 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और 26 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स 10वीं पास होने चाहिए।

कैसे होगा उम्मीदवारों का चयन?

उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और स्थानीय भाषा के परीक्षण के आधार पर होगा। उम्मीदवारों को बैंक में शामिल होने की तारीख से छह महीने की सक्रिय सेवा के लिए नियुक्त किया जाएगा और सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उनकी पुष्टि की जाएगी। परीक्षा से संबंधित विवरण बाद में शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को बता दिया जाएगा।

कितना है आवेदन शुल्क?

इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 850 रुपये जनरल कैटेगिरी के लिए और एसटी/एससी/पीडब्ल्यूबीडी/भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के उम्मीदवारों को 175 रुपये का भुगतान करना होगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

महाठग सुकेश को जेल में मिलेगा कूलर

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर को कोर्ट से एक बड़ी राहत मिली है। कोर्ट के ताजा आदेश के बाद मंडोली जेल में उसे कूलर की ठंडी हवा मिल सकेगी। अदालत ने मेडिकल ग्राउंड पर सुकेश की अपील स्वीकार करते हुए उसे यह इजाजत दी है। पटियाला हाउस कोर्ट स्थित अडिशनल सेशन जज चंद्रजीत सिंह के आदेश के मुताबिक, कूलर का खर्च सुकेश चंद्रशेखर खुद वहन करेगा। चंद्रशेखर यह कहते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी कि अधिक गर्मी की वजह से उसके त्वचा में समस्या हो गई है। कोर्ट को बताया गया कि सेंट्रलाइज्ड एसी की मरम्मत चल रही है।

विशेष पैकेज में शामिल हैं 5 असाधारण फ़िल्में

18वें एमआईएफएफ में एशियाई महिला फिल्मकारों की प्रस्तुतियों का मनाया गया उत्सव

एजेंसी ▶▶ मुंबई

18वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में एक विशेष पैकेज के साथ एशियाई महिला फिल्मकारों की प्रस्तुतियों का उत्सव मनाया गया। "एशियन वुमन फिल्ममेकर" नाम के इस पैकेज में 5 असाधारण फ़िल्में शामिल हैं जो पूरे एशिया की 6 महिला निर्देशकों की प्रतिभा को प्रदर्शित करती हैं। दरअसल यह पैकेज सिनेमा में महिलाओं की आवाज़ की शक्ति और समानता की उनकी खोज का प्रमाण है। इस विशेष समूह में डुएट, टकीला सनसेट, अमेरिकन ड्रीम और ट्राइएंगिल नामक फ़िल्में शामिल है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि 18वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) में फिल्म उद्योग में महिलाओं की क्षमता, सहनशीलता और रचनात्मकता का उत्सव मनाते हुए "एशियाई महिला फिल्मकारों" (एशियन वुमन फिल्ममेकर) शीर्षक से एक विशेष पैकेज प्रस्तुत किया गया।

प्रेरणादायक कहानियां

रेडियो और टेलीविजन में महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय संघ (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमन इन रेडियो एंड टेलीविजन) द्वारा प्रस्तुत यह अनूठा संग्रह सशक्तिकरण, सफलता की खोज और समानता जैसे विषयों पर प्रकाश डालता है। यह दर्शकों के सामने विविध और प्रेरणादायक कहानियों की श्रृंखला की पेशकश करता है। बता दें, "एशियाई महिला फिल्म निर्माता" पैकेज में पांच असाधारण फ़िल्में शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव में बना रिकॉर्ड कभी नहीं तोड़ा जा सकता: डॉ. यादव

◆ हम हार की समीक्षा करते हैं तो जीत की भी: वीडी ◆ प्रदेश भाजपा ने की लोकसभा चुनाव की समीक्षा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव की समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि इस बार जो रिकार्ड बना है, उसे कभी तोड़ा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा का वोट हर बार बढ़ रहा है, लेकिन पहली बार पार्टी को किसी चुनाव में 60 फीसदी वोट मिला, जबकि कांग्रेस 30 फीसदी में सिमट कर रह गई।

डॉ. यादव ने कहा कि इसके लिए भाजपा का हर कार्यकर्ता और नेता बधाई का पात्र है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि इस बैठक से साफ हो गया कि हम चुनाव में हार की ही समीक्षा नहीं करते, जीत की भी समीक्षा करते हैं और मेहनत के लिए कार्यकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। डॉ. यादव और शर्मा बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। बैठक को डॉ. यादव और शर्मा के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा एवं लोकसभा चुनाव प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने भी संबोधित किया।

मंच पर लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, राजेन्द्र शुक्ला, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, लोकसभा चुनाव के प्रदेश संयोजक हेमंत खण्डेलवाल भी मौजूद रहे।

भाजपा ने किया एक नया प्रयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकसभा चुनाव में रिकार्ड जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इनके ही नेतृत्व में पार्टी को इतनी बड़ी जीत मिली। जीत पार्टी की एकजुटता का भी नतीजा है। डॉ. यादव ने कहा कि इस चुनाव में पार्टी ने एक नया प्रयोग किया। बड़े शहरों में सभाएं करने की बजाय रोड शो किया गया। इसके जरिए हम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं के दिलों तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रहे और खर्च भी कम आया। बैठक में मौजूद सभी सांसदों, विधायकों, पदाधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। डॉ. यादव ने कहा कि इस सफलता और वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

24 जून से मनाई जाएगी दुर्गावती जयंती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि 24 जून से उस वीरांगना दुर्गावती की जयंती पूरे साल मनाई जाएगी, जिन्होंने सम्राट अकबर को युद्ध में कड़ी टक्कर दी थी। डॉ. यादव ने भरोसा व्यक्त किया कि आने वाले समय में सरकार और अच्छा करेगी। भविष्य के डेवलपमेंट के प्लान हम बना रहे हैं। इसके लिए सभी विधायकों और अन्य जनप्रितिनिधियों से सुझाव देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि जनता का विश्वास और कैसे हासिल किया जा सकता है।

भाजपा ने 80 फीसदी बूथों में दर्ज की जीत: वीडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि पार्टी ने जो तय किया था, लोकसभा चुनाव के नतीजे उसी तरह आए। हमने प्रदेश के 80 फसदी बूथों में जीत दर्ज की और अपेक्षा के अनुसार वोट बैंक भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी ने सभी 29 सीटें जीतीं, इसके बाद भी हमने लोकसभा चुनाव की समीक्षा की और सभी के अनुभव सुने। शर्मा ने कहा कि बैठक में आगे के कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। अब हमारी कोशिश होगी कि हम शत प्रतिशत बूथ जीतें। भाजपा के कार्यकर्ता यह करके दिखाएंगे। उनमें यह सब करने की क्षमता है।

सत्ता-संगठन के समन्वय से अगले 4 साल के विकास का रोडमैप बनाएंगे

जनता ने विपक्ष के मिथ्या आरोपों को नकार कर भाजपा को दिलाई ऐतिहासिक विजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने देश भर में एक नैरेटिव सेट किया था, जिसे लेकर मप्र में भी विपक्ष ने भाजपा के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया कि 400 सीटें जीतने पर भाजपा संविधान बदल देगी। देशभर में आरक्षण समाप्त कर देगी। लेकिन यहां की जनता ने विपक्ष के मिथ्या आरोपों को पूरी तरह से नकार कर भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई है। उन्होंने कहा कि यह विषय अभी समाप्त नहीं हुआ है। कांग्रेस, इंडी गठबंधन और अन्य विपक्षी दलभाजपा के खिलाफ इस प्रकार के दुष्प्रचार करेंगे। विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब देना होगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को संभाग प्रभारी, लोकसभा संयोजक, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारियों की बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा की गई। इस मौके पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने संबोधित किया। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं जगदीश देवड़ा, चुनाव अभियान समिति के संयोजक हेमंत खंडेलवाल मौजूद थे। संचालन प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी ने किया।

संभाग प्रभारी, लोकसभा संयोजक, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारियों की बैठक

कार्यकर्ताओं के प्रयास एवं नेतृत्व के परिश्रम से मिली चुनावों में ऐतिहासिक विजय

लोस की समीक्षा के दौरान में आए सुझाव पर अमल होगा: शिवप्रकाश

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि लोकसभा चुनाव जीतने के लिए मप्र में जो प्रयास हुए हैं, वह बहुत अच्छे प्रयास हैं। सभी अच्छे प्रयासों की एक रिपोर्ट तैयार की जाए और पार्टी के प्रदेश संगठन को सौंपें, ताकि उस तरह के प्रयास आगे भी किए जा सकें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा में जो कहा था, राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उसे पूरा करके कांग्रेस प्रत्याशी को अच्छे वोटों से हराया है। मप्र में लोकसभा की सभी 29 सीटों पर भाजपा ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। लोकसभा चुनाव की समीक्षा के दौरान जो भी सुझाव आ रहे हैं, पार्टी उन पर गंभीरता से विचार करेगी। इसे लेकर पार्टी क्या करना है, उस पर भी कार्य होगा।

चुनाव जीतने के लिए मप्र जैसा आदर्श संगठन होना चाहिए: लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेन्द्र

लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए किस तरह का संगठन होना चाहिए, यह मप्र से दूसरे राज्यों को सीखना चाहिए। मैं कई राज्यों में चुनाव कार्य देखा है, लेकिन मप्र जैसे कार्यकर्ता मैंने नहीं देखा। मप्र में कार्यकर्ताओं की बहुत अच्छी टीम है, जो दिए गए कार्यों को टीम भावना के साथ बहुत अच्छे से कार्यों को पूरा करते हैं। मप्र में पार्टी का आदर्श संगठन है, जिसकी देशभर में सराहना होती है। लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने कहा कि समीक्षा हमारी कार्यपद्धति का आधार है। भाजपा संगठन 100 में से 100 अंक हासिल करके भी अपने काम की समीक्षा करता है। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि जीत के रास्ते पर हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में हमने 27 सीटें जीती थीं, 2019 के चुनाव में 28 जीतीं और 2024 के चुनाव में हमने सभी 29 सीटों पर जीत हासिल की है।

सजग प्रहरी की तरह हर बूथ पर तैनात रहे कार्यकर्ता: शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों ने देशभर में जो वातावरण बनाने का प्रयास किया, उसका प्रभाव मप्र में कहीं दिखाई नहीं दिया। इसका कारण यह था कि हर बूथ जीतने के संकल्प के साथ पार्टी का कार्यकर्ता एक सजग प्रहरी की तरह हर बूथ पर तैनात था। विधानसभा चुनाव में हमें 8 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव में भी हमारा वोट प्रतिशत करीब 1.5 प्रतिशत बढ़ा है। हमने 75 से 80 प्रतिशत बूथों पर जीत हासिल करके इतिहास बनाया है।

हमने 100 प्रतिशत नहीं, 120 प्रतिशत रिजल्ट दिया: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में सभी 29 सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। इस चुनाव मे हम छिंदवाड़ा लोकसभा भी जीते हैं और हमने 100 प्रतिशत नहीं, बल्कि 120 प्रतिशत परिणाम दिया है। आप सभी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव की इस जीत के हकदार हैं। इस चुनाव में भाजपा ने जो रिकॉर्ड बनाया है, वह भविष्य में कोई तोड़ नहीं सकता। भविष्य में कोई दल सभी 29 सीटें जीतता है तो वह हमारे रिकॉर्ड की सिर्फ बराबरी करेगा, तोड़ नहीं पाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता संभालने के कुछ ही समय बाद लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी हो गई, विकास कार्यों को करने के लिए अधिक समय नहीं मिला था। अब आने वाले दिनों में प्रदेश के सभी विधायकों, जिला अध्यक्षों के साथ प्रदेश संगठन के साथ मिलकर आगामी 4 वर्ष के विकास का रोडमैप बनाएंगे।

6 बार के विधायक व 6 बार के सांसद शिवराज ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

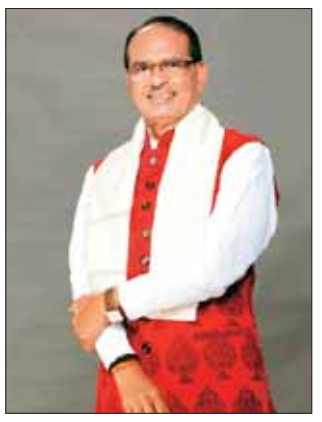

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री व बुधनी से विधायक शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने जाने के बाद बुधनी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे की घोषणा के वक्त वे काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने सोमवार को अपना इस्तीफा विधानसभा सचिवालय को भेजा है। उनके इस्तीफे पर फैसला जल्दी ही विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर लेंगे।

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि विधायक व सांसद दोनों चुने जाने के बाद एक पद से इस्तीफा देने का नियम है। इस वजह से पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने बुधनी विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दिया है। जल्दी ही उनका इस्तीफा स्वीकार किया जाएगा। गौरतलब है कि विदिशा से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद चौहान को केंद्र सरकार में कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री बनाया गया है।

इस्तीफे की घोषणा करते समय भावुक हो गए पूर्व सीएम चौहान

केंद्रीय मंत्री चौहान बुधनी से इस्तीफे की घोषणा करते वक्त भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि आज मैं बहुत भावुक हूं। मप्र विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिया है। बुधनी से विधायक था और बुधनी विधानसभा क्षेत्र की जनता मेरे रोम- रोम में रमती है, मेरी हर सांस में बसती है। मैंने बुधनी से ही अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की थी। बचपन से ही आंदोलन किए और फिर जनता का प्यार लगातार मिलता चला गया। उन्होंने कहा कि इसी बुधनी विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रहा, सांसद के चुनाव में भी छह बार इस जनता ने भारी बहुमत से मुझे जिताया। पिछला विधानसभा का चुनाव मैंने रिकॉर्ड एक लाख 5 हजार वोटों से जीता था। अभी लोकसभा में इसी जनता ने मुझे बुधनी विधानसभा एक लाख 46 हजार वोटों से जिताया। बुधनी की जनता की सेवा मैंने पूरे मन से की है, क्योंकि जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है और इस जनता ने भी मुझे भरपूर प्यार दिया है, आशीर्वाद दिया है। जनता के इस प्यार पर मेरा पूरा जीवन न्यौछावर है और अपनी संपूर्ण क्षमता के साथ मैं जनता की सेवा में लगा रहूंगा। जनता को प्रणाम करता हूं।

जुर्माना की राशि नहीं पटाने वाले संचालकों पर प्रकरण दर्ज

शासकीय उचित मुल्य की दुकानों में भारी भ्रष्टाचार खाद्य विभाग की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कोरबा शहर में संचालित होने शासकीय उचित मुल्य की दुकानों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। मामले को खाद्य विभाग ने गंभीरता से लिया और रिकवरी का नोटिस जारी करने के बाद भी जुर्माना की राशि नहीं पटाने वाले संचालकों के खिलाफ अपराध दर्ज करने संबंधित थाना-चौकी में शिकायत दर्ज कराई है,जिसके आधार पर पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरु कर दी है।

कोरबा शहर के साकेत नगर, दादरखुर्द, भिलाई खुर्द और डिंगापुर में संचालित होने शासकीस उचित मुल्य की दुकान का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। सरकारी अनाजों की हेर-फेर कर सरकार को लाखों का चूना लगाया है। मामला सामने आने के बाद खाद्य विभाग ने संबंधितों को नोटिस जारी कर रिकवरी के लिए नोटिस भेजा था,लेकिन किसी ने भी जुर्माना नहीं पटाया यही वजह है कि खाद्य विभाग ने संबंधित थाना चौकी में शिकायत कर अपराध दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि दादर सोसायटी से 24 लाख, सिविल लाइन थाना क्षेत्र में संचालित सोसायटी से 22 लाख और सीएसईबी चौकी क्षेत्र में संचालित सोसायटी से लाखों की वसूली करनी है।

मुख्यमंत्री ने की धान की बुआई

जशपुर। जशपुर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को दूसरे दिन अपने निजी निवास बगिया में पत्नी कौशल्या साय के साथ मां दुर्गा, गुरुदेव स्वामी की पूजा करने के बाद खेत में धान की बुआई की। सीएम साय ने धरती माता से इस वर्ष भी अच्छी फसल देने की प्रार्थना की। दरअसल मुख्यमंत्री विष्णुदेव मूलतः किसान हैं और अपने पिता की मृत्यु के बाद माँ के साथ खेतों में बैलों से जुताई भी की है।

खेत में कर रहे थे काम, बारिश होने पर पेड़ के नीचे बैठे थे

कोरबा में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कोरबा में आकाशीय बिजिली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। खेत में काम करने के दौरान बारिश होने पर पेड़ के नीचे बैठे थे, तबी ये हादसा हुआ। घटना कटघोरा थाना के तहत कर्रा गांव की बताई जा रही है। मृतक भुवनेश्वर सिंह 42 वर्षीय वही दूसरा मृतक बसंती कंवर 40 वर्षीय मनबोध सिंह 42 वर्षीय की हालत गम्भीर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि तीनों एक ही गांव के एक बस्ती के रहने वाले है जो गांव से लगे मुख्य मार्ग पर 12 बजे लगभग अपने अपने खेत मे जोताई करने मवेशी लेकर आये हुए तीनों अपने अपने खेत जोताई कर रहे थे अचानक 4 बजे लगभग मौसम का मिजाज बदलने लग गया और बारिश होने लगी।तीनों बारिश से बचने खेत से लगे मेड पर महुआ पेड़ के नीचे बैठे हुए थे इस दौरान

अचानक तेज आकाशीय बिजली की चपेट में तीनों आ गए जहा दो की मौत हो गई और एक घायल हो गया।

इस घटना के बाद आसपास खेत मे काम कर रहे लोगों की नजर पड़ी और तत्काल मौके पर पहुचे देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना 108 को दी गई।जहा मौके पर पहुच घायल को पहले कटघोरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।जहा उसका उपचार जारी है।

10 गांवों का विस्थापन बड़ी चुनौती, मानवीय गतिविधियां भी बढ़ रही

रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने की राह नहीं आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भले ही सरकार ने स्टेट लाइफ बोर्ड की बैठक में रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने पर सहमति दे दी हो, लेकिन इसको टाइगर रिजर्व बनाने का रास्ता इतना आसान नहीं है। यह इसलिए, क्योंकि करीब 16 साल से यह मामला कानूनी दांव-पेच में उलझा हुआ है। साथ ही ग्रामीणों का विस्थापन एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। केन्द्र सरकार पूर्व में ही टाइगर रिजर्व बनाने की स्वीकृति दे चुकी है। साथ ही एनटीसीए की सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। फिर भी मामला अटक रहा है।

दरअसल, रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने के लेकर पूर्ववर्ती सरकारों ने भी कई बार सहमति दी, लेकिन आज तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। रातापानी भोपाल के वन क्षेत्र से सटा है, वहां भ्रमण करने वाले बाघ, भोपाल के जंगलों तक आते रहे हैं। अभी यह अभयारण्य है और इसकी सीमा भोपाल, सीहोर और रायसेन तक लगती है। यह बहुत सघन वन क्षेत्र है, लेकिन इसके आसपास मानवीय गतिविधियां लगातार बढ़ रही है। इसके कारण टाइगर सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा लेकर भी खतरा बढ़ रहा है। हाल ही में इस मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी कहा कि रिजर्व बनाने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसे जल्द पूरा करें, लेकिन पूरी प्रक्रिया नियम के पालन के तहत पूर्ण हो। इसके अंतर्गत जो गांव बाहर शिफ्ट होने हैं, उन गांव वालों के मन में कोई संशय नहीं होना चाहिए।

इसके लिए उनको सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र से बाहर बसाए गए गांवों दिखाया जाना चाहिए।

खनन माफिया की दखलअंदाजी

देखा जाए तो रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया में खनन माफिया भी लगातार दखल देता रहा है। वनक्षेत्र में व्यापक तौर पर अवैध अवैध खनन है। वन अमले पर माफिया अक्सर भारी पड़ता है। इधर, 10 गांवों को अन्यंत्र स्थान पर बसाए जाने का काम किया जाना है। इधर, ग्रामीण भी वहां से हटना नहीं चाहते। ऐसे में विस्थापन के लिए ग्रामीणों को तैयार करना भी बड़ी चुनौती है, उनको विस्थापित किए बिना टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकती।

स्वरोजगार सहित वन्य जीवों की सुरक्षा

वन विभाग के रिटायर्ड उप वनसंरक्षक डॉ. सुदेश वाघमारे का कहना है कि यह बात सही है कि रातापानी को टाइगर रिजर्व बनाने में ग्रामीणों का विस्थापन एक बड़ी चुनौती है। यह इतना आसान नही है। टाइगर रिजर्व बनने से एक नहीं, कई फायदे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा टाइगर रिजर्व बनने के बाद विदेशी पर्यटक भी विजिट करेंगे। इसके राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही टाइगर की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण बिदु है।

जहर खाकर प्रेमी जोड़े ने दी जान

कांकेर। कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र ग्राम गुड़ाबेड़ा में रविवार को सनसनीखेज मामला सामने आया। युवती कि एक दिन पहले सगाई हुई थी, उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रात में जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शांती दर्रो (20) पिता सुकदेव दर्रो निवासी पटेलपारा गुड़ाबेड़ा का सगाई कार्यक्रम शनिवार को दिन में संपन्न हुआ था, उसका गांव के ही एक युवक सोनू कोमरा (20) पिता बुधराम कोमरा के साथ पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सगाई की रात ही दोनों प्रेमी-प्रेमिका गांव से बाहर मिले और दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इधर परिजन रात में दोनों की तलाश करते रहे, लेकिन कहीं पता नहीं चला। अगले दिन सुबह करीब 6 बजे शांती दर्रो और सोनू कोमरा का शव खेत में पड़ा मिला।

धरना प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष बोले-

बलौदाबाजार हिंसा: सुनियोजित तरीके से जुटाई गई थी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरिया

बलौदाबाजार हिंसा को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया और मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बैकुंठपुर के घड़ी चौक में संयुक्त धरना प्रदर्शन आयोजित हुआ।

धरने में मख्य रूप से छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत मौजूद रहीं। इस दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से आये-दिन आगजनी और हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं। ये प्रदर्शन प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को जगाने की मुहिम है। कंग्रेस ने आगे कहा कि अभी छह माह भी नहीं हुए सत्ता में

आए और लगातार घटनाएं हो रही है। आमलोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं ऐसे में सरकार को सचत्ता में रहने का अधिकारी नहीं है। वहीं नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि बलौदाबाजार की घटना में सुनियोजित तरीके से भीड़ जुटाई गई थी। 25 हजार की भीड़ व्हाट्सएप मैसेज से बुलाया गया उनका अरेंजमेंट किया गया। बहुत सारी गाड़ियों में लोग डंडे लेकर घूम रहे थे। लोगों को हिंसा भड़काने के लिए बुलाया गया था। सब बातों का जबाव साय सरकार को देना चाहिए।

निजी स्कूलों की अघोषित हड़ताल को लेकर फिर उठ रहे सवाल

प्रशासन की कार्रवाई से स्कूल संचालक लामबंद, छात्र संघ ने मोर्चा खोला

जबलपुर।

जिला प्रशासन द्वारा पिछले दिनों निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई से गुस्साएं स्कूल संचालकों ने अब दबाव बनाने की कोशिश शुरु कर दी है। सभी निजी स्कूलों को फिलहाल अघोषित तौर पर 24 जून तक बंद कर रखा गया हैं। कहा जा रहा है कि स्कूल संचालक लामबंद हो गये, और उसी रणनीति के तहत निजी स्कूलें 18 जून से नहीं खुली।

अभिभावकों को मैसेज भेजे गए, किसी ने 20 जून तक तो किसी ने 24 जून तक मैसेज भेजे। कलेक्टर या जिला शिक्षा अधिकारी के पास किसी भी स्कूल एसोसिएशन का अधिकृत पत्र नही भेजा गया। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर चल रहे मैसेज से भ्रम की स्थिति बन रही हैं और इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि प्रशासन और अभिभावकों पर स्कूल संचालक दबाव बनाकर ब्लैकमेल की साजिश रच रहे है। इस संदर्भ में आज 19 जून शाम को 4 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई हैं जिसमें निजी स्कूला के एसोसिएशन के संगठन या प्रबंधक जिन्हें स्कूल संचालन के संबंध में अथवा प्रशासन द्वारा की गई कोई भी चर्चा करना है तो वह उपस्थित होकर अपनी बात रख सकते हैं।

यह अभिभावकों को ब्लैकमेल करने की रणनीति

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा जारी सूचना पटल में कहा गया है कि मप्र छात्र संगठन द्वारा एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया गया हैं, जिसमें स्कूलों की अघोषित हड़ताल को अवैधानिक बताते हुए अभिभावकों को ब्लैकमेल करने की साजिश बताया गया हैं। लगभग 250 करोड़ की अवैध फीस उगाही करने वाला शिक्षा माफिया अब छात्रों के भविष्य को अधर में लटका कर अभिभावकों को ब्लैकमेल करने की रणनीति पर उतर आया है। इसके लिए बाकायदा संगठन की बैठक कर स्कूलों को अनिश्चित काल तक न खोलने का निर्णय भी ले लिया गया है।

दिल्ली, भोपाल की बैठक में बनी रणनीति

निजी स्कूलों के सूत्रों के अनुसार शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के एक दिन पहले दिल्ली, भोपाल में एक गोपनीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर के स्कूल संचालक वीडियों कॉंफ्रेंस से जुड़े। इसमें कुछ संचालकों ने अपनी समस्यों पर मंथन किया। स्कूल संचालन का आरोप है कि शासन प्रशासन उनका पक्ष सुनने तैयार नहीं, लिहाजा उनके पास हड़ताल करने के अलावा कोई चारा नहीं। जबकि प्रशासन का कहना है कि मामला अब न्यायालय के विचाराधीन है। इसमें कुछ संशोधन नहीं किया जा सकता। बाकि कठिनाईयों के लिए शासन प्रशासन से चर्चा की जा सकती है। जिस पर विधि विशेषज्ञों की राय लेकर ही कोई कदम उठाया जाएगा। इधर दूसरी ओर सूत्रों का कहना है कि निजी स्कूल संचालक भोपाल में मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर समय मांग रहे। मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद ही कोई निर्णय होगा।

स्कूल ग्रुप में भेज दिए गए मैसेज

जबलपुर के क्राइस्ट चर्च सालीवाड़ा और विजयनगर और स्टीम टीम स्कूल, सत्यप्रकाश स्कूल सहित अन्य स्कूलों ने अभिभावकों को मैसेज भेजकर कहा है कि स्कूल का दोबारा खुलना अगले आदेश तक पोस्टपोन कर दिया गया है। एक तरह से इन स्कूलों के द्वारा अभिभावकों का यह संदेश दिया जा रहा है कि आपकी शिकायत पर स्कूल पर कार्यवाही की गई थी और अब स्कूल सभी छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने को उतारू है।

कलेक्टर कार्यालय में बैठक आज

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि 19 जून बुधवार की शाम को 4 बजे कलेक्टर की अध्यक्षता में निजी स्कूलों की एक बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलें क्यों बंद है उसकी कोई भी अधिकृत सूचना जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर कार्यालय के पास नहीं है। जहां तक जिला प्रशासन की कार्रवाई का सवाल है तो अब मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उस विषय को छोड़कर अन्य समस्याओं पर इस बैठक में निजी शाला प्रबंधन अपनी बात रख सकते है।

मप्र छात्र संगठन ने की हड़ताल अवैध घोषित करने की मांग

मप्र छात्र संगठन के अध्यक्ष अभिषेक पांडे ने जिला शिक्षा अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर निजी हड़तालों को अवैध घोषित करने की मांग की है। जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपे हुए ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा माफिया के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई के विरोध में स्कूलें बंद करने से न केवल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा बल्कि अभिभावकों पर दबाव बनाकर ब्लैकमेल करने की साजिश रची जा रही है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी छात्र और अभिभावक इस कार्यवाही के समर्थन में जिला प्रशासन के साथ दृढ़ता से खड़े हैं और शिक्षा माफिया के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। भारत के संविधान के अनुसार हर नागरिक को शिक्षा का अधिकार है, और स्कूलों को न खोलकर निजी विद्यालय इस अधिकार का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। हर नागरिक को अपनी बात रखने और आंदोलन करने का अधिकार है, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि स्कूल का संचालन सुचारू रूप से हो और छात्रों को किसी प्रकार की हानि न हो। स्कूल समय के बाद ही किसी भी तरह का प्रदर्शन किया जाना चाहिए, अन्यथा इस पर कड़ी कार्यवाही की जाना चाहिए।

सरकारी स्कूल दिल्ली मॉडल की तर्ज पर हो

अभिभावक उपभोक्ता संगठन ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। जिस से अभिभावकों को विकल्प मिल सके। दिल्ली मॉडल की तर्ज पर सरकारी स्कूलों को विकसित करने की बात कही गई है। संगठन ने कहा कि निजी स्कूलों पर कार्रवाई स्वागत योग्य है लेकिन अभिभावकों के सामने विकल्प नहीं। भारी भरकम बजट होने के बावजूद सरकारी शिक्षा व्यवस्था ठप्प है इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, शिक्षकों की कमी है, शिक्षा स्तरहीन है, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का अभाव है, विगत 10 वर्षों में मध्य प्रदेश का शिक्षा बजट 4 लाख करोड़ रुपए के लगभग रहा है इसके पश्चात लगातर दुर्दशा बढ़ती जा रही है, मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर उपरोक्त मुद्दे पर शीघ्र उचित कदम उठाने की मांग प्रफुल्ल सक्सेना, राकेश चक्रवर्ती, रितु चौरसिया, नरेश पेशवानी, जाहिद खान, विनोद पांडे आदि ने की है।

तपती धूप में नन्हे-मुन्ने बस्ता टांगकर चले स्कूल

निजी स्कूलें बंद रही, शासकीय स्कूलों में उपस्थिति रही कम

जबलपुर।

नये शिक्षण सत्र के पहले दिन ही सूर्य देव ने जमकर अपना प्रभाव दिखाया। नन्हे-मुन्ने बच्चे चिलचिलाती धूप में शालाओं में पहुंचे। पहले दिन प्राय सभी स्कूलों में अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिला। हवा और पानी का अभाव स्पष्ट रूप से बच्चों के चेहरों पर परिलक्षित हो रहा था। निजी शालाएं अघोषित हड़ताल के चलते बंद रही तो वहीं शासकीय शालाओं में उपस्थिति कम रही। वहीं अव्यवस्थाएं खुलकर हावीं हुईं। बच्चों को सरकारी स्कूल में पहले ही दिन कापी किताब वितरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बच्चों से ऑनलाईन संवाद भी किया। शासकीय स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया जो अगले दो दिन तक जारी रहेगा। दरअसल समर वैकेशन में बच्चे दादा-दादी, नाना-नानी के यहां घूमने चले गये अधिकांश अपने घरों को नहीं लौटे। दो चार दिन में घरों को लौटेंगे। सोमवार से स्कूलें बच्चों से गुलजार नजर आएगी।

यहां उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई से शिक्षण सत्र का शुभारंभ होता था वही कुछ वर्षों से 15 अप्रैल के बाद ग्रीष्म अवकाश प्रारंभ होता है जो 15 जून तक रहता है। नए शिक्षण सत्र का यह प्रयोग पूरी तरह असफल रहा है फिर भी इसे नहीं बदला जा रहा है। पहले पूरा मई और जून अवकाश रहता था और 1 जुलाई से स्कूलें खुलती थी। हालात यह हैं कि सरकारी स्कूलों से लेकर नामी-गिरामी कान्वेंट स्कूलें विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाई हैं। स्कूलों में अभी भी प्रवेश प्रारंभ के बोर्ड लटके हुये हैं। जो विद्यार्थी पहले से ही शालाओं में अध्ययनरत थे और अगली कक्षाओं में उत्तीर्ण होकर पहुंच गये, वे ही कक्षाएं लगी लेकिन उनमें उपस्थित नगण्य रही। नर्सरी से लेकर प्रायमरी स्तर की कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया को लेकर अभी भी खानापूर्ति चल रही है। पहले दिन सरकारी किताबों का वितरण किया गया। जबकि निजी प्रकाशकों की किताबें बाजार में आ गईं लेकिन जिला प्रशासन की कार्रवाई के बाद बुक सेलर्स और निजी प्रकाशक भी सकते में आ गए, अभिभावक भी कॉपी किताबें खरीदनें में असमंजस की स्थिति में बने हुए हैं।

सरकारी स्कूलों की शिक्षा गुणवत्तापूर्ण रोजगार के गुर भी सीख रहे हैं छात्रः सांसद

जबलपुर।

जिला स्तरीय कार्यक्रम मॉडल स्कूल में आयोजित

शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय "स्कूल चलें हम" कार्यक्रम का आयोजन पंडित लज्जा शंकर झा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल जबलपुर में किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सांसद आशीष दुबे, केंट विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह, जिला पंचायत जबलपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा, मॉडल स्कूल के प्राचार्य मुकेश तिवारी सहित अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की पूजा अर्चना से हुआ। भोपाल से "स्कूल चले हम" कार्यक्रम का प्रसारण से उपस्थित बच्चो एवं पालकों में ख़ुशी का वातावरण निर्मित हो गया। मुख्यमंत्री के उद्बोधन को उपस्थित जन समुदाय ने पूरी तल्लीनता से सुना तथा सराहा।

"स्कूल चले हम" का जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे ने अपने विचार रखे, सांसद ने अपने बचपन के संस्मरणों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सरकारी स्कूलों में शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हैं, बच्चे शिक्षा के साथ साथ रोजगार के गुर भी सीख रहे हैं। शिक्षा के लिये केन्द्र व प्रदेश की सरकार लगातार उच्च स्तर पर प्रयास कर रहा हैं। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि वे खूब मन लगाकर पढाई करें। कार्यक्रम के दौरान विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि बच्चो आप लोग खूब पढो, खूब बढ़ो, शासन आप सबकी पढाई के प्रति गंभीर हैं। आप सबको खूब पढ़ लिखकर जबलपुर के साथ देश प्रदेश का नाम रोशन करना हैं।महापौर जगत बहादुर सिंह ने भी कहा कि सभी बच्चे मन लगाकर पढाई करें। शिक्षा में नए-नए संसाधनो का प्रयोग हो रहा हैं। अगर किसी बच्चे को पढाई में किसी प्रकार से कोई समस्या आ रही है तो वे उनसे तत्काल सम्पर्क करे, उसकी पढाई में किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी के द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, अभिभावक सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

कटंगी एवं बेलखाडू में खाद-बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

जबलपुर। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यालय उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जबलपुर की टीम द्वारा मंगलवार को कटंगी एवं बेलखाडू में खाद-बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास रवि आम्रवंशी ने बताया कि टीम ने निरीक्षण की शुरुआत कटंगी में एग्रो हब किसान की दुकान से किया। निरीक्षण में यहाँ स्टॉक पंजी एवं अन्य दस्तावेजों का संधारण नहीं पाया गया और न ही उपलब्ध कराया गया। इस कारण इसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और तीन दिन के भीतर इसका जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। श्री आम्रवंशी ने बताया कि टीम द्वारा कटंगी में ही अमन फर्टिलाइजर्स केंद्र का निरीक्षण किया गया जिसमें सभी दस्तावेज दुरुस्त पाये गये। इसके बाद टीम द्वारा बेलखाडू में अतुल एग्रोटेक, पूजा कृषि केंद्र एवं एग्रो हब का भी निरीक्षण किया गया। एग्रो हब किसान की दुकान बेलखाडू में भी स्टॉक पंजी एवं अन्य दस्तावेज नहीं पाये गये। उपसंचालक किसान कल्याण के मुताबिक निरीक्षण टीम में सहायक संचालक अमित पांडे, विषय वस्तु विशेषज्ञ पंकज श्रीवास्तव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा, कृषि विस्तार अधिकारी पूनम चक्रवर्ती, अरविंद झारिया, मुकेश बाबु मीना, आकांक्षा राय एवं विजय परसवार शामिल थे। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा बेलखाडू स्थित एग्रो हब किसान की दुकान में स्टॉक पंजी का संधारण नहीं पाये जाने तथा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जाने पर प्रतिष्ठान के खाद-बीज के मौजूदा स्टॉक के विक्रय को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बच्चों के पोषण स्तर निर्धारण के लिये 10 दिवसीय शारीरिक माप अभियान प्रारंभ

जबलपुर। प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों में जन्म से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के पोषण स्तर निर्धारण के लिये प्रत्येक माह के 10 कार्य दिवस में बच्चों के शारीरिक माप दिवसों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान पोषण ट्रेकर एप में पंजीकृत जन्म से 6 वर्ष की आयु वर्ग के समस्त बच्चों का वजन एवं लंबाई/ऊँचाई की सटीकता के साथ माप लिया जाकर एप में प्रविष्टि की जाती है, जिससे बच्चों के पोषण स्तर का निर्धारण किया जाता है। जून माह में 10 दिवसीय शारीरिक माप अभियान के रूप में 18 से 28 जून तक आयोजित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि महिला, बाल विकास मंत्रालय द्वारा माह जून 2024 के लिये पोषण ट्रेकर एप में पूर्व में बच्चों के वजन और लंबाई/ऊँचाई के माप में हुई त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि में उनके वास्तविक माप अनुसार सुधार के लिये विकल्प उपलब्ध कराया गया है।आयुक्त, महिला-बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने निर्देश दिये हैं कि शारीरिक माप अभियान के दौरान प्रत्येक पर्यवेक्षक द्वारा अपने क्षेत्र में उन कमजोर प्रदर्शन वाले केन्द्रों में एक-एक दिवस उपस्थित होकर समक्ष में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग से पूर्व माह में चिन्हित सभी कम वजन/ठिगनापन तथा सैम/मैम बच्चों की सटीकता के साथ वजन तथा लंबाई/ऊँचाई लेकर पोषण ट्रेकर में सही जानकारी की प्रविष्टि सुनिश्चित कराएंगे। प्रत्येक पर्यवेक्षक 10 से 15 केन्द्रों का भ्रमण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर से उन केन्द्रों का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, जिन केन्द्रों में परियोजना अंतर्गत सर्वाधिक कुपोषित बच्चों की संख्या है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से पर्यवेक्षक द्वारा विशेषकर उन बच्चों की सूची तैयार की जाये, जिनकी विगत माहों में वजन और लंबाई/ऊँचाई के माप में पूर्व में त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि हुई हो, वर्तमान में सही माप ली जाकर उसकी प्रविष्टि पोषण ट्रेकर एप में सुनिश्चित कराई जाए। श्रीमती फारूकी ने कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण के लिये बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा कम से कम 20 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं संयुक्त संचालक को कम से कम 15-15 आंगनवाड़ी केन्द्रों का अनिवार्य रूप से भ्रमण कर समक्ष में बच्चों के वजन का सत्यापन कराने के निर्देश दिये हैं।

सरकारी कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों की मनमर्जी पर लगेगी रोक

अब बॉयोमेट्रिक फेस अटेंडेंस सिस्टम सख्ती से होगा लागू

जबलपुर। सरकारी विभागों के कर्मचारियों की देर से कार्यालय आने और गायब हो जाने की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश सरकार बॉयोमेट्रिक फेस से उपस्थिति की व्यवस्था इस बार कड़ाई से लागू करने का मन बना रही है। यह व्यवस्था प्रदेश मुख्यालय से लेकर नीचे तक सभी विभागों के प्रत्येक कार्यालय में लागू करने की योजना है। केंद्र सरकार के कार्यालयों की तर्ज पर इसे लागू करने पर फिर से काम किया जा रहा है। पहले भी शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में बॉयोमेट्रिक फेस अटेंडेंस लागू करने की पहल की गई थी, लेकिन यह सफल नहीं हो सकी, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) हाल ही में इसको लागू करने के निर्देश दे चुका है। समस्त विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर कहा गया है कि उन्हें मंत्रालय से लेकर मुख्यालय और जिला से लेकर तहसील कार्यालय तक कर्मचारियों की उपस्थिति की व्यवस्था लागू करनी होगी। इसके लिए आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) उपकरण क्रय किए जाएंगे।गौरतलब है कि राज्य मंत्रालय वल्लभ भवन में कर्मचारियों की लेतलतीफी पर अंकुश लगाने के लिए तत्कालीन सीएस राकेश साहनी के समय बॉयोमेट्रिक सिस्टम लागू किया गया था। इस सिस्टम के जरिए कुछ समय तक तो कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, लेकिन बाद में ये सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया और सुबह 10.30 बजे की जगह कर्मचारी दोपहर तक मंत्रालय आने लगे। खासकर अधिकांश महिला कर्मचारी तो 12 बजे के बाद ही मंत्रालय आतीं है, इसका कई बार विरोध भी हुआ, लेकिन उन पर कोई असर नहीं पड़ा। गौरतलब है कि शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में बॉयोमेट्रिक फेस अटेंडेंस लागू करने की पहल मंत्रालय में की गई थी। इस काम पर जीएडी प्रशासन ने लाखों रुपए खर्च किए थे और पुरानी बिल्डिंग के प्रत्येक फ्लोर पर मंत्रालय आने-जाने वाले स्थान पर बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लगाया गया था। कुछ स्थानों पर कर्मचारी अंगूठा लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे, तो कुछ स्थानों पर फेस के माध्यम से। ये सिस्टम मंत्रालय में अधिकतम एक साल ही चला और इसे फेल कराने में कर्मचारियों की भूमिका कम नहीं रही। धीरे-धीरे कर्मचारियों ने बॉयोमेट्रिक सिस्टम पर अंगूठा लगाना बंद कर दिया और संबंधित विभाग के रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कराने लगे, जबकि बड़े अफसरों की उपस्थिति के लिए मंत्रालय में ऐसा कोई रजिस्टर नहीं बनाया गया है।बॉयोमेट्रिक सिस्टम को फेल कराने में महिला कर्मचारियों का सबसे बड़ा हाथ माना जा रहा है। क्योंकि वे घर में खाना बनाने और बच्चों से फ्री होने के बाद ही ड्यूटी करने आती हैं, जिसके कारण कोई महिला कर्मी 11.30 बजे मंत्रालय आ पाती हैं, तो कोई 12 बजे या इसके बाद। इससे मंत्रालय का कामकाज भी देरी से प्रारंभ होता है। अब सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) हाल ही में इसको लागू करने के निर्देश दिए हैं। ये सिस्टम समस्त विभागों के अधिकारियों को मंत्रालय से लेकर मुख्यालय और जिला से लेकर तहसील कार्यालय तक कर्मचारियों की उपस्थिति के लिए लागू करना होगा। इसके लिए आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) उपकरण क्रय किए जाएंगे। खास बात यह है कि कर्मचारियों की ईएल और सीएल भी इसी प्रणाली के साफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृतियां खारिज की जाएगी। वहीं दिव्यांग कर्मचारियों की सुविधा के लिए इसमें अलग व्यवस्था होगी। जीएडी के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी का कहना है कि सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं। मंत्रालय के कर्मचारियों के स्मार्ट आइडी कार्ड पर भी विचार कारपोरेट आफिस की तर्ज पर मंत्रालय के कर्मचारियों के स्मार्ट आइडी कार्ड बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। कार्ड के स्केन करने पर गेट ओपन होने से लेकर अन्य कार्य कार्ड की मदद से संभव हो सकेंगे। हालांकि इस पर अभी सहमति नहीं बनी है।

स्वागत से अभिभूत हुए नवप्रवेशी बच्चे, सिहोरा के सीएम राइज स्कूल में हुआ आयोजन

छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा विभाग का उद्देश्य : संध्या दुबे

सिहोरा। नवीन शिक्षा सत्र के शुभारंभ अवसर पर सी एम राइज पंडित विष्णु दत्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा मैं आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे ने नव प्रवेशित बच्चों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि कक्षा मंच और मैदान शिक्षा के तीन सोपान हैं। प्रदेश शासन की मंशा अनुसार छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा विभाग कक्षा मंच और मैदान में हर कदम पर आपके साथ नजर आयेगा।

स्कूल में स्वागत से अभिभूत हुए

इसके पूर्व नवीन शिक्षा सत्र की शुरुआत के मौके पर कक्षा छठवीं, नवमी एवं ग्यारहवीं में नवप्रवेशित छात्र स्कूल पहुंचे बच्चों का ऐसा स्वागत किया गया कि वे दंग रह गए।बच्चों पर स्कूल स्टाफ ने फूलों की बारिश की तिलक लगाया और आरती उतारी। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि महेंद्र अग्निहोत्री, सिहोरा अनुविभागीय अधिकारी रूपेश सिंघई,सहायक संचालक कृषि अरविंद धुर्वे, सी एम राइज प्राचार्य अशोक उपाध्याय, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बृजेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया गया। जनपद अध्यक्ष रश्मि महेंद्र अग्निहोत्री ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षित व्यक्ति ही परिवार,समाज व देश को उन्नति की ओर ले जा सकता है। इसलिए प्रत्येक बच्चे का शिक्षित होना आवश्यक है। प्राचार्य उपाध्याय ने कहा कि महंगी निजी शैक्षणिक संस्थाओं से बेहतर अध्यापन व्यवस्था उपलब्ध कराने शासन की महत्वाकांक्षी योजना सी एम राइज विधालय में प्रवेश पाने पर आप बधाई के पात्र हैं इसी तरह आगे भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए आपको अपनी संस्था नगर का नाम प्रदेश में गौरवान्वित करना है। कार्यक्रम के समापन पर नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना अंतर्गत पाठ पुस्तक का सेट प्रदान किया गया।

इन विद्यालयों में नर्सरी की कक्षाएं होगी संचालित

विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब शासकीय स्कूलों में भी प्री प्राइमरी कक्षाएं संचालित की जाएगी सिहोरा विकासखंड अंतर्गत शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला,शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल मझगवा,शासकीय माध्यमिक शाला गांधीग्राम,शासकीय कन्या माध्यमिक शाला गोसलपुर, शा.मा. शा0 देवरी, शा.मा.शा.बुधारी, शा.मा शा.सिहोरा, शा.मा.शा0 सरोली, शा हाईस्कूल गुनहरू मोहसाम,शा.उ.मा.वि.अगरिया में नवीन शिक्षा सत्र से अंग्रेजी माध्यम स्कूल की तर्ज पर नर्सरी की कक्षाएं भी संचालित की जाएगी। शिक्षा विभाग ने समस्त अभिभावकों से शासन की योजना का लाभ लेने की अपील की है।

प्रवेश उत्सव पर किया गया निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण

शासकीय प्राथमिक शाला लखराम में स्कूल चले हम कार्यकम के शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव, पाठ्य पुस्तक वितरण एवं स्कूल चले हम अभियान की रैली का आयोजन जिला शिक्षा केंद्र जबलपुर के ए पी सी प्रेमनारायण तिवारी,बी आरसीसी बृजेश श्रीवास्तव,प्रधानाध्यापक अशोक तिवारी,शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष कमलेश कोल,जनशिक्षक अक्षय चौदहा एवं शाला स्टाप की उपस्थिति में आयोजित किया गया अतिथियों एवं नवप्रवेशी छात्रों का रोरी से तिलक वंदन कर स्वागत किया गया एंव निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। अतिथियों अभिभावकों पूर्व छात्रों एवं शाला के बच्चों के साथ अतिथियों की सहभागिता से स्कूल चले हम रैली वार्ड नंबर 14 बसाहट में निकाली गई। रैली के दौरान बच्चों द्वारा स्कूल चले हम अभियान से संबंधित नारे लगाए गए एवं स्लोगन लिखित तक्तियां लेकर वार्ड का भ्रमण किया।

विश्व सिकल सेल दिवस पर आज होंगी विभिन्न गतिविधियां

शिविर लगाकर चिन्हित रोगियों को दिया जायेगा परामर्श

जबलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को मनाया जायेगा। इस दिन जिले में जिला स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन हेतु स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन, काउंसलिंग रोकथाम एवं जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। विश्व सिकल सेल दिवस पर जिले में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को लेकर जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये हैं तथा समन्वय के लिये स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग की जिम्मेदारी दी है। जिला पंचायत सीईओ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में विश्व सिकलसेल दिवस पर स्वास्थ्य विभाग को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग एवं आयुष विभाग के सहयोग से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने कहा गया है। विश्व सिकल सेल दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में सिकलसेल एनीमिया के चिन्हित रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों को परामर्श दिया जायेगा तथा आवश्यक जाँचे करने के बाद दवा, जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड, फॉलोअप कार्ड एवं विकलांगता प्रमाण-पत्र का वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही चिन्हित रोगियों को टेली कंसल्टेशन भी इस शिविर में दिया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले की ऐसी ग्राम पंचायतों के सरपंच को सम्मानित भी किया जायेगा, जहाँ सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया हो । इस मौके पर आयुष विभाग द्वारा सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता हेतु प्रदर्शनी लगाई जायेगी तथा जनजातीय कार्य विभाग को चित्रकला, लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से सिकलसेल के उन्मूलन के जागरूकता पैदा करने का दायित्व दिया गया है। विश्व सिकलसेल दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का ग्राम पंचायत स्तर तक सीधा प्रसारण दिखाने की जिम्मेदारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास को सौंपी गई है।

300 पाव देशी शराब जब्त

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत ग्राम भड़पुरा नई बस्ती रोड खेत किनारे अवैध शराब के कारोबार में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 300 पाव देशी शराब जब्त की है। भेड़ाघाट थाना प्रभारी श्रीमति पूर्वा चौरसिया ने बताया कि ग्राम तेवर भेड़ाघाट निवासी 24 वर्षीय शुभम पटेल ग्राम भड़पुरा नई बस्ती रोड खेत किनारे शराब बेचने की फिराक में खड़ा था।

एकता बनी नरेन्द्र मोदी विचार मंच की जिलाध्यक्ष

सिहोरा। नरेन्द्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि चाणक्य की सहमति से एंव महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती डॉ. ज्योति श्रीवास्तव की अनुशंसा पर संगठन को मजबूत बनाकर मिशन 2029 की तैयारी को ध्यान में रखते हुवे नरेन्द्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव सूरज ब्रम्हे के द्वारा जबलपुर सिहोरा की समाज सेवी श्रीमती एकता तिवारी को जबलपुर महिला शाखा जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है।

पेंशनर्स को मिले आयुष्मान योजना का लाभ

सिहोरा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा सिहोरा ने मांग की है कि वर्षो तक शासन की सेवा करने वाले सेवा निवृत्त कर्मचारीयों को आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ दिया जाये। वृद्धावस्था के चलते आये दिन बिमारी से ग्रसित होने के बाबजूद महंगाई के कारण पेंशनर्स समय पर इलाज नहीं करा पाते है। यदि पेंशनर्स का आयुष्मान कार्ड बना दिया जाये तो उन्हें समय रहते इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिये जाने की मांग संघ के तहसील अध्यक्ष गंगा राम गुप्ता,जी डी सुहाने, एम एल गौतम, शिव कुमार तिवारी, अशोक पाठक, भगत प्रसाद कोरी, अश्विनी प्रसाद गर्ग, दिनेश तिवारी, सुधीर नौगरहिया, शंकर लाल मिश्रा, जगदीश गुप्ता आदि ने की है।

नशीले इंजैक्शन बेचने वाला 1 गिरफ्तार, 2 सगे भाई फरार

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत बापू नगर हनुमान मंदिर के पास वाली गली में नशीले इंजैक्शन के कारोबार में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं आरोपी दो सगे भाई मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 नशीले इंजैक्शन जब्त किए है। रांझी थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम ने बताया कि गत दिवस बापू नगर हनुमान मंदिर के पास वाली गली में मस्ताना चौक रांझी निवासी 21 वर्षीय कंज झारिया अपने दो साथी सूरज सोनकर और रिहान सोनकर के साथ नशीले इंजैक्शन बेचने के लिए खड़ा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनों भाई सूरज सोनकर और रिहान सोनकर मौके से फरार हो गए और कंज झारिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 20 फैनीरामाईन मेलियेट इंजैक्शन एवं 20 ब्रूफ्रनोर्फिन इंजैक्शन जब्त किए है। इंजैक्शन के सम्बंध में पूछताछ करने पर उक्त इंजैक्शन दोनों भाई सूरज सोनकर एंव रिहान सोनकर से खरीदने की बात स्वीकार की।

दो माह में पश्चिम मध्य रेल ने 9 मिलियन टन से अधिक माल लदान किया

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के निरंतर मॉनेटरिंग और वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए गुड्स लोडिंग को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं मई 2024 में कुल 09.29 मिलियन टन माल लदान किया, जबकि गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 08.99 मिलियन टन माल लदान किया था, जो कि 03 प्रतिशत अधिक है। जिसमें अकेले मई माह में 04.78 मिलियन टन माल लदान किया, जबकि गत वित्तीय वर्ष की इसी माह में 04.68 मिलियन टन माल लदान किया था, जो कि 02 प्रतिशत अधिक रहा। माल यातायात बढ़ाने के लिए पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय और तीनों मंडलों द्वारा फ्रेट लोडिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया गया और साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए जा रहे है। कई माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएं दी जा रही। गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया है। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

गुरुग्राम की कंपनी के डायरेक्टरों पर मामला दर्ज

फ्रैंचाईजी का झांसा देकर 10 लाख हड़पे

जबलपुर। शहर की एक पार्टनरशिप फर्म को हरियाणा के गुरुग्राम की एक कंपनी ने अपने उत्पादों की फ्रैंचाईजी का झांसा देकर 10 लाख रुपये हड़प लिये। कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा पैसा वापस करने में आना कानी करने पर उनके खिलाफ धारा 420, 406, 506 का मामला दर्ज कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। गोरखपुर थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि वरुण नैयर, कुमार राठौर एवं अमरीश जैन की पार्टनरशिप में फर्म गो लाईफ एसोसिएट का कार्यालय सगड़ा में बरगी हिल्स तिराहे के पास है। गो लाईफ के डायरेक्टर जीजी के साल्युशन प्राइवेट लिमिटेड के गुरुग्राम हरियाणा स्थित कार्यालय में गत फरवरी 2022 को कंपनी के डायरेक्टरों संजय सिन्हा व योगराज शर्मा से मिलने गये थे जहां पार्टनर शिप फर्म गो लाईफ एसोसिएट के डायरक्टरों वरुण नैयर, कुमार राठौर व अमरीश जैन को कंपनी के उत्पादों की फ्रैंचाइजी लेने 20 लाख रुपये जमा करने कहा गया। उक्त रकम ज्यादा होने के कारण गो लाईफ के डायरेक्टर रकम किश्तों में जमा करने तैयार हो गए। गो लाईफ के डायरक्टरों ने जीजी के साल्युशन के साथ एक अनुबंध किया था जिसके तहत जीजी के साल्युशन के डायरक्टरों संजय सिन्हा व योगराज शर्मा ने 10 लाख रुपये सुरक्षा निधि के रूप में जमा कराये थे। जिसे बाद में वापस करने का आश्वासन भी दिया गया था। गत 7 मार्च 2022 को अनुबंध होने पर जीजी के साल्युशन के बैंक खाते में बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 10 लाख रुपये स्थानांतरित किए गए। इसके बाद जीजी के साल्युशन के डायक्टरों ने कहा कि वे गो लाईफ को अपनी विशेष फ्रैंचाइजी देंगे। कंपनी ने धोखाधड़ी कर अभी तक कोई समान गो लाईफ को उपलब्ध नहीं कराया। डायरक्टरों योगराज शर्मा व संजय सिन्हा ने गो लाईफ एसोसिएट्स को मिनीमम इनकम गारंटी व स्टाफ की सैलरी का प्रलोभन भी दिया गया था जब गो लाईफ के पार्टनर पैसा वापस लेने गुरुग्राम हरियाणा स्थित कंपनी के कार्यालय पहुंचे तो उन्हें जीजी के साल्युशन डायरक्टरों संजय सिन्हा व योगराज शर्मा से सीधे नहीं मिलने नहीं दिया गया बल्कि वीडियों कांफ्रेंसिंग से बात कराई गई। इस दैरान दोनों डायरक्टरों ने पैसा लौटाने का आश्वासन देकर बात को टाल दिया। इस तरह संजय सिन्हा व योगराज शर्मा ने गो लाईफ को फ्रैंचाईजी का झांसा देकर अमानत में खयानत कर 10 लाख रुपये हड़प लिये।

प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी के साथ जीपीएस से होगी निगरानी

कैश हैंडलिंग वाहन सीसीटीवी से होंगे लैस

जबलपुर। जबलपुर सहित प्रदेश में एटीएम और बैंक समेत अन्य जगह कैश का परिवहन करने वाले वाहनों की लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार नई पहल करने जा रही है। इसके लिए नगदी का परिवहन करने वालों को लेकर सरकार ने दिशा-निर्देश बना लिए हैं। इसको प्रशासकीय अनुमोदन के लिए वरिष्ठ कार्यालय को भेजा गया है। इस पर अनुमति मिलने पर इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार कैश हैंडलिंग करने वाले वाहनों में तैनात सुरक्षा कर्मियों के लिए मापदंड तय किए गए हैं। उनका प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। संबंधित नियमों का पालन नहीं करने वाले सुरक्षाकर्मी की तैनाती संबंधित वाहनों में नहीं की जा सकेगी। इसके साथ ही वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। ताकि परिवहन के समय उनकी मॉनीटरिंग की जा सकेगी। इन वाहनों में सीसीटीवी भी लगाने का प्रावधान किया जा रहा है। ताकि आसपास की हलचल और कोई घटना होने पर कार्रवाई और जांच में मदद मिल सके। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने बताया कि नियमों को बनाए जाने से नगदी परिवहन कार्यकलापों में होने वाले जोखिम और नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। साथ ही निजी सुरक्षा एजेंसियों और कैश हैंडलिंग एर्जेसियों की कार्यवाहियों में भी एकरूपता आ सकेगी। अभी इस पर प्रक्रिया चल रही है।

बरौदा में महिला पटवारी के साथ मारपीट

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम बरौदा में एक रसूखदार किसान ने महिला पटवारी के साथ मारपीट कर दी। महिला पटवारी शासकीय जमीन पर बोरवेल खनन करने के मामलें की शिकायत की जांच करने मौके पर पहुंची थी। बताया गया है कि मारपीट के दौरान ग्राम कोटवार में बीच बचाव का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट कर दी। पनागर पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने सहित अन्य धाराआंs के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला पटवारी विनिता नेमा ग्राम बरौदा में किसान लवकुश पटेल द्वारा शासकीय जमीन में बोरवेल जमीन की शिकायत की जांच कराने ग्राम कोटवार को लेकर मौके पर पहुंची, पटवारी जब जांच कर पूछताछ कर रहे थे उसी दौरान लवकुश वहां पहुंच गया और महिला पटवारी से अभद्रता करने लगा, नौबत हाथापाई तक आ गई। इस दौरान ग्राम कोटवार ने बीच बचाव किया तो उसके साथ अभद्रता व मारपीट कर दी। दोनों को धक्का देकर खेत से बाहर करने लगा। विवाद होते देख गांव के अन्य लोग भी पहुंच गए, जिन्होने बीच बचाव करने की कोशिश की तो लवकुश पटेल धमकी देते हुए भाग गया. महिला पटवारी वनिता नेमा ने थाना पहुंचकर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी. जिसपर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी लवकुश पटेल की तलाश शुरु कर दी है।

शासकीय जमीन पर बोरवेल खनन के मामले की जांच करने पहुंची थी

मां नर्मदा जीवित इकाई घोषित की जाए

जबलपुर। मां नर्मदा में अमरकंटक से लेकर मध्य प्रदेश की सीमा तक 360 नाले नालियां मिलती है जिन्हें रोकने में सरकार सफल नहीं हो सकी, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 2017 में मां नर्मदा को जीवित इकाई घोषित करने हेतु विधनसभा में शासकीय संकल्प पारित किया था उसके पश्चात 7 वर्ष व्यतीत हो गए हैं अभी तक विधेयक नही पारित किया लगता है सरकार अपना संकल्प भूल गई है उक्त जानकारी देते हुए नर्मदा संरक्षण परिषद् ने मुख्य मंत्री श्री मोहन यादव से शीघ्र संकल्प को पूरा करने की मांग की है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की संयुक्त संस्था नर्मदा संरक्षण परिषद् का गठन कर आज पत्रकारवार्ता अयोजित की गई जिसमें मां नर्मदा के संरक्षण का संकल्प लिया गया। संयोजक मनीष शर्मा ने बताया की इंदौर में हुई महत्वपूर्ण बैठक में प्रख्यात पर्यावरणविद डा सुनील चतुर्वेदी ने यह आशंका जताई है कि नर्मदा में अवैध खनन, वृक्षों की अवैध कटाई तथा सहायक नदियों के सूखने से मां नर्मदा के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया है। पत्रकारवार्ता में राजेंद्र अग्रवाल बालाजी, जयराम अग्रवाल, मनीष शर्मा, राम किशोर चौरसिया, गोपाल परासर, रितु चौरसिया, राकेश चक्रवर्ती,संतोष वर्मा, जितेंद्र श्रीवास, बृजेश चतुर्वेदी, प्रफुल्ल सक्सेना, शुभम सैनी, मुन्नू सेन, मयंक राज, सेवंद्र बर्मन, अंकित गोस्वामी, रवेंद्र बर्मन, सुनील पटेल आदि शामिल थे।

सुअरमार बम लेकर घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। तिलवारा थाना अतंर्गत व्रेशर बस्ती में अपराध करने की नीयत से सुअरमार बम लेकर खड़े एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक सुअरमार बम जब्त कर लिया है। बताया गया है कि पकडा गया आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है जिसके विरूद्ध 8 अपराध विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, अवैध वसूली, मारपीट, तोडफोड के पंजीबद्ध है। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि व्रेशर बस्ती निवासी 20 वर्षीय आरिफ खान गत दिवस व्रेशर बस्ती में अपराध करने की नीयत से सुअरमार बम रखकर आने वालों को धमका रहा है। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी आरिफ खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक सुअरमार बम जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

निधन

श्री दिनेश बानिया- गोरखपुर गुरूद्वारा के सामने निवासी श्री दिनेश बानिया (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राजेश गौतम- फूटाताल पुलिस क्वाटर निवासी श्री सीएन गौतम के पुत्र श्री राजेश गौतम (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोहित भाट- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री परम लाल भाट के पुत्र श्री मोहित भाट (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उर्मिला हालदार- शारदा नगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री बीबी हालदार की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला हालदार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश सिंह ठाकुर- घमापुर सरकारी कुआं शीतलामाई वार्ड निवासी श्री मुकेश सिंह ठाकुर (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कमलेश खत्री- समदडिया बिल्डिंग घमापुर निवासी श्री कमलेश खत्री (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरसिंह विश्वकर्मा- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री नरसिंह विश्वकर्मा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गंगा बाई कनौजिया- केंट गोरा बाजार पुलिस चौकी के पास निवासी श्री ज्वाला प्रसाद कनौजिया की धर्मपत्नी श्रीमती गंगा बाई कनौजिया (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री युवराज जाट- बेलबाग कंजड़ मोहल्ला निवासी श्री राजकुमार जाट के पुत्र श्री युवराज जाट (16) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8X4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10X8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

ईबाइकगो 2026 तक एक लाख ई- दोपहिया बनाएगी

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन किराए की सेवा प्रदान करने वाली ईबाइकगो वित्त वर्ष 2025-26 तक अपने ई-टू-व्हीलर बेड़े को एक लाख इकाई तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'ईबाइकगो अगले वित्त वर्ष के अंत तक अपने दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बेड़े को 1,00,000 से अधिक तक बढ़ाने की योजना के साथ पर्याप्त वृद्धि के लिए तैयार है।'

धनलक्ष्मी बैंक ने अजित केके को बनाया एमडी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के धनलक्ष्मी बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने अजित कुमार केके को बैंक का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। केरल स्थित धनलक्ष्मी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वह 20 जून को कार्यभार संभालेंगे।बैंक के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में अजित कुमार केके को 20 जून, 2024 से तीन साल के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी।

हुडको ने विदेशी ऋणदाताओं से 20 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई। आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने ऋण बाजार में कदम रखते हुए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (30 अरब जापानी येन) जुटाए हैं। इसकी व्यवस्था करने वाली जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था ने अपने पहले 'सामाजिक ऋण' के हिस्से के रूप में पांच साल के लिए यह धनराशि जुटाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, एसएमबीसी की सिंगापुर शाखा के नेतृत्व में हुए इस सौदे को कुल नौ ऋणदाताओं से अधिक अभिदान मिला।

सेबी ने कार्यकारी निदेशक के लिए आवेदन मांगा

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है और रिक्त पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 18 जुलाई तक इस पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। नियामक ने पिछले सप्ताह जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति या अनुबंध के आधार पर होगी।

अमेजन फ्रेश ने 130 से अधिक शहरों तक बनाई अपनी पहुंच

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपनी सब्जियों तथा फलों की सेवा 'अमेजन फ्रेश' का विस्तार अंबाला, औरंगाबाद, होशियारपुर, धारवाड़, ऊना, सूरी जैसे 130 से अधिक शहरों में किया है। इस सेवा में फल, सब्जियां, ठंडे उत्पाद, सौंदर्य, शिशु, व्यक्तिगत देखभाल का सामान और पालतू पशु उत्पाद आदि की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह सेवा ग्राहकों को 'अमेजन डॉट इन' पर अपने समर्पित ऐप-इन-ऐप के जरिये सुगम खरीदारी का अनुभव देगी। इसमें दोबारा खरीदने और 'रिमाइंडर' का विकल्प भी है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चेकआउट के दौरान ग्राहक अक्सर खरीदी गई वस्तुओं को न भूलें।

रिजर्व बैंक के नीतिगत रुख में बदलाव करना जल्दबाजी होगा: दास

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मंगलवार को कहा कि मौद्रिक नीति के रुख में बदलाव करना ''बहुत जल्दबाजी'' होगा और शीर्ष बैंक को दरों के मोर्चे पर 'दुस्साहस' के दृष्टिकोण से बचना होगा। ईटी नाउ के लीडरशिप डायलॉग्स को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि रिजर्व बैंक सेबी के साथ मिलकर वायदा और विकल्प खंड में उच्च कारोबार आकार की निगरानी कर रहा है, लेकिन इसपर कोई भी कार्रवाई बाजार नियामक द्वारा की जाएगी। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था के 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति के बारे में, उन्होंने कहा कि भले ही मुख्य मुद्रास्फीति में कमी आई है, लेकिन खाद्य महंगाई दर अब भी ऊंची बनी हुई है और इसके आसपास भी अनिश्चितताएं हैं।

आरबीआई गवर्नर ने लीडरशिप डायलॉग्स को किया संबोधित

केंद्रीय बैंक सोना बढ़ाना जारी रखेगा

वैश्विक बांड सूचकांकों में देश के शामिल होने के बाद बढ़ते प्रवाह की चर्चाओं के बीच गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक भविष्य में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक माध्यम के रूप में कार्य करने के लिए भंडार बनाना जारी रखेगा। अपने भंडार विविधीकरण रणनीति के हिस्से के रूप में, यह सोना बढ़ाना जारी रखेगा।

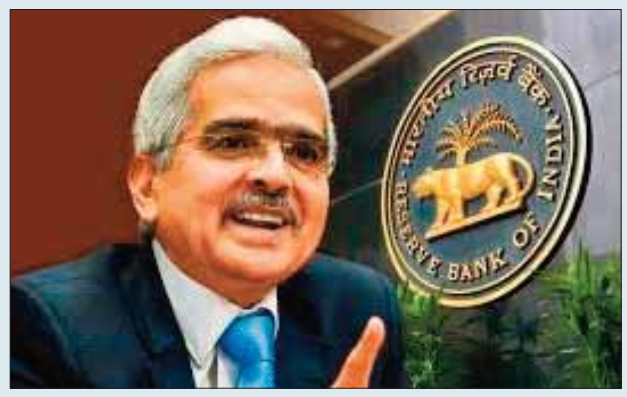

कैड 1.2 फीसदी पर रहेगा

वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कैड सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत पर रहेगा, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 2.6 प्रतिशत के स्तर पर था। ऐसा वस्तुओं का व्यापार घाटा कम होने की वजह से होगा।

कैड की घोषणा अगले सप्ताह

दास ने यह भी कहा कि ऐसी संभावना है कि मार्च तिमाही के लिए चालू खाते घाटा (कैड), जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी, वित्त वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों के लिए 1.2 प्रतिशत के आंकड़े से नीचे आ जाएगा।

मुद्रास्फीति धीमी गति से कम हो रही

दास ने कहा कि नीति के रुख को बदलना अभी जल्दबाजी होगा और किसी भी तरह के जोखिम भरे कदम से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक इस मोर्चे पर लगातार सतर्क है। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन काफी धीमी गति से। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक को भरोसा है कि मुद्रास्फीति की गिरावट की यात्रा धीमी गति से ही सही, जारी रहेगी।

एजेंसी ने सात फीसदी रहने का अनुमान लगाया था

फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर किया 7.2 प्रतिशत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में उसने इसके सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

- रेटिंग्स एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार का हवाला दिया

रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए मंगलवार को अनुमान में संशोधन किया। फिच ने जून में अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष के अंत तक मुद्रास्फीति घटकर 4.5 प्रतिशत पर आ जाएगी और भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करके इसे 6.25 प्रतिशत पर ले आएगा।

खास बातें

- इस वर्ष के अंत तक मुद्रास्फीति घटकर 4.5 प्रतिशत पर आएगी
- एजेंसी ने कहा, निवेश में वृद्धि जारी रहेगी

मूडीज ने वृद्धि दर 6.6 फीसदी रखी

मूडीज रेटिंग्स और डेलॉयट इंडिया का अनुमान है कि 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। गत वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी थी।

उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा

रिपोर्ट में कहा गया, 'हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ेगी।' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, लेकिन हाल की तिमाहियों की तुलना में इसकी रफ्तार धीमी रहेगी, जबकि उपभोक्ता भरोसा बढ़ने के साथ उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा।

फिच का अनुमान आरबीआई के अनुरूप

फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

मानसून के सामान्य रहने के संकेत

फिच ने कहा कि क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आंकड़े चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। मानसून के सामान्य रहने के संकेत वृद्धि को बढ़ावा देंगे और मुद्रास्फीति को कम अस्थिर बनाएंगे। हालांकि, हाल ही में भीषण गर्मी ने जोखिम उत्पन्न किया है।

मुद्रास्फीति का जोखिम सीमित हो जाएगा

एजेंसी ने कहा कि आधिकारिक पूर्वानुमानों के अनुसार जून-सितंबर में वर्षा औसत से अधिक रहने की संभावना है। इससे मुद्रास्फीति का जोखिम सीमित हो जाएगा। फिच ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि कैलेंडर वर्ष के अंत तक कुल मुद्रास्फीति घटकर 4.5 प्रतिशत रह जाएगी। यह 2025 तथा 2026 में औसतन 4.3 प्रतिशत रहेगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर एक साल के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर आ गई है।'

नेस्ले की मैगी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत नेस्ले के इंस्टैंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन गया है, जबकि चॉकलेट वेफर ब्रांड किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, उच्च दोहरे अंक की वृद्धि के साथ भारतीय बाजार नेस्ले के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन गया है। नेस्ले इंडिया की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 'व्यापकता, प्रीमियमीकरण और नवाचार, अनुशासित संसाधन आवंटन के साथ मिलकर कारोबार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहे हैं।'

- नेस्ले के ताजा वार्षिक रिपोर्ट में दी गई जानकारी

नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे 'भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया।' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत अपनी बिक्री का विस्तार कर रही है और उसने 10 रुपये की किफायती कीमत पर ओट्स नूडल, कोरियन नूडल्स और अलग-अलग मसाले वाली मैगी व नूडल्स पेश किए हैं। नेस्ले इंडिया ने कहा कि उसने किटकैट की 4,20 करोड़ 'फिंगर्स' बेचीं। नए उत्पादों को पेश करने, वितरण नेटवर्क के विस्तार और अभिनव ब्रांड से वृद्धि को बढ़ावा मिला।

कंपनी 7500 करोड़ रुपए निवेश के लिए तैयार

कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा, ' इसे और मजबूत करते हुए आपकी कंपनी 2020 और 2025 के बीच नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करने के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है, जिसमें निरंतर वृद्धि और नवोन्मेषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।'

इंफोसिस की कंपनियों के लिए एआई आधारित विपणन सेवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस ने मंगलवार को कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित विपणन सेवाओं का समूह 'इन्फोसिस एस्टर' पेश करने की घोषणा की जिससे कारोबार वृद्धि के लिए ब्रांड अनुभव, दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

- कंपनी ने इंफोसिस एस्टर पेश करने की घोषणा की

इन्फोसिस ने बयान में कहा कि 400 से अधिक विपणन परिसंपत्तियों, 50 से अधिक भागीदारों और 20 से अधिक डिजाइन स्टूडियो के साथ 'एस्टर' वैश्विक स्तर पर कंपनियों के बीच (बी2बी) और कंपनियों से ग्राहकों के बीच (बी2सी) विपणकों के लिए अनुभव, दक्षता और प्रभावशीलता को गति दे रहा है। कंपनी ने कहा, ''रचनात्मक सेवाओं, अनुभव डिजाइन, डिजिटल वाणिज्य, प्रदर्शन विपणन और विपणन संचालन के साथ इन्फोसिस एस्टर बी2बी और बी2सी ब्रांड के लिए विपणन मूल्य श्रृंखला में तेजी लेकर आता है। एस्टर के साथ वैश्विक ब्रांड ने बार-बार खरीदारी करने वालों की संख्या में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि और बिक्री में 40 प्रतिशत की वृद्धि महसूस की है।''

ग्राहक वृद्धि की नई राह पर जाना चाहते हैं

इन्फोसिस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और सह-प्रमुख (आपूर्ति) सतीश एच सी ने कहा, ''हमारे ग्राहक वृद्धि की नई राह पर जाना चाहते हैं और वे ग्राहकों के साथ लगभग वास्तविक समय में घनिष्ठता भी बढ़ाना चाहते हैं। उन्हें बखूबी पता है कि डेटा और एआई की मदद से आधुनिक विपणन तरीका रणनीति को गति देने और क्रियान्वयन में किस तरह की भूमिका निभा सकता है।''

सोने में 50 रुपए की गिरावट चांदी 400 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोना 50 रुपये टूटकर 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। हालांकि, चांदी की कीमत 400 रुपये के उछाल के साथ 91,300 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। ईद-उल-अजहा के अवसर पर सोमवार को जिंस बाजार आंशिक रूप से बंद रहे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, 'दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमतें 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं, जो पिछले बंद भाव से 50 रुपये कम है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,319 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से दो डॉलर कम है। परमार ने कहा कि मंगलवार को सभी बाजारों में जोखिम भरे रवैये के कारण सोने में गिरावट आई।

सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच घरेलू स्तर पर आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में लिवाली से मंगलवार को दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

- बैंक और इंफोसिस के शेयरों में रही खरीदारी

कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की तरफ से भारतीय बाजार में नए सिरे से निवेश प्रवाह बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला। इसका असर यह हुआ कि एक दायरे में कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 308.37 अंक चढ़कर 77,301.14 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 92.30 अंक बढ़कर 23,557.90 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 113.45 अंक चढ़कर 23,579.05 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय बाजारों ने एक बार फिर नया रिकॉर्ड बनाया। चुनावी नतीजों के बाद हासिल बढ़त को बाजार धीरे-धीरे बढ़ा रहा है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी रही

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील और भारतीय स्टेट बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहीं।

गूगल का एआई सहायक जेमिनी ऐप के रूप में

नई दिल्ली। गूगल का एआई सहायक जेमिनी अब भारत में एंड्रॉयड स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए ऐप के रूप में उपलब्ध है, जो अंग्रेजी, हिंदी और आठ अन्य भारतीय भाषाओं में काम करता है। जेमिनी गूगल एआई द्वारा विकसित जनरेटिव कृत्रिम मेधा वाला चैटबॉट है। इसे पहले बार्ड के नाम से जाना जाता था। जेमिनी एक्सपीरियंस के इंजीनियरिंग उपाध्यक्ष अमर सुब्रमण्यम के 'ब्लॉग' के अनुसार, आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए जेमिनी तक पहुंच अगले कुछ हफ्तों में गूगल ऐप के जरिए शुरू की जाएगी। सुब्रमण्यम ने लिखा, 'गूगल की आपकी एआई सहायक जेमिनी का भारत में पहला वर्ष रोमांचक रहा है... छात्रों से लेकर डेवलपर्स और कई अन्य जिज्ञासु लोगों तक, भारत में लोग रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए जेमिनी को अपना रहे हैं।'

प्रत्यक्ष कर संग्रह 21 प्रतिशत बढ़ा अग्रिम कर राजस्व में हुई वृद्धि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 21 प्रतिशत बढ़कर 4.62 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें अग्रिम कर संग्रह में हुई वृद्धि का विशेष योगदान रहा।

- चालू वित्त वर्ष के लिए बढ़कर 4.62 लाख करोड़ हुआ

अग्रिम कर की पहली किस्त 15 जून को देय थी। यह संग्रह 27.34 प्रतिशत बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपये रहा है। इसमें 1.14 लाख करोड़ रुपये का कॉरपोरेट कर (सीआईटी) और 34,470 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि 4,62,664 करोड़ रुपये (17 जून, 2024 तक) के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 1,80,949 करोड़ रुपये का सीआईटी और 2,81,013 करोड़ रुपये का पीआईटी (प्रतिभूति लेनदेन कर सहित) शामिल हैं।

53322 करोड़ का रिफंड जारी किया गया

वित्त वर्ष 2024-25 में 17 जून तक 53,322 करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया गया है। यह पिछले साल इसी अवधि के दौरान जारी किए गए रिफंड से 34 प्रतिशत अधिक है। इस साल एक अप्रैल से 17 जून के दौरान प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले) सालाना आधार पर 22.19 प्रतिशत बढ़कर 5.16 लाख करोड़ रुपये रहा।

हर साल लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ रहा मकान का किराया

घरों का किराया तोड़ रहा लोगों की कमर, पांच साल में 60% उछला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के बड़े शहरों में किराया जबरदस्त तेजी से बढ़ रहा है। हर साल लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ने वाला मकानों का किराया पिछले 5 साल में 64 फीसदी बढ़ चुका है। इसके चलते देश के मेट्रो सिटीज में रहने वालों की कमर टूट रही है।

- देश के मेट्रो सिटीज में रहने वालों की कमर टूट रही

देश के 7 प्रमुख मेट्रो शहरों में लगभग 1000 स्क्वायर मीटर वाले घर का किराया तेजी से बढ़ा है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में नए मकानों की सप्लाई बढ़ने के चलते किराए में आ रही तेजी थोड़ी सुस्त पड़ी है।

नए घरों की सप्लाई बढ़ने से किराए में उछाल थमा

एनरॉक ग्रुप के वाइस चेयरमैन संतोष कुमार ने कहा कि हर साल दूसरी तिमाही में किराया बढ़ता है। हालांकि, इस बार नए घरों की सप्लाई बढ़ने से किराए में ज्यादा उछाल नहीं आया है। देश के 7 बड़े शहरों में साल 2024 में 531,470 नए मकानों की डिलीवरी हुई है। यह साल 2023 के 435,045 मकानों के मुकाबले 22 फीसदी ज्यादा है।

वर्ष 2019 के बाद से उछला किराया

रियल एस्टेट कंसल्टेंट कंपनी एनरॉक की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 से ही किराए में जबरदस्त वृद्धि हुई है। नोएडा के सेक्टर 150 में साल 2019 में किराया 15500 रुपए था। अब यहां किराए पर घर लगभग 63.3 फीसदी उछलकर 25000 रुपए में मिल रहा है। दिल्ली के द्वारका में यही किराया 43.5 फीसदी बढ़कर 19,500 रुपए से 28,000 रुपए हो चुका है।

मुंबई में 41 फीसदी का उछाल

मुंबई के चेंबूर में जहां साल 2019 में 45000 रुपए में घर मिल जाता था, वहां अब किराया 63500 रुपए हो चुका है। यहां इन 5 साल में किराए में लगभग 41.1 फीसदी का उछाल आया है। मुलुंड में किराया 28.7 फीसदी बढ़कर 49,700 रुपए हो चुका है।

वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में दिखी थोड़ी राहत

रिपोर्ट के मुताबिक, आईटी सिटी बेंगलुरु के सरजापुर रोड में 2019 में किराया 21000 रुपए था। अब वहां अगर किराए पर घर तलाशा जाए तो आपको लगभग 35000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। हालांकि, तेजी से बढ़ते इस किराए में वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही से थोड़ी राहत दिखने लगी है। नोएडा सेक्टर 150 में औसत किराया 4 फीसदी ही बढ़ा है। गुरुग्राम के सोहना रोड पर किराए में 3 फीसदी और दिल्ली के द्वारका में 2 फीसदी की वृद्धि हुई है। चेंबूर और मुलुंड में भी किराया लगभग 2 फीसदी ही बढ़ा है। हैदराबाद की हाईटेक सिटी और गचीबाउली में किराए में 3 फीसदी का उछाल आया है।

चिंतन

रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती महंगाई पर लगाम जरूरी

ज्वलंत मुद्दा
योगेश कुमार गोयल

बेशक शेयर बाजार नित नए रिकार्ड बना रहे हों, जीएसटी कलेक्शन नई ऊंचाई छू रहा हो, प्रत्यक्ष कर संग्रह का आंकड़ा चार लाख करोड़ को पार कर गया हो, जीडीपी ग्रोथ के अनुमान सात फीसदी से ऊपर लगाए जा रहे हों, रिजर्व बैंक नीतिगत दरें नहीं बढ़ा या घटा रहे हों, लेकिन अर्थव्यवस्था की दूसरी तस्वीर पीड़ा देने वाली है। आम आदमी को प्रभावित करने वाली महंगाई प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश में इस वक्त गेहूं का भंडार 16 वर्ष में सबसे कम है, सरकार ने 29 फीसदी कम खरीद की है। गेहूं एक साल में 8% महंगा हुआ है। पिछले 15 दिन में ही कीमतें 7% बढ़ चुकी हैं, जो अगले 15 दिन में 7% और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों में बेशक महंगाई नियंत्रित लग रही हो, लेकिन लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों की हर वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। दूध, गेहूं आटा, चावल, ब्रेड, बटर, पनीर, दही, लस्सी, पैक्ड फूड, आइसक्रीम, चॉकलेट, चायपत्ती, कॉफी, साबुन, हेयर ऑयल, टूथपेस्ट, खाद्य तेल, दाल, गुड़, सब्जी, फल, बोतलबंद पानी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, नूडल्स आदि सभी के भाव दो से बीस प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। गरीब, नियो मिडिल क्लास, निम्न मध्यवर्ग, नौकरीपेशा मिडिल क्लास आदि के लिए दैनिक जीवनयापन मुश्किल से मुश्किल होता जा रहा है। इन सभी आयवर्ग में देश में करोड़ों लोग हैं। देश की खाने-पीने से जुड़ी कंपनियां मनमाने ढंग से अपने उत्पादों के दाम बढ़ा रही हैं, इसको लेकर सरकार की ओर से चेक एंड बैलेंस नहीं हैं। इतना ही नहीं हाल के दिनों में इलेक्ट्रानिक गजट से लेकर लैपटॉप, टीवी, कंप्यूटर, फ्रीज, एसी, कूलर, पंखा आदि के दाम भी दस से बीस प्रतिशत बढ़ गए हैं, सभी प्रकार के वाहन महंगे हैं, पेट्रोल और डीजल के दाम पहले से लागत से बहुत अधिक हैं, सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां मुनाफा काट रही हैं, टॉल टैक्स की दरें ज्यादा हैं, रेल किराये से लेकर बस किराये तक बढ़ते गए हैं। आम आदमी हर तरफ से महंगाई के चक्रव्यूह में हैं। सरकार की मूल्य नियंत्रण प्रणाली या तो सीमित है या निष्प्रभावी है। देश में चीजों की कमी नहीं है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला के दायरे में आने वाले हर चीज इंटरलिंक्ड है। इसलिए महंगाई को नियंत्रित करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है। सरकार रिजर्व बैंक के भरोसे है कि वह महंगाई को नियंत्रित कर रहा है। रिजर्व बैंक के पास केवल मौद्रिक नीति हथियार है। रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति के जरिये रेपो रेटों को नियंत्रित रखता है, महंगाई अधिक होती है, तो रेपो रेट बढ़ा दिए जाते हैं, महंगाई कम होती है तो रेपो रेट घटा दिए जाते हैं। रिजर्व बैंक अपने इस कदम से केवल पूंजी बाजार में लिक्विडिटी को नियंत्रित करता है। रिजर्व बैंक का मौद्रिक उपाय महंगाई नियंत्रण के लिए किए जाने वाले कई उपायों में से एक है। इससे महंगाई पूरी तरह नियंत्रित नहीं का जा सकती है। महंगाई नियंत्रण के लिए सरकार को अनेक मोर्चे पर काम करना होगा। कंपनियों की प्राइसिंग पद्धत्ति, आपूर्ति सिस्टम में सुधार, जमाखोरी व कालाबाजी पर रोक, कंपनियों द्वारा दाम बढ़ाने के मनमाने तरीके पर लगाम आदि काम करने होंगे। देश में सेबी या इरडा या ट्राई की तरह प्राइसिंग सिस्टम व कंट्रोलिंग नियामक का गठन करना होगा, जो मूल्य नियंत्रण के लिए मूल्य निर्धारण से लेकर आपूर्ति तंत्र तक के लिए काम करेगा। पीएम मोदी की नई राजग सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए आउट ऑफ बॉक्स जाकर नया मैकेनिज्म बनाना चाहिए। यह महंगाई ही थी, जो लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा को नुकसान पहुंचाई है।

जल संकट को दूर करने के उपाय हों

पानी को लेकर कुछ समय पूर्व सामने आई वैश्विक संकट की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला यह तथ्य सामने आया था कि जल संरक्षण के प्रयासों को गति देने के बजाय दुनियाभर में पानी को बेतहाशा बहाया गया है। ऐसे में 'जल है तो कल है' जैसे नारे केवल किताबों तक ही सीमित दिखते हैं। केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि पानी की एक-एक बूंद बेशकीमती है, बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के हर नागरिक को संजीदा होना पड़ेगा। देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून दस्तक दे चुका है, जो इस महीने के अंत तक उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। विकराल होती समस्या के मद्देनजर बेहद जरूरी है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने के लिए तैयारी कर लें।

एक ओर जहां भीषण गर्मी के कारण देश के अनेक हिस्सों में प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने के कारण वहां जल संकट गंभीर हो रहा है, वहीं इन दिनों आरोप-प्रत्यारोपों और सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जल संकट का मामला भी सुर्खियों में है। गर्मी के मौसम में हर साल की यही कहानी है। कहीं जलस्रोतों के सूखने के कारण लोग पानी की समस्या से जूझते हैं तो कहीं विभिन्न राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी नदी के जल बंटवारे का मुद्दा समय-समय पर तूल पकड़ता है, वहीं 1966 में हरियाणा के अस्तित्व आने के बाद से ही हरियाणा और पंजाब के बीच भी सतलुज नदी के जल बंटवारे का विवाद गर्माता रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देश पानी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहे हैं।

पानी को लेकर कुछ समय पूर्व सामने आई वैश्विक संकट की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला यह तथ्य सामने आया था कि जल संरक्षण के प्रयासों को गति देने के बजाय दुनियाभर में पानी को बेतहाशा बहाया गया है। ऐसे में 'जल है तो कल है' जैसे नारे केवल किताबों तक ही सीमित दिखते हैं। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट की इस रिपोर्ट में आशंका व्यक्त की गई थी कि यदि पानी नहीं बचाया गया तो दुनियाभर में आने वाले वर्षों में जीडीपी के नुकसान के साथ वैश्विक खाद्य सुरक्षा संकट तक का खतरा बन सकता है। दरअसल पानी न केवल ऊर्जा और कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक घटक है बल्कि औद्योगिक उत्पादन भी पूरी तरह से पानी पर ही निर्भर करता है, ऐसे में जल संकट बढ़ने का सीधा सा अर्थ है विकास के पायदान पर तेजी से नीचे गिरना। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में चेताते हुए बताया गया था कि दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी वाले 25 देशों में जल संकट तेजी से बढ़ रहा है और यदि ऐसा ही चलता रहा तो वर्ष 2050 तक इन देशों की जीडीपी को आधे से ज्यादा नुकसान हो जाएगा। चिंता की बात यह है कि जिन 25 देशों का इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया, उनमें भारत भी सूची में 24वें स्थान पर शामिल था। पानी को लेकर वैश्विक संकट की यह रिपोर्ट यह दर्शाने के लिए पर्याप्त है कि जल संरक्षण को लेकर किसी की कोई दूरगामी तैयारी नजर नहीं आती। जल संकट को यदि भारत के ही संदर्भ में देखें तो गहराते जल संकट की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि इस साल गर्मी की शुरूआत से पहले ही बेंगलुरु में पानी के लिए कई दिनों तक हाहाकार मचा रहा था, जहां स्थिति अब तक सामान्य नहीं हो पाई है। देश में मानसून काल में अरबों-खरबों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है, जबकि दूसरी ओर बारिश के मौसम में अब हर साल कई राज्यों में पानी से भारी तबाही की तस्वीरें लगातार सामने आती रहती हैं, ऐसे में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नियम-कायदे किताबों से निकलकर धरातल पर आते प्रतीत नहीं होते। देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक ओर जहां ग्रामीण इलाकों में सिंचाई के लिए भूजल का दोहन हो

रहा है तो दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में उद्योगों में बड़े पैमाने पर भूजल का दोहन किया जा रहा है। हमारे यहां स्थिति इतनी विकट है कि गर्मी के मौसम की शुरूआत के साथ ही कई जगहों पर लोगों के बीच पानी को लेकर मारपीट की नौबत आ जाती है, लेकिन बारिश के मौसम में इसी पानी से तबाही की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। हालांकि जलशक्ति मंत्रालय के आंकड़ों से यह अवश्य पता चलता है कि देश में भूजल दोहन में विगत पांच वर्षों के मुकाबले कुछ सुधार हुआ है और यह 63 से 60 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल में भूजल दोहन में महज तीन फीसद की ही कमी आने को संतोषजनक नहीं माना जा सकता। विशेषज्ञों के मुताबिक आगामी 25-25 वर्षों की जरूरत के लिए नदी जोड़ो योजनाएं तो स्वीकृत की गई हैं,लेकिन इसके साथ ही पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने तथा नई विकसित करने की ओर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि तर्क दिया जा सकता है कि देश की बढ़ती आबादी के हिसाब से पानी की जरूरत भी बढ़ती गई है और 1960 के बाद से अभी तक पानी की मांग दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है, लेकिन जल संकट की मूल समस्या पानी की मांग का बढ़ना नहीं बल्कि जल संरक्षण की बड़े स्तर पर अनदेखी है। जलशक्ति मंत्रालय की ही रिपोर्ट बताती है कि देश के कुछ राज्यों में अभी भी भूजल का जमकर दोहन हो रहा है, जिनमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा इत्यादि सबसे आगे हैं। एक ओर पानी के बंटवारे को लेकर विभिन्न राज्यों के बीच आपसी विवाद और दूसरी ओर भूमिगत जल का गिरता स्तर, ये परिस्थितियां देश में जल संकट की समस्या को और विकराल बनाने के लिए काफी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनियाभर में करीब 3 बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग यह समस्या झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो काफी गंभीर रूप धारण कर रही है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन फीसदी पानी ही स्वच्छ है और उसमें से भी लगभग दो फीसदी पानी पहाड़ों और ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि बाकी एक फीसदी पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। शेष पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी नहीं है।

स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक भूजल के अलावा नदियों, जलाशयों और वर्षा से जितना पानी उपलब्ध है, वह हमारी न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की जरूरतों के लिए भी पर्याप्त है लेकिन बढ़ते शहरीकरण ने जलाशयों और छोटी नदियों को निगल लिया है। ऐसे में प्रभावी रूप से भूजल का दोहन कम करने के साथ-साथ प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। गहराते जल संकट से बचाव का यही एकमात्र रास्ता नजर आता है। बहरहाल, केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि पानी की एक-एक बूंद बेशकीमती है, बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के हर नागरिक को संजीदा होना पड़ेगा। देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून दस्तक दे चुका है, जो इस महीने के अंत तक उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। ऐसे में जल संकट की विकराल होती समस्या के मद्देनजर बेहद जरूरी है कि पानी की एक बूंद-बूंद सहेजने के लिए अभी से पूरी तैयारी कर लें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ. ए. आर. दल्ला

सिकलसेल:रोशनी की तलाश

सिकलसेल एनीमिया एक ऐसी अनुवांशिक बीमारी है, जिससे विश्व के पांच प्रतिशत लोग प्रभावित हैं। सिकलसेल रोग के कारण विश्व में 5000 बच्चे प्रतिदिन पैदा होते हैं और इसमें से 60 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु 5 वर्षों के पहले हो जाती है। सदियों तक इस बीमारी की पहचान नहीं हो सकी। वर्ष 1910 में डॉक्टर मेसन एवं जेम्स हेरिक ने पहली बार अपने माइक्रोस्कोप में लाल रक्त के गोलाकार हीमोग्लोबिन को हसिये के अर्धचंद्रार विकृत रूप में इसे देखा इस विकृति में हीमोग्लोबिन के लाल रक्त कण नुकीले और कठोर होकर शरीर की सुक्ष्म रक्तवाहिनों में फंसकर रक्त प्रवाह बाधित कर देते हैं। परिणामस्वरूप फेफड़े, तिल्ली, लिवर, किडनी, और मस्तिष्क जैसे अंगो को प्रभावित कर अल्प आयु में ही मृत्यु का कारण भी बनते हैं। बहुत दिनों तक इस रोग के निदान पर प्रगति नहीं हुई। पहले यह रोग अश्वेत अफ्रीकन लोगों का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से मालूम हुआ कि यह विकृति भारत, अरब, और मेडिटरेनियन के ऐसे देशों में व्याप्त है जहां घने जंगल है और मलेरिया का प्रकोप है। कालांतर में प्रवासित लोगों के माध्यम से यह रोग यूरोप और अमेरिका तक पहुंचा। वर्ष 1952 में भारत में इसका संज्ञान लिया गया। देखा गया कि यह रोग मध्य भारत के गुजरात, विदर्भ, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, और आंध्रप्रदेश की एक पट्टी में देखा गया,जहां आदिवासी और पिछड़े लोग बहुतायत से रहते हैं। इस क्षेत्र में 15 से 30 प्रतिशत लोग सिकल रोग के वाहक हैं। अनुमान है कि विश्व के आधे सिकल वाहक भारत में रहते हैं। अंततः वर्ष 2008 में संयुक्त राष्ट्र ने इसका संज्ञान लिया और घोषणा की कि सिकलसेल ऐसी घातक अनुवांशिक बीमारी है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने अपने प्रस्ताव में कहा कि विश्व के सभी प्रभावित देश अपने स्वास्थ्य कार्यक्रम में इस रोग को स्थान दें। इस पृष्ठभूमि में संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिवर्ष 19 जून को विश्व सिकल दिवस मनाने की घोषणा की। इस वर्ष 2024 के विश्व सिकल दिवस पर सभी प्रभावित देशों को एकजुट होकर जनजागरण अभियान चलाने का थीम दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही इस रोग का संज्ञान लिया जा चुका था। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2004 से 'प्रोजेक्ट सिकल छत्तीसगढ़' प्रारंभ हुआ, रायपुर में मालेकुलर और जेनेटिक लैब की स्थापना हुई। वर्ष 2008 में रायपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सिकल कांग्रेस में, विश्व का ध्यान आकर्षित करने हेतु एक प्रस्ताव पारित कर भारत के महामहिम को भी सौंपा गया। रायपुर में देश के पहले सिकलसेल नियंत्रण संस्थान की स्थापना हुई। भारत में राष्ट्रीय स्तर सिकल कार्यों को प्रगति तब मिली जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संज्ञान लिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होने अपने पहले जापान दौरे में ही याकोहोमा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को सिकल रोग के उन्मूलन के अनुसंधान पर विशेष कार्य प्रारंभ करने का आग्रह किया। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री ने सिकलसेल की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश के शहडोल में एक विशेष सिकलसेल नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। प्रारंभिक तौर पर यह भारत के 17 प्रभावित राज्यों के 275 जिलों के आदिवासी इलाकों में सिकलरोग के सर्वेक्षण, रोकथाम एवं जनजागरण का मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक सिकल व्याधि के उन्मूलन का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। इस अवसर पर प्रभावित जिलों के डॉक्टर, नर्सों और शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक विशेष मॉडल का विमोचन भी किया गया। सिकल पीड़ित विवाह योग्य युवकों के लिए जेनेटिक काउंसलिंग के लिये एक डिजिटल कार्ड भी बनाया गया है। अफ्रीका के सिकल रोग की तुलना में भारतीय सिकल रोगग्रस्त शिशुओं में फीटल हीमोग्लोबिन की मात्रा अधिक है, इसके चलते भारत के सिकलग्रस्त बच्चों में दर्द की तीव्रता और मृत्युदर कम देखी गई है। इस तथ्य के आधार पर अब फीटल हीमोग्लोबिन को एडल्ट हीमोग्लोबिन में परिवर्तित करने की जेनेटिक इंजीनियरिंग पर कार्य हो रहा है। इसके अन्वेषण करने के लिए नवजात बच्चों का रक्त परीक्षण किया जाना आवश्यक है। हायड्रोक्सी यूरिया और कुछ नई दवाओं के चलते सिकलिंग की प्रक्रिया में कमी आई है। जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से जीन रिप्लेसमेंट पर कार्य हो रहे हैं। अब फिटल हीमोग्लोबिन को एडल्ट हीमोग्लोबिन में परिवर्तित कर सिकलसेल रोगी को दिया जा सकेगा। आने वाले समय में प्रयोगशाला में नए जीन का निर्माण कर बोनमैरो के विकृत जीन के बदले स्वस्थ जीन को प्रतिस्थापित किया जाने पर भी शोध चालू है। समय बदल रहा है। आने वाला समय, नई रोशनी लेकर आएगा। भविष्य में हम सिकल गाथा की पूर्ण समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रोजेक्ट सिकल के पूर्व अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम दोषों को खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वहस्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गोरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गोरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इनकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा, साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गोरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गोरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

सटाका

आज की पाती

बढ़ती जाएगी मरुस्थल और सूखे की समस्या

17 जून को विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1995 से हर वर्ष 17 जून को मरुस्थलीय और सूखे से निपटने के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस वर्ष इस दिवस का थीम है : धरती के लिए एकजुट : हमारी विरासत, हमारा भविष्य। आज लगभग सारी दुनिया में प्रकृति का दोहन हो रहा है, प्रदूषण बढ़ रहा है और पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन हुआ है। इन सभी कारणों के कारण सारी दुनिया के मरुस्थलीय और सूखे की चपेट में आने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसके लिए सारी दुनिया चिंता में है। – *सरोज साहू, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

साई की अहम भूमिका

देश-विदेश में होने वाले विभिन्न प्रकार के खेल आयोजनों में भारतीय खेल प्राधिकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इसको और अधिक सुदृढ़ करने पर हम कार्य करेंगे। साई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और इसकी कार्यप्रणाली के विषय पर चर्चा की।

-मनसुख मंडाविया, केंद्रीय मंत्री

यथार्थ बोध परम लक्ष्य

जीवन का परम लक्ष्य यथार्थ बोध ही है। सत्संग का आश्रय लेकर अपने अस्तित्व को अनुभूत करने का प्रयत्न करना चाहिए। हम अंतर्मुखी हों। शरीर, मन, बुद्धि की सीमाओं से पृथक होकर आत्मा की दिव्यता का अनुभव हमारी प्राथमिकता बने।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

संगठित भ्रष्टाचार

नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ

मोदी सरकार का घोटाला है नीट। इससे बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ है। 720 नंबर 67 बच्चे टॉप कर गए एक साथ, क्या ये संभव है? जब 14 जून को परिणाम आने थे तो 4 जून को जब चुनावी नतीजे आने थे तब परिणाम क्यों घोषित किए?

-संजय सिंह, आप नेता

करंट अफेयर

एआई यहूदी नरसंहार पर दे सकता है झूठी जानकारी

संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने चेताया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में होते जा रहे विकास के परिणामस्वरूप यहूदी नरसंहार (होलोकॉस्ट) की घटना से इनकार के मामलों में नया उछाल आ सकता है। यूनेस्को द्वारा मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया है कि एआई के परिणामस्वरूप यहूदी नरसंहार के बारे में ऑनलाइन झूठे और भ्रामक दावे किए जा सकते हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसा या तो 'प्रोग्राम' में खामियों के कारण होगा या फिर नफरत करने वाले समूह और 'होलोकॉस्ट' से इनकार करने वाले लोग जानबूझकर एआई 'प्रोग्राम' का उपयोग ऐसी सामग्री उत्पन्न करने के लिए करेंगे जो नाजियों द्वारा यहूदियों और अन्य समूहों की हत्या पर गलत तरीके से सवाल उठाएगी। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि एआई का उपयोग 'होलोकॉस्ट' के तथाकथित डीपफेक बनाने के लिए किया जा सकता है। ऐसा यह बताने के लिए किया जा सकता है कि 'होलोकॉस्ट' जैसा कुछ हुआ ही नहीं था या फिर यह अतिरंजित था। इससे यहूदी विरोधी भावना बढ़ सकती है और 20वीं सदी के इतिहास के एक महत्वपूर्ण क्षण से जुड़ी समझ में कमी आ सकती है।

ऑफ बीट

हाइड्रोजन पर जीवित रह सकते प्राचीन जीव

ब्रह्मांड में सभी पदार्थों का तीन-चौथाई हिस्सा हाइड्रोजन से बना है। भयंकर भूवैज्ञानिक और ज्वालामुखी गतिविधि के कारण युवा पृथ्वी भी हाइड्रोजन से समृद्ध थी। जिस तरह तारे परमाणु प्रतिक्रियाओं के माध्यम से गर्मी और प्रकाश उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन को जलाते हैं, उसी तरह रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से इस सरल अणु से ऊर्जा निकालकर जीवन का उदय हुआ। इनमें से कुछ प्रारंभिक जीवन रूप आर्किया थे: जीवन का एक रहस्यमय तीसरा रूप जिसे केवल 1970 के दशक में खोजा गया। (अन्य दो रूप बैक्टीरिया और यूकेरियोट्स हैं, वह समूह जिसमें सभी जानवर, पौधे और कवक शामिल हैं।) हमने यह समझने के लिए आर्किया की हजारों प्रजातियों का अध्ययन किया है कि वे हमारे लगातार बदलते ग्रह पर अरबों वर्षों तक कैसे पनपी हैं। उनके आनुवंशिक ब्लूप्रिंट में हमें हाइड्रोजन गैस से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए विशेष एंजाइम (जिन्हें हाइड्रोजनेसिस कहा जाता है) के उत्पादन के संकेत मिले, जो उन्हें पृथ्वी पर कुछ सबसे कठिन वातावरणों में जीवित रहने में मदद देता है। हमारा नवीनतम शोध सैल और नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इंद्रधनुष बनता है इन पहाड़ों में, अजीब आकृतियां बनाती हैं चट्टानें

दुनिया में पहाड़ों की खूबसूरती हर किसी का दिल लुभा लेती है। आमतौर पर पहाड़ों में रंग मौसम के हिसाब से बदल जाता है, इसलिए कुछ पहाड़ खास मौसम में ही लुभावने नजर आते हैं। लेकिन, चीन के झांग्ये डैनक्सिया नेशनल जियोलॉजिकल पार्क अलग ही हैं। गांसु प्रांत में किलियन पर्वत की पूर्वी तलहटी के इस पार्क के पहाड़ों की रंग हर मौसम में इंद्रधनुषी रंग की छटा बिखेरता है।

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

झांग्ये के डैनक्सियामें कई खड़ी लाल चट्टानें हैं, जिनमें से अधिकांश कई सौ मीटर ऊंची हैं। ये संरचनाएं, जो कभी चिकनी और कभी तीखी होती हैं, मैदानों के हरे और भूरे रंग के बीच अलग ही तरह से भव्य और शानदार दिखती हैं। कई लाल चट्टानी चट्टानें महल, शंकु, टावरों, साथ ही मनुष्यों, जीवों, पक्षियों और जानवरों जैसी अनोखी और रहस्यमयी आकृतियों जैसी दिखाई देती हैं। धुंध और बादलों के बीच से दिखाई देने वाली उनकी चोटियां शानदार पहाड़ों काअद्भुत नजारा बनाती हैं।

परतों का रंग अलग-अलग

यह स्थान लाखों साल पहले समुद्र का हिस्सा था। टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव के कारण जमीन मुड़ गई और पहाड़ बने जिससे जमीन समुद्र तल से ऊपर उठ गई। इलाके में नदियां बनीं, तो लाल बलुआ पत्थर जमा हो गया। समय के साथ कई परतदार चट्टानें बनीं, जिनमें मिट्टी और पत्थर में अलग-अलग मात्रा में लौह नमक था। इसी वजह से परतों का रंग अलग-अलग है। नदी के कटाव और हवा के कटाव ने रंगीन परतों को बनाया इन्हीं रंगीन परतों ने झांगये डैनक्सिया भू-आकृति क्षेत्र के लिए "इंद्रधनुष पर्वत" नाम को जन्म दिया।

रंग-बिरंगे पहाड़ों

पहला व्यूइंग प्लेटफ़ॉर्म सबसे बड़ा और प्रवेश द्वार के सबसे नजदीक है, जो लगभग 10 मिनट की पैदल दूरी पर है। व्यूइंग प्लेटफ़ॉर्म तक पहुंचने के लिए, ज्यादा सीढ़ियां नहीं चढ़नी पड़तीं. यहीं से ऊंचे, रंग-बिरंगे पहाड़ों के नजारे दिखते हैं। गौर से देखने पर लोगों को यहां की चट्टानों की आकृतियों में बुद्ध की पूजा करने वाले भिक्षुओं, आग के समुद्र में भागते बंदरों और पहाड़ों में इंद्रधनुषी पहाड़ दिखाई देने लगते हैं।

सूर्यास्त का नजारा बहुत ही अनोखा

डैनक्सिया झांग्ये में कई खास जगह हैं जहां से नजारे बहुत ही अद्भुत दिखाई देते हैं। कहीं सूर्यास्त का नजारा बहुत ही अनोखा दिखाई देता हो तो प्रसिद्ध सात रंग का पंखा तीसरे अवलोकन मंच से देखा जा सकता है। ऐसा लगता है कि पहाड़ को जीवंत रंगों से रंगा गया है। विशाल लुढ़कती पहाड़ियों के हल्के रंग बहुत सुकून देने वाले हैं। प्राकृतिक और भौगोलिक प्रक्रियाओं के नतीजे देखने के लिहाज से भी झांग्ये का बहुत महत्व है। यहां के नजारे एकसाथ कई तरह की भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का नतीजा हैं जिन्हें आज भी देखा जा सकता है। 290 वर्ग किलोमीटर में फैला इलाका डैनक्सियाशान भूवैज्ञानिक पार्क का हिस्सा है जिनमें नदियां, जंगल और विशाल डैनक्सियन चट्टानी संरचनाएं शामिल हैं। 2009 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल नामित किया गया था।

रोचक खबरें

बदकिस्मती : अरबों की लाटरी जीती, फिर भी नर्क बनी जिंदगी, भाई ने हत्या की रची साजिश

न्यूयार्क। क्या आप यकीन करेंगे कि अरबों रुपये की लाटरी जीतने के बाद भी किसी के जीवन का अंत कष्टों से हो सकता है? जी हां, एक लॉटरी जीतने वाले अरब ने बदकिस्मती से खुद को दिवालिया पाया और अपने ही भाई के एक किराए के हत्यारे का निशाना भी बना। 66 वर्षीय विलियम 'बड' पोस्ट III ने एक अरब 35 करोड़ 25 लाख रुपए जीते थे, लेकिन अपनी बड़ी जीत के बाद भी सारा जीवन तकलीफ में गुजारा। एरी, पेनसिल्वेनिया में जन्मे बड का बचपन परेशानियों भरा रहा। मात्र आठ वर्ष की आयु में अपनी मां को खो देने के बाद, उन्हें उनके पिता ने अनाथालय भेज दिया। उन्होंने अजीबोगरीब काम करके एक साधारण जीवन व्यतीत किया 1988 में किस्मत ने पलटी मारी जब उनके बैंक खाते में केवल 205 रुपये ही बचे थे। हताश होकर उन्होंने अपनी बची हुई चीज़ों में से एक अंगूठी, को 3300 रुपयों में गिरवी रख दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह पैसा अपनी मकान मालिक को दिया और एक लाटरी की टिकट भी खरीदी जिसमें उनका जैकपॉट लग गया। अपनी जीत की पहली किस्त, 26 वर्षों के लिए 4 करोड़ 16 लाख का वार्षिक भुगतान प्राप्त करने के मात्र दो सप्ताह बाद, वो पहले ही ढाई करोड़ रुपए खर्च कर चुके थे। उन्होंने अपने भाई-बहनों में निवेश किया और कई जगह पैसा लगाया. तीन महीने के भीतर ही बड पर 4 करोड़ 17 लाख का कर्ज हो गया। जल्दी ही वे अपने परिवार से अलग हो गए। उनकी पूर्व मकान मालकिन ने उसे जैकपॉट का एक हिस्सा लेने के लिए अदालत में घसीटा। मि. पोस्ट ने लड़ाई लड़ी, लेकिन तीन साल बाद, एक जज ने फैसला सुनाया कि उसे एक तिहाई नकद देना है और 1992 में, एक जज ने उसकी लॉटरी की रकम पर रोक लगा दी। उनके भाई ने उसे और उसकी छठी पत्नी की हत्या करने के लिए एक हत्यारे को काम पर रखने का प्रयास भी किया। यह प्रयास सफल नहीं हुआ और पोस्ट के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया। फिर उन्हें एक कर्ज जमा करने वाले पर गोली चलाने के बाद हमले के आरोप में जेल जाना पड़ा।

निराशा : करोड़ों में बिकाऊ है लाखों की यादों में बसी ये मशहूर हवेली, फैंस हुए नाराज!

न्यूयार्क। होम अलोन के प्रशंसक तब हैरान रह गए जब क्रिसमस की इस प्यारी फिल्म का मशहूर घर बाजार में आया और वह फिल्म में दिखे घर से पूरी तरह से अलग दिखाई दे रहा था। बच्चों के लिए बनी इस यादगार फिल्म और उसके सीक्वल, लॉस्ट इन न्यूयॉर्क में दिखी यह हवेली लोगों को आज भी याद है। लेकिन, जब लोगों ने हवेली के अंदर का हिस्सा देखा तो उन्हें खासी निराशा हुई कि फिल्म में तो वैसा कुछ दिखाया ही नहीं गया था। इन दोनों फिल्मों में मैकाले कल्किन नाम के बच्चे ने केविन मैककैलिस्टर का किरदार निभाया था। जिसका छुट्टियों में घर में अकेले समय बिताने के दौरान चोरों से सामना होता है। इस दौरान होने वाली घटनाएं गुदगुदाती हैं। जहां घर के कोने-कोने से कैविन चोरों के साथ शरारतें कर उन्हें परेशान करता है। दोनों फिल्मों में यह घर भी अपनी अलग ही छाप छोड़ता दिखता है। ऐसे में जब इसके बिकने की खबर आई तो जाहिर है बचपन में कैविन को शरारत करते देखने वालों के लिए यह किसी कौतूहल से कम नहीं था। अब यह हवेली पहली बार 5.45 मिलियन डॉलर (45 करोड़ 44 लाख रुपयों) की भारी कीमत पर बिकाऊ है। फिर भी कई लोगों को इस खबर से निराशा हुई। कई लोग यह देखकर हैरान रह गए कि घर के अंदर का हिस्सा उस भूलभुलैया से बिल्कुल अलग है, जिसे दर्शक सालों से पसंद करते आ रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट में लिखा, 'उन्होंने इसके साथ क्या किया?' रोचक बात यह है कि लोगों को जल्दी ही एहसास हो गया कि असली घर का इस्तेमाल कभी भी इनडोर दृश्यों के लिए नहीं किया गया था, और केवल बाहरी हिस्से को फिल्माया गया था।

कुदरत

जमीन के अंदर शहर, चट्टानों में बने चर्च

नजारा देखकर लगता है आ गए हैं सपनों के संसार में

एजेंसी ▶▶| लंदन

चाहे कुदरत के बनाए नजारे हों, फिर जमीन के अंदर इंसानों की बसाए शहर या चट्टानों में काटे गए चर्च। तुर्की के कप्पाडोसिया में आकर आपको लगेगा कि आप किसी सपने के संसार में आ गए हैं। हैरान करने वाले कुदरती नजारे का साथ ही यह इतिहास और रहस्यों से भरपूर है।

अगर आप किसी ऐसी जगह जाना चाहते हैं जो ऐतिहासिक होने के साथ कुदरती खूबसूरती से भरी हो तो आपको को तुर्किये के मध्य प्रांतो के उच्च पठार में मौजूद कप्पाडोसिया के बारे में जरूर सोचना चाहिए। एक तरफ यहां की मनमोहक चिमनियां और प्राचीन चट्टानों की संरचनाएं हैं, तो वहीं दूसरी सांस्कृतिक विरासत भरे ऐसे इलाके भी हैं जहां गुफा चट्टान काट कर बने चर्च और भूमिगत शहर भी हैं।

लाखों साल पहले सेंट्रल एनाटोलियन क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोटों एक सिलसिला चला था। इसी के नतीजे में कैप्पाडोसिया फ्रायरीज बनीं। यहां की मोटी राख जमकर टफ में और फिर उन खूबसूरत चिमनियों में बदल गई, जिन्हें हम आज देखते हैं। लगभग 130 फीट ऊंचे ये टफ आने वाले कई सालों में आकार में बदल जाते हैं।

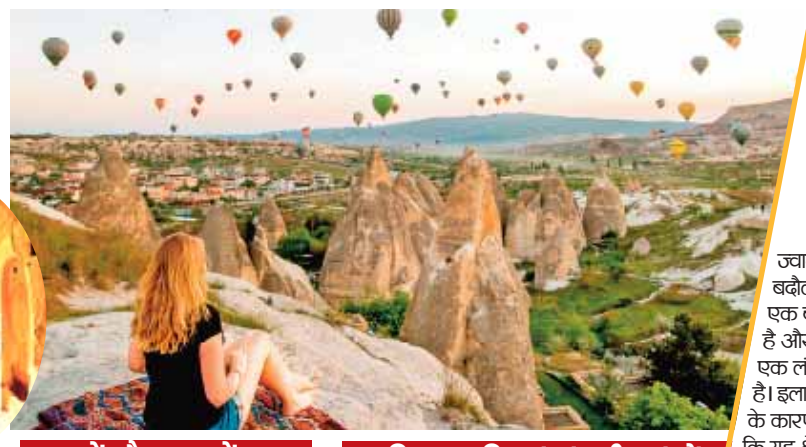

मठों और चट्टानों पर बहुत से चर्च

कप्पाडोसिया दुनिया में ईसाई धर्म के लिए सबसे अहम पूजा स्थलों में से एक है। 10वीं और 11वीं सदी के बीच, इस क्षेत्र में मठों और चट्टानों पर बहुत से चर्च बने। कई प्राचीन चर्च तो असाधारण आभूषणों से खूबसूरती से सजे हुए थे। यहां 600 से ज़्यादा चर्च हैं, और और भी खोजे जा सकते हैं। इनमें से कुछ चर्चों के खूबसूरत भित्तिचित्र लोगों को काफी हैरान करते हैं। कप्पाडोसिया का सबसे बड़ा आकर्षण यहां से की जाने वाली हॉट एयर बैलून से की जाने वाली सैर है।

भूमिगत बस्तियां संकरी सुरंगों के एक नेटवर्क से जुड़ी

यह यहां की सबसे लोकप्रिय गतिविधि है। यहां बाइकिंग और हाइकिंग के दौरान खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। लेकिन कप्पाडोसिया हॉट एयर बैलूनिंग चमकदार प्राचीन नजारे देखने का सबसे अच्छा तरीका है। कप्पाडोसिया के भूमिगत शहर इस क्षेत्र की यात्रा के दौरान न चूकने वाले अनूठे अनुभवों में से एक हैं। इनमें से कुछ भूमिगत बस्तियां संकरी सुरंगों के एक नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। इस क्षेत्र में लगभग 36 भूमिगत शहर हैं, कायमाली और डेरिनकुयू उनमें से सबसे लोकप्रिय और सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले शहर हैं।

अविश्वसनीय ओपन-एयर संग्रहालय के लिए जाना जाता

ज्वालामुखी टफ की बदौलत, कप्पाडोसिया एक बड़ा अंगूर उत्पादक है और वाइन बनाने का एक लंबा इतिहास समेटे हुए है। इलाके की बाकी खूबियों के कारण टूरिस्ट भूल जाते हैं कि यह क्षेत्र अपनी वाइन के लिए भी जाना जाता है। यहां घूमने के लिए कुछ वाइनरी में कपाडोक्य, तुरासन, कोकाबाग और सेनल शामिल हैं। कुछ सबसे लोकप्रिय रेड और व्हाइट वाइन ब्रांड इस क्षेत्र से हैं, और पर्यटक वाइन-चखने वाली दुकानों में कुछ का नमूना ले सकते हैं। कप्पाडोसिया अपने अविश्वसनीय ओपन-एयर संग्रहालय के लिए जाना जाता है, जो गोरेमे में मौजूद है। गोरेमे ओपन-एयर संग्रहालय इलाके में सबसे अधिक देखे जाने वाले और लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक है। क्षेत्र के अन्य रॉक साइट्स के अलावा, यह संग्रहालय तुर्कीये में पहला संग्रहालय था, जिसे 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था।

पैरों से हवाई जहाज उड़ाती है ये महिला, बिना हाथों के ही हुआ था जन्म

न्यूयार्क। कुदरत ने भले ही कुछ लोगों से काफी कुछ छीन लिया हो या नहीं दिया हो। लेकिन उनमें से कई लोग हालात के आगे झुकने की जगह उन्हें चुनौती की तरह लेते हैं और कई बार अनोखी मिसाल पेश कर डालते हैं। ऐसे लोगों के बारे में सुनना- जानना भी अपने आप में सुखद अनुभव होता है। मशहूर होने की ललक से भरे वायरल वीडियो की भीड़ में सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों के वीडियो अलग ही सुकून देते हैं। जेसिका कॉक्स का वीडियो भी ऐसा ही कुछ है। बचपन से ही बिना हाथों के पैदा हुई जैसिका ना केवल दुनिया की पहली बिना हाथों वाली पायलट है, बल्कि मार्शल आर्ट ब्लैक बेल्ट हासिल करने वाली बिना हाथों वाली पहली शख्स भी हैं। 2 फरवरी 1983 को अमेरिका के एरिजोना में पैदा हुईं जेसिका दुनिया के लिए अनजान नहीं हैं। ना ही उन्होंने ये उपलब्धियां हाल ही में हासिल की है। 41 साल की जेसिका ने 2004 में पहली बार हवाई जहाज उड़ाया था और तीन साल के अंदर ही पायलट का लायसेंस भी हासिल कर लिया था।

■ ब्लैक बेल्ट है मार्शल आर्ट्स में

हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें उनकी जिंदगी के कुछ लम्हे दिखाए गए हैं। वे कैसे हवाई जहाज उड़ाती हैं, कैसे अपने अपनी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगाती हैं। मार्शल आर्ट के करतब दिखाती हैं, घुड़सवारी करती हैं, यह सब वीडियो में बताया है। वीडियो में वे बताती हैं कि लोग यह जानकर हैरान होते हैं कि वे एक लाइसेंस धारी पायलट हैं।

दिल्ली में है एशिया का सबसे बड़ा वेडिंग कार्ड मार्केट, राजा भी यहां करते थे शॉपिंग

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली का अपना इतिहास और इसकी लोक कथाएं हैं। इसके एक हिस्से जिसे पुरानी दिल्ली कहा जाता है, वहां ऐसे बाजार हैं अपने खास काम के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां एक ऐसा ही बाजार है जो कि सिर्फ शादी के कार्ड बनाने वाले होलसेलर और रिटेलर्स से भरा हुआ है।

इस बाजार में 12 साल से काम कर रहे अजय ने कहा कि यह एशिया का सबसे बड़ा शादी कार्ड बनाने वाला बाजार है। उन्होंने कहा यह एक ऐसा बाजार है, जहां पर सिर्फ शादी के कार्ड बनते हैं, जो कि ऐसा आपको पूरी दुनिया में कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। इसलिए यह अपने आप में अनोखा बाजार है। उन्होंने कहा कई देशों में शादी के कार्ड और उससे जुड़ा सामान, पेपर भी यहीं से भेजा जाता है।

300 साल पुराना बाजार

यहां 15 साल से दुकान चला रहे दीपांकर जैन ने कहा यह बाजार मुगलों के दौर का माना जाता है। इस बाजार में शादी के कार्ड और उससे जुड़े सामान लगभग 300 साल से बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले के दौर में जब राजा-महाराजा हुआ करते थे, उस दौर में इस बाजार में उस धातु को बनाया जाता था जिस पर राजा-महाराजा पत्र लिखकर भेजा करते थे।

1 रुपए में बन जाता है कार्ड : इस बाजार में लगभग 10 साल से काम कर रहे नितिन बताते हैं कि यहां एक कार्ड 1 रुपए का भी बना कर मिल जाता है। अगर आप महंगे से महंगा कार्ड चाहते हैं, तो उसकी कोई सीमा नहीं है।

रामायण पाठ से बदनाम हो गया बिहार का ये टोला, फिर पड़ गया अजीबोगरीब नाम

नई दिल्ली। हमारे देश में हजारों गांव हैं, जिसका नामकरण गांव की अपनी परंपरा, संस्कृति, मान्यताएं और खूबी के आधार पर रखा गया है। आज हम आपको बिहार के एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जिसके नामकरण की खूबी सुनने के बाद आप खुद भी चौंक जाएंगे। ये कोई साधारण गांव नहीं है। गांव के इतिहास की बात करें, तो इस गांव के परिधि में रौशनाहा दिह पर कई अवशेष पालकालीन और हिंदू धर्म से जुड़ी मूर्तियां मिली हैं। ग्रामीणों का दावा है कि यह गांव धार्मिक प्रवृत्ति का गांव रहा है। यहां पर रामायण का प्रचलन बहुत ज्यादा रहा है।जिस गांव में रामायण का प्रचलन हो और उस गांव में किसी को रामायण पढ़ने ना आए, यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा। गांव वाले रामायण लेकर तो बैठ गए, लेकिन रातभर में पढ़ नहीं पाए। फिर इसके बाद गांव का सरनेम 'पोथी' दे दिया गया। आज भी गांव के लोगों का मजाक कोरजाना पोथी बोलकर उड़ाया जाता है। गांव के मुखिया रमेश सिंह ने बताया कि ये 100 साल पुरानी कहानी हो सकती है। अष्टयाम में रामायण पढ़ने के लिए गांव के कई लोग जुटे। सभी लोगों ने रामायण अपने हाथों में लिया।

ऐसे गांव के नाम में जुड़ गया 'पोथी' सरनेम

बिहार के राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के गृह जिला बेगूसराय मुख्यालय से 30 किमी दूर चेरिया बरियारपुर विधानसभा अंतर्गत बिक्रमपुर पंचायत के कोरजाना गांव में तीन वार्ड निवास करते हैं। वर्तमान समय में गांव की आबादी 5 हजार के आसपास होगी. इसी गांव के पड़ोसी गांव बसही के रहने वाले रामविनय महतों ने बताया कि कोरजाना गांव के लोगों को कोरजाना पोथी बोलकर मजाक उड़ाया जाता है। रामायण न पढ़ने की वजह से यह नाम दिया गया होगा। रणधीर कुमार ने बताया कि गांव वालों ने रातभर में जब रामायण नहीं पढ़ा, तो अगले दिन से गांव के नाम में पोथी बोलकर मजाक उड़ाना शुरू हो गया।

सेना ने शुरू किया पहला स्किन बैंक, नई दिल्ली में किया गया उद्घाटन

देश भर में करेगा सैन्य चिकित्सा केंद्रों को महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली में आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल) ने मंगलवार को अत्याधुनिक स्किन बैंक सुविधा शुरू करने की घोषणा की, जो सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के भीतर स्थापित की जाने वाली अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य सेवा सदस्यों और उनके परिवारों के बीच गंभीर रूप से जलने की चोटों और अन्य त्वचा संबंधी स्थितियों के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। यह त्वचा बैंक 'स्किन ग्राफ्ट' के संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा। इस तरह यह देश भर में सैन्य चिकित्सा केंद्रों को महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करेगा। इस सुविधा केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को सबसे उन्नत 'स्किन रिप्लेसमेंट' उपचार सुविधा प्रदान करना है।

पेशेवरों की टीम

इस स्किन बैंक में प्लास्टिक सर्जन, टिश्यू इंजीनियर और विशेष तकनीशियनों सहित उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों की एक टीम काम करेगी। यह सुविधा केन्द्र गुणवत्ता नियंत्रण और सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन करेगा, जिससे स्किन ग्राफ्ट की मजबूती और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। सेना के चिकित्सा सेवा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी ने स्किन बैंक के शुभारंभ को सैन्यकर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा केन्द्र न केवल देखभाल की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि गंभीर चोटों से प्रभावित लोगों की सहायता करने की क्षमता को भी मजबूत करेगा।

क्षमता में एक महत्वपूर्ण छलांग

सेना अस्पताल (आर एंड आर) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकांतन ने कहा, /"यह स्किन बैंक गंभीर जलन और अन्य जटिल त्वचा संबंधी स्थितियों के उपचार की हमारी क्षमता में एक महत्वपूर्ण छलांग है।/" /"त्वचा ऊतक के लिए एक समर्पित संसाधन होने से, हम अपने रोगियों को सबसे प्रभावी और व्यक्तिगत उपचार प्रदान कर सकते हैं, जिससे अंततः उनके ठीक होने और पुनर्वास की संभावना बढ़ जाती है।/" स्किन बैंक सुविधा का उद्घाटन सशस्त्र बलों द्वारा अपने सेवा सदस्यों और उनके परिवारों को उपलब्ध चिकित्सा देखभाल और सहायता को बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभिनव पहल राष्ट्र की सेवा करने वालों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

2 टन से भी ज्यादा भारी होते थे ऊनी गैंडे पिछली 'आइस एज' में हो गए थे खत्म

लंदन। धरती पर मैमथ जैसे ही ऊनी जानवर और भी थे जिनमें ऊनी गैंडे भी गिने जाते हैं। इनके बारे में कम ही लोग जानते हैं। हाल ही में इनकी चर्चा हो रही है, क्योंकि एक स्टडी में साइंटिस्ट ने दावा किया है कि इनके विलुप्त होने के पीछे की वजह पुरातन मानव का शिकार करना है।

पुराने बड़े खतरनाक जानवरों में लोग डायनासोर और मैमथ के बारे में ज्यादा रुचि रखते हैं। लेकिन कम लोग ऊनी गैंडे के बारे में जानते हैं। ये जानवर भी मैमथ की तरह हिमयुग के अंत में विलुप्त हो गए थे। हाल ही में हुए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने इनके विलुप्त हो जाने के पीछे का कारण पता चलने का दावा किया है। एक वयस्क ऊनी गैंडा आमतौर पर सिर से पूंछ तक 3.2 से 3.6 मीटर मापा जाता है, कंधे पर 1.45-1.6 मीटर लंबा होता है, और इसका वजन 1.5-2 मीट्रिक टन तक होता है। हैरानी की बात यह है कि गैंडों की प्रजातियों में ये भले ही सबसे भारी ना हों। अपने आप में ये काफी भारी जानवर हुआ करता था। अन्य गैंडों की तुलना में ऊनी गैंडे का सिर और शरीर लंबा और पैर छोटे होते थे। इसके कंधे को एक शक्तिशाली कूबड़ से ऊपर उठाया गया था, जिसका उपयोग जानवर के विशाल सामने के सींग को सहारा देने के लिए किया जाता था। लेकिन वैज्ञानिक मानते हैं कि इनकी उत्पत्ति पुरातन तिब्बत में हुई थी। करीब 35 लाख साल पहले ये तिब्बत में पैदा हुए थे। लेकिन बाद में ये यहां से यूरोप और साइबेरिया में जा कर फैल गए। कम लोग जानते हैं कि नर और मादा दोनों ऊनी गैंडे के दो सींग होते हैं जो केराटिन से बने होते हैं। जिसमें एक लंबा सींग आगे की ओर और एक छोटा सींग आंखों के बीच में होता है। 25 से 35 वर्ष की आयु के ऊनी गैंडों के लिए सामने का सींग 1-1.35 मीटर लंबा, जबकि दूसरा सींग 47.5 सेंटीमीटर तक लंबा हुआ करता था।

जिला शिक्षा अधिकारी को हाई कोर्ट के निर्देश

सेवानिवृत प्राचार्य के अभ्यावेदन पर विचार करें

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त प्राचार्य को उच्च वेतनमान का लाभ देने संबंधी अभ्यावेदन पर विचार कर उचित निर्णय पारित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर को दिए। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने इसके लिए 90 दिन की मोहलत दी है।

जबलपुर निवासी श्रीमती चिंता नोनवार की ओर से अधिवक्ता सत्येन्द्र ज्योतिषी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया क याचिकाकर्ता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जबलपुर से 30

जून 2022 को सेवानिवृत्त हुईं हैं। उनकी नियुक्ति शिक्षा विभाग में हुई थी और उच्च श्रेणी शिक्षक की सेवा 30 वर्ष पूरी होने पर उच्च वेतन स्वीकृत हुआ। उन्होंने दलील दी क 24 जनवरी 2008 को जारी मप्र शासन के परिपत्र के अनुसार याचिकाकर्ता पुनरीक्षित उच्च वेतनमान पाने की हकदार है। याचिकाकर्ता ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस संबंध में विस्तृत अभ्यावेदन पेश किया, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामले पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने डीईओ जबलपुर को अभ्यावेदन पर नियमानुसार उचित निर्णय पारित करे के निर्देश दिए।

आजीविका क्षेत्र में किये प्रयासों का दस्तावेजीकरण आवश्यकः सीईओ

जबलपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयति सिंह ने कहा कि एनआरएलएम के माध्यम से आजीविका क्षेत्र में किये प्रयासों का दस्तावेजीकरण किया गया। यह कार्य जबलपुर के एक युवा वृत्तचित्र निर्माता के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि भेड़ाघाट क्षेत्र में संगमरमर उत्पादों के उत्पादन के हमारे प्रयासों का दस्तावेजीकरण के लिए एक वीडियो बनाया गया है। इसका उद्देश्य विभिन्न उत्पादों के लिए स्थायी वाणिज्यिक फॉरवर्ड लिंकेज विकसित करना था, ताकि बड़े पैमाने पर काम कर सकें। उन्होंने कहा कि इस काम को कारवां इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था, जिसमें हमारी 'दीदियों' और उनके प्रयासों की सराहना की गई थी। डॉक्यूमेंट्री को कोलकाता में प्रदर्शित किया गया था और इसने सर्वश्रेष्ठ युवा फिल्म निर्माता का पुरस्कार जीता है। इस प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, अब कॉर्पोरेट्स से रुचि मिली है। उन्होंने कहा कि एसएचजी की अदम्य भावना का दस्तावेजीकरण कर उनमें जागरूकता लाना है जिससे आगे और सकारात्मक परिणाम मिल सके।

जून माह में खेतों की गहरी जुताई करना किसानों के लिए लाभदायक

जबलपुर। खरीफ फसलों का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को जून माह में खेतों की गहरी जुताई करने की सलाह दी गई है। गहरी जुताई के कारण मिट्टी में निचली सतह पर उपस्थित हानिकारक कीट एवं रोगाणु ऊपरी सतह पर आ जाते हैं और तापमान के प्रभाव से नष्ट हो जाते हैं। रासायनिक सामग्रियों के उपयोग के बिना विभिन्न कीटों और रोगों से खेतों और फसलों को संरक्षित करने का यह उत्तम प्राकृतिक तरीका है। जिससे आगामी वर्षा ऋतु में फसल की रोपाई करने के लिए खेत तैयार हो जाता है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास रवि आम्रवंशी के अनुसार खेती में माह जून की कृषि क्रियायें सबसे महत्वपूर्ण होती हैं। कृषि में जितना महत्व बारिश का है, उतना ही महत्व गर्मी का भी है । उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा भी मई-जून माह में खेतों की गहरी जुताई करने की सिफारिश की जाती हैं। गहरी जुताई से सारे हानिकारक कीट और रोगाणु खेत की ऊपरी सतह पर आ जाते हैं तथा तपती धूप में नष्ट हो जाते हैं। कीट और रोग रोकने का यह ऐसा प्राकृतिक तरीका है, जो किसी भी रसायन से अधिक कारगर है। इससे आगामी ऋतु में फसल उगाने के लिये खेत संरक्षित हो जाता है। उपसंचालक किसान कल्याण ने बताया कि पहले बारिश रह-रहकर पूरे खरीफ के मौसम तक चलती थी। जिस कारण फसल को सिंचाई हेतु उनके संपूर्ण जीवनकाल में पर्याप्त जल की उपलब्धता होती थी लेकिन अब वर्षा टुकड़ों में होती है। कभी भारी बारिश होती है, तो कभी दो फुहारों के बीच लंबा अंतराल देखने को मिलता है। ये दोनों स्थितियां फसल के लिए नकुसानदेह होती हैं। उन्होंने बताया कि इस बदलाव को ध्यान में रखते हुये खेती में बदलाव करना भी आवश्यक हो गया है। श्री आम्रवंशी ने अधिक वर्षा होने पर पानी को अपने खेतों में ही संचित करने की सलाह किसानों को दी है, ताकि सूखे के दौरान सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहे। उपसंचालक किसान कल्याण ने कहा जून माह में किसानों द्वारा क्षेत्रीयता, जल की उपलब्धता एवं अन्य संसाधनों के आधार पर खरीफ फसलों की बोनी के लिए कार्ययोजना की शुरू की जाती है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों के साथ सिंचाई की समुचित व्यवस्था वाले क्षेत्रों में धान की रोपाई के लिए पौध तैयार की जाती है, तो वहीं बारानी क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी एवं मंडुआ के साथ-साथ मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, तिल, कुसुम एवं अरंडी, जैसी तिलहनी तथा प्रमुख रेशेदार फसलों की बोनी के लिए प्रबंध किए जाते हैं।

कीटों एवं रोगों से होगी खरीफ फसलों की सुरक्षा

एकादशी पर निकली प्रभात फेरी

जबलपुर। ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 18 जून मंगलवार निर्जला एकादशी पर्व पर सनातन धर्म संस्कृति रक्षा समिति एवं चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक से प्रातबेला में प्रभात फेरी निकाली गई,जो पढ़ाव,सब्जी मंडी,अन्नपूर्णा मंदिर,चरहाई,शंकर घी भण्डार,बड़ी महाकाली से होते हुए प्रभुनाम संकीर्तन के साथ जगदीश मंदिर संपन्न हुई। इस अवसर पर पं.मनमोहन दुबे, देवेंद्र नेमा, विवेक अग्रवाल,सत्यप्रकाश नामदेव,रमेश विश्नोई,मातृ शक्ति सुषमा गोस्वामी, भावना अग्रवाल, बीना केशरवानी, अर्चना पटेल, सुमन सोनी, शशि चौरसिया, भानु

रैकवार, पीहु पटेल,जगदीश तिवारी, मनोज विश्वकर्मा, मुकेश केशरी, विशाल पंडया, भागचंद्र, कोरी, मुकेश सोनी आदि बड़ी संख्या में जगदीश मंदिर बस्ती के भक्तजन प्रभात फेरी में सम्मिलित रहे।

औद्योगिक क्षेत्रों में संपत्ति कर न लगाया जाए

जबलपुर। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के एक 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने भोपाल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं नगरीय प्रशासन आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव से मुलाकात कर प्रदेश में उद्योगों पर लगाये जाने वाले संपत्ति कर एवं फायर एनओसी के संबंध में अपनी मांग रखी। फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने बताया कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों को दोहरे करारोपण का भार सहना होता है। एक तरफ उन्हें लीज रेंट भी देना होता है इसके साथ ही संपत्ति कर भी देना होता है। जबकि इन औद्योगिक क्षेत्रों का स्वत्व राज्य शासन में निहित है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों को निर्धारित शर्तों पर 30 वर्ष की अवधि के लिए लीज दी गई है। इस संदर्भ में फेडरेशन ने

उद्यमियों ने स्थानीय शासन मंत्री से की मुलाकात

छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का नोटिफिकेशन भी संलग्न किया जिसमें छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य की समस्त नगरीय क्षेत्र में उद्योग विभाग, सीएसआईडीसी द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देने हेतु संपत्ति कर देयता से पूर्ण छूट प्रदान की है एवं पूर्व के बकाया वसूली को भी अपास्त किया है।

फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ राधाशरण गोस्वामी ने दो माह की समयावधि के भीतर फायर प्लान तैयार न करने वाले भवन स्वामी, संचालक पर 500 प्रतिदिन एवं एक वर्ष पश्चात 1 हजार रूपये की दर से लगने वाले (लेवी) दण्ड को समाप्त करने की मांग की। इस अवसर पर हिमांशु खरे ने बताया की नगर निगम द्वारा फायर एनओसी लागू न करने की स्थिति में विभिन्न अर्थ दंड रोपित किए जाने के पूर्व उद्यमियों तथा चिकित्सा केंद्रों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है तथा सक्षम संस्था या विशेषज्ञों को नियुक्त कर आवश्यक जानकारी तथा समय देने की आवश्यकता है। नगरीय प्रशासन मंत्री ने उक्त मांगों को स्वीकारते हुए उचित कार्यवाही करने आश्वस्त किया। फेडरेशन के कार्यसमिति सदस्य अरुण पवार ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए जागरूकता शिविर लगाने मांग की। इस अवसर पर फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल में योगेश ताम्रकार, अखिलेश राठी, दीपक शर्मा, विजय गौर, वीरेन्द्र कुमार पोरवाल, प्रवीण आचार्य, सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे राज्यपाल

जबलपुर। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान मंगलवार को कलेक्टर दीपक सक्सेना के निवास पर पहुंचकर उनके पुत्र अमोल सक्सेना के असामयिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान राज्यपाल ने कलेक्टर परिवार को सांत्वना देकर दिवंगत पुण्य आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कलेक्टर की माता जी श्रीमति गंगा देवी, पत्नी रचना सक्सेना और बेटी दर्शिम सक्सेना को उन्होंने सांत्वना दी।

'कॉलेज चलो अभियान' का पोस्टर रिलीज

जबलपुर।

शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर 'कॉलेज चलो अभियान' का पोस्टर रिलीज करते हुये अशोक रोहाणी, विधायक, केन्ट, जबलपुर ने कहा कि शासन की मंशानुसार अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करना है। इस हेतु कॉलेज चलो अभियान योजना शासन की महती योजना है। अधिक से अधिक विद्यार्थी महाविद्यालय मे प्रवेश ले एवं शासकीय योजनाओं का लाभ उठायें। इस अवसर पर महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष आशीष राव, प्राचार्य डॉ. ए.सी.तिवारी, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा आदि उपस्थित रहें।

प्रो. अरुण शुक्ल, प्रभारी 'कॉलेज चलो अभियान' ने बताया कि विद्यार्थी पोस्टर में लगे स्केनर को स्कैन करके महाविद्यालय में ई-प्रवेश की नियमावली, शासन की समस्त छात्रवृत्तियों एवं प्रवेश की प्रत्येक चरण की समय सारिणी एवं महाविद्यालय

विद्यार्थी प्रवेश के साथ शासकीय योजनाओं का लाभ लें : रोहाणी

फीस का विवरण, ई-प्रवेश संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है। प्रो. शुक्ल ने बताया कि क्षेत्रांतर्गत आने वाले हायर सेकेण्डरी विद्यालयां से लगातार संपर्प किया जा रहा है विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्रवेश प्रकिया के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया जा रहा है। 12वीं पास विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, छात्रवृत्तिओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रकिया की जानकारी लगातार प्रदान की जा रही है।

क्लब फुट से पीड़ित बच्चों की हुई जांच

जिला अस्पताल में आयोजित किया गया शिविर

जबलपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को जिला अस्पताल में क्लब फुट से ग्रसित बच्चों की निःशुल्क जांच एवं उपचार हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्लब फुट से ग्रसित 19 बच्चों की जाँच की गई एवं उन्हें निःशुल्क उपचार दिया गया। जिले के विभिन्न हिस्सों से आये क्लब फुट से पीड़ित इन बच्चों में 13 नये और 6 फॉलोअप वाले बच्चे थे । इन बच्चों का परीक्षण अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ नवीन कोठारी ने किया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. मनीष मिश्रा, नोडल अधिकारी डॉ. एस के दाहिया, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला प्रबंधक सुभाष शुक्ला आदि मौजूद थे। क्लब फुट से पीड़ित बच्चों की निःशुल्क जाँच एवं उपचार हेतु दूसरा शिविर मंगलवार 25 जून को जिला चिकित्सालय में आयोजित किया जायेगा।

बिना स्ट्रक्चरल जांच से लगे यूनिपोल बने जानलेवा

महापौर ने जांच समिति गठित कर रिपोर्ट मांगी

जबलपुर।

जबलपुर में यूनिपोल की स्ट्रक्चरल जांच नहीं हुई। नगर निगम ने ऐसे यूनिपोल शहर में लगा दिए जो हवा में झूल रहे हैं वे आने वाले बरसात के दिनों में आंधी तूफान से गिरकर तबाही मचा सकते है, यह चिंता का विषय है। महत्वपूर्ण यह है कि शहर में 70 प्रतिशत यूनिपोल नियमों का उल्लंघन कर लगाए गए हैं पिछले महीनों में मुबंई में होडिंग गिरने से 16 लोगों की मौत हुई इस घटना से सबक लेना जरुरी है। यह बताकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर संघ, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन, पेंशनर समाज, महिला समिति आदि संगठनों ने महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू से ज्ञापन सौंपकर चर्चा की।

चर्चा के उपरांत महापौर ने ज्ञापन पर आदेश जारी किया गया है

कि एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए, यह समिति उक्त स्थानों पर जाकर जांच करें कि क्या यूनिपोल नियमानुसार लगे है। महापौर ने आदेश दिया है कि यह समिति जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करें जिससे नियमानुसार कार्रवाई हो सके।

महापौर ने बताया कि पूर्व में सदन द्वारा एक समिति गठित की गई थी जिसके जांच के उपरांत गोहलपुर का यूनिपोल हटाया गया था। समिति की रिपोर्ट अब फाईल में जमा कर दी गई है। इस यूनिपोल के मुद्दे पर अब दूसरी नई समिति गठित की जा रही है।

इस अवसर पर डॉ.पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, टीके रायघटक, संतोष श्रीवास्तव, दिलीप कुमार पुंडे, सुशीला राजपूत, डी आर लखेरा, एड. ब्रजेश साहू, दिनेश चौड़े, राजेंद्र विश्वकर्मा, अर्जुन कुमार आदि उपस्थित थे।

175 नये अधिवक्ता नामांकित तो चार हुए बहाल

एसबीसी की नामांकन समिति ने लगाई मुहर

जबलपुर। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद की नामांकन समिति-ए की बैठक अध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न हुई। जहां एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी व कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी ने प्रदेशभर से आये आवेदन पत्रों पर विचारोपरांत लगभग 175 आवेदनों पर हस्ताक्षर कर पंजीयन की मुहर लगाई। इसके साथ ही पुनः विधि व्यवसाय करने वाले चार अधिवक्ताओं का रिजम्शन कर सनद बहाल की गई। बैठक में

एसबीसी की कार्यकारी सचिव गीता शुक्ला, नामाकंन प्रभारी देवेन्द्र पाण्डेय एवं अंकित सेन भी उपस्थित थे। परिषद के माननीय अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता, उपाध्यक्ष आरके सिंह सैनी एवं कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी ने सभी नये अधिवक्ताओं को बधाई देते हुये विधि जगत में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्राध्यापक पर हमले का प्राध्यापक संघ ने किया विरोध

हरिभूमि, जबलपुर।

प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ की बैठक आयोजित

बैतूल जिले में सहायक प्राध्यापक पर हुए जानलेवा हमले का प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ ने विरोध किया है। आज हुई बैठक में संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरूण शुक्ल ने कहा कि प्राध्यापक पर हुये हमले की संघ घोर निंदा करता है। भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो, प्राध्यापक पर हमला करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्यवाही होना चाहिए। साथ ही शैक्षणिक परिसर में प्राध्यापकों की सुरक्षा हेतु पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिये। इस बैठक में डॉ.टी.आर.नायडू, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. रवि कटारे, डॉ. राजेश शामकुंवर, डॉ. जे.के.गुजराल, डॉ. रश्मि चौबे, डॉ. ज्योति जाट, डॉ. हेमंत तनकंपन, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. शिवेन्द्र सिंह परिहार के साथ अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहें।

बादलराजा धरती पर आओ

अनेकांत संस्था ने आयोजित की मासिक काव्य गोष्ठी

जबलपुर। 'बरस बरस कर बादल राजा इस धरती पर आओ व्याकुल हैं सब गर्मी से जग की प्यास बुझाओ' जैसी स्वरचित रचनाओं से सजे मंच पर डॉ अरुणा पांडे की अध्यक्षता में ,डॉ शोभा सिंह के मुख्य आतिथ्य में, राजेश पाठक प्रवीण के मुख्य वक्तव्य के साथ ही सारस्वत अतिथि आशा निर्मल जैन विशिष्ट अतिथि अविनाश दवे, कृष्णकांत अग्रवाल नारायण तिवारी एवं राजेंद्र मिश्रा के संचालन में संस्था अध्यक्ष डॉ संध्या जैन श्रुति के सानिध्य में मिथिलेश बढ़गैया की सुमधुर सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ काव्य गोष्ठी का आभार प्रमोद दाहिया ने व्यक्त किया संस्कारधानी के 45 रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। संतोष नेमा , श्रीमती रत्ना ओझा रत्न, जी एल जैन, मदन श्रीवास्तव, डॉ अरुणा पांडे,आशा निर्मल जैन, राजेंद्र मिश्रा, डॉ संध्या जैन श्रुति, नारायण तिवारी, प्रमोद दाहिया, सुषमा खरे, निर्मला डोंगरे, प्रभा खरे अखिल, रश्मि पांडे शुभी, कालिदास ताम्रकार, सल्पनाथ यादव, अनुराधा गर्ग दीप्ति, अर्चना द्विवेदी गुदालु, लखन लाल रजक, अनुकंपा नायक, डॉ शोभा सिंह, डॉ विजेंद्र उपाध्याय कमलेश कुमार मेहता, श्रीमती संध्या अग्रवाल, गिरीश बिल्लौरे मुकुल, यशोवर्धन पाठक, बसंत कुमार मिश्रा, राजेश पाठक प्रवीण, मिथिलेश बढ़गैया, शिव अलग, इत्यादि रचनाकारों ने बरसात, पितृ दिवस, आदि पर अपनी स्वरचित रचनाएँ प्रस्तुत की।

गौरवान्वित गुजरात : भुज का स्मृतिवन भूकंप मेमोरियल म्यूजियम विश्व के 7 सबसे सुंदर म्यूजियम की सूची में शामिल

गांधीनगर। गुजरात के सिद्धि मुकुट में एक और मोरपंख जुड़ा है। ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में गुजरात की पहचान एवं प्रतिष्ठा फिर एक बार विश्व स्तर पर उजागर हुई हैं। यूनेस्को में हर वर्ष घोषित होने वाले आर्किटेक्चर तथा डिजाइन क्षेत्र के प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेइल्स अवॉर्ड के अंतर्गत भुज के स्मृतिवन भूकंप मेमोरियल म्यूजियम को विश्व के 7 सबसे सुंदर म्यूजियमों की सूची में स्थान मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की ग्लोबल छवि निरंतर मजबूत हुई है। भारत के किसी म्यूजियम को इस प्रकार से स्थानीय संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण की अभिव्यक्ति के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई हो, ऐसा पहली बार स्मृतिवन के मामले में हुआ है। यह सम्मान गुजरात को प्राप्त हुआ है। यह प्रत्येक गुजराती को अपार गौरव दिलाने वाली घटना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्मृतिवन के निर्माण एवं प्रबंधन से जुड़ी समग्र टीम को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए अभिनंदन दिया है।

प्रधानमंत्री ने किया था स्मृतिवन भूकंप स्मारक का लोकार्पण

गुजरात में 26 जनवरी, 2001 को आए विनाशकारी भूकंप ने जब कच्छ को झकझोर दिया था, उस समय भूकंप में प्राण गँवाने वाले नागरिकों के सम्मान में इस स्मृतिवन भूकंप स्मारक का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त, 2022 को इस स्मारक का लोकार्पण किया था।

कैसा है स्मृतिवन?

स्मृतिवन चुनौतियों के विरुद्ध संघर्ष करने की कच्छ के स्वाभिमान की यशोगाथा है, आपदा के समक्ष अविचल रहने के साहस की कहानी है, राख से फिर से उठ बैठने की कीर्ति कथा है और शून्य से सृजन का चित्र प्रस्तुत करने वाला जीवंत दस्तावेज है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप निर्मित हुआ स्मृतिवन भुज के भुजियो डूंगर (भुजिया पर्वत) पर 470 एकड़ क्षेत्र में स्मृतिवन फैला हुआ है। यहाँ विश्व का सबसे विशाल मियावाकी जंगल है, जिसमें 5 लाख पेड़ हैं। इसके अलावा 50 चेकडैम हैं। इन चेकडैम की दीवारों पर श्रद्धांजलि के रूप में कुल 12,932 पीड़ित नागरिकों के नाम की तकती लगाई गई है। इसके अलावा सन पॉइंट, 8 किलोमीटर का ओवरऑल पाथवे, 1.2 किलोमीटर की आंतरिक सड़क, 1 मेगावॉट क्षमता का सोलर पावर प्लांट, 3 हजार विजिटर्स के लिए पार्किंग, 300 से अधिक वर्ष पुराने किले का नवीनीकरण, 5 लाख पौधों का रोपण, समग्र क्षेत्र में इलेक्ट्रिक लाइटिंग और 11,500 वर्ग मीटर में भूकंप को समर्पित म्यूजियम शामिल हैं। यहाँ वर्ष 2001 में आए भूकंप की अनुभूति कराने के लिए एक विशेष थियेटर का निर्माण किया गया है, जहाँ कंपन, ध्वनि एवं प्रकाश के संयोजन से एक विशेष स्थिति का अनुभव कराया जाता है। यहाँ 360 डिग्री पर प्रोजेक्शन की सहायता से 2001 के भूकंप की अनुभूति की जा सकती है।

गुजरात के गरबा और कच्छ के धोरडो गाँव को भी अंतरराष्ट्रीय सम्मान

इससे पहले गत वर्ष गुजरात के गरबा को भी अंतरराष्ट्रीय गौरव प्राप्त हुआ था। यूनेस्को ने 'गुजरात का गरबा' को अपनी इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज (**ICH** – अमूर्त सांस्कृतिक विरासत) ऑफ ह्यूमैनिटी की सूची में 15वें एलिमेंट के रूप में शामिल किया था। इसके साथ ही, गत वर्ष यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (**UNWTO**) ने गुजरात के धोरडो को 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' का सम्मान दिया था।

किसे मिलता है प्रिक्स वर्सेइल्स अवॉर्ड ?

वर्ष 2015 से यूनेस्को के मुख्यालय में हर वर्ष प्रिक्स वर्सेइल्स अवॉर्ड्स घोषित किए जाते हैं। प्रिक्स वर्सेइल्स के अंतर्गत दुनियाभर से आर्किटेक्चर एवं डिजाइन क्षेत्र के श्रेष्ठ स्थापत्यों का चयन किया जाता है, जिसके हिस्से के रूप में प्रिक्स वर्सेइल्स की वर्ल्ड जूरी के सदस्यों द्वारा एयरपोर्ट्स, कैम्पस, पैसेंजर स्टेशन्स, स्पोर्ट्स, म्यूजियम, एम्पोरियम, होटल और रेस्टोरेंट जैसी विभिन्न कैटेगरी में श्रेष्ठ स्थापत्यों का चयन किया जाता है। वर्ष 2024 में पहली ही बार म्यूजियम कैटेगरी की घोषणा की गई है और भुज का स्मृतिवन भूकंप स्मारक इस बार दुनिया के म्यूजियम की सूची शामिल हुआ है।

स्मृतिवन भूकंप स्मारक को प्राप्त अन्य अवॉर्ड्स

A" डिजाइन अवॉर्ड – बेस्ट इंटरनेशनल एग्जीबिशन डिजाइन प्रोजेक्ट, **SBID** इंटरनेशनल डिजाइन अवॉर्ड – पब्लिक स्पेसेस, रेड डॉट डिजाइन अवॉर्ड 2023 – ब्रैंड तथा कम्युनिकेशन डिजाइन, ग्लोबल आर्किटेक्चर डिजाइन अवॉर्ड – प्लेटिनम अवॉर्ड – कल्चरल आर्किटेक्चर सीआइआइ डिजाइन एक्सीलेंस अवॉर्ड – स्पेशल डिजाइन, लंदन डिजाइन अवॉर्ड – प्लेटिनम अवॉर्ड – इंटीरियर डिजाइन, ग्लोबल आर्किटेक्चर डिजाइन अवॉर्ड – गोल्ड अवॉर्ड – ग्रीन आर्किटेक्चर

इवेंट एपीएसी अवॉर्ड 2023 – पर्यटक आकर्षण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तभी से वे राज्य की सांस्कृतिक विरासतों एवं ऐतिहासिक स्मारकों को विश्व स्तर पर उजागर करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के ध्येय से युक्त उनके ऐसे अनेक प्रयासों के फलस्वरूप ही इससे पहले गुजरात के गरबा एवं कच्छ के धोरडो गाँव को वैश्विक पहचान मिल चुकी है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व के फलस्वरूप विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को भी विश्वभर में ख्याति मिली है। गुजरात को इस प्रकार की वैश्विक ख्याति दिलाने वाले डेस्टिनेशन्स में अब स्मृतिवन का भी समावेश हुआ है।

विश्व के सबसे सुंदर म्यूजियमों की सूची 2024

1. एं4 आर्ट म्यूजियम, चेंगडू, चीन
2. ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम, गिजा, मिस्र
3. स्मृतिवन भूकंप स्मारक, भुज, भारत
4. सिमोस आर्ट म्यूजियम, हिरोशिमा, जापान
5. पलेइस हेट लू, एपलडूर्न, नीदरलैंड्स
6. ओमान अक्रॉस एजेज म्यूजियम, मानाह, ओमान
7. पोलिश हिस्ट्री म्यूजियम, वोरसॉ, पोलैंड

आईसीआईसीआई महिलाओं को देगी 15 प्रतिशत आजीवन छूट

जबलपुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने सबसे अधिक बिकने वाले टर्म इंश्योरेंस प्रोडक्ट, आईप्रोटेक्ट स्मार्ट के लिए भुगतान किए जाने वाले सभी प्रीमियमों पर विशेष रूप से महिलाओं के लिए 15 प्रतिशत की आजीवन छूट की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, वेतनभोगी महिलाओं को पहले साल के प्रीमियम पर अतिरिक्त 15 प्रतिशत छूट मिलेगी, ताकि वे खुद को और अपने प्रियजनों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। आईप्रोटेक्ट स्मार्ट, गंभीर बीमारी लाभ के साथ स्तन, ओवेरियन, गर्भाशय और सर्वाइकल ग्रीवा के कैंसर सहित 34 गंभीर बीमारियों के खिलाफ कवर प्रदान करता है। इसके तहत स्वास्थ्य और जीवन दोनों किस्म के बीमा के लाभ मिलते हैं। द लैंसेट के अनुमान के अनुसार, 50 साल से कम आयु वर्ग, जिनमें कैंसर होने का पता चला, उनमें महिलाओं का अनुपात अधिक था।

विंक स्टूडियो की प्रभावशाली उपलब्धि

गुरुग्राम। डाउनलोड और दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में भारत के नंबर वन म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूजिक. नये उभरते संगीत कलाकारों के लिए अपने गानों को देश भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए लॉन्च पैड, ने विंक स्टूडियो के स्वतंत्र कलाकारों के गानों के लिए 1.7.बिलियन स्ट्रीम की एक प्रभावशाली उपलब्धि हासिल की है। इन गानों ने, उल्लेखनीय रूप से, विंक स्टूडियो के लॉन्च के दो साल के भीतर इस मील के पत्थर को पार कर लिया है। भारती एयरटेल के मुख्य मार्केटिंग अधिकारी, अमित त्रिपाठी ने कहा, हमने उभरते कलाकारों को, अपने संगीत से कमाई करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए विंक स्टूडियो को लॉन्च किया साथ ही, हमने अपने ग्राहकों को एक विशाल संगीत की लाइब्रेरी भी उपलब्ध कराई।

60% अग्निवीरों को स्थायी नौकरी, 7 साल का कार्यकाल, दावों को सरकार ने बताया फर्जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार के दौरान दावा किया था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो अग्निपथ योजना को खत्म कर देंगे। इसके बाद चुनावी नतीजे आने के बाद यह भी मामला सामने आया कि एनडीए में बीजेपी के सहयोगी दलों ने भी अग्निवीर योजना में बदलाव का मुद्दा उठाया है। दावा यहां तक किया जाने लगा कि सरकार ने अग्निपथ योजना में बदलाव की कवायद शुरू कर दी है और इसके तहत 60 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थायी नौकरी के साथ ज्यादा सैलरी और 7 साल का कार्यकाल करने का दावा किया गया लेकिन, अब सरकार ने इसको लेकर सब कुछ साफ कर दिया है।

विपक्ष उठा रहा अग्निपथ योजना पर सवाल

शुरू से ही अग्निपथ योजना की आलोचना कर रहे विपक्षी दल लगातार अग्निपथ योजना पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष ने लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान आक्रामक रूप से इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था। कांग्रेस ने केंद्र में सत्ता में आने पर इस योजना को खत्म करने का वादा किया था।

अग्निपथ योजना में हो रहे ये बदलाव को लेकर सरकार ने सब कुछ किया साफ

पीआईबी फैक्ट चैक ने किया स्पष्ट

पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने एक्स हैंडल पर स्पष्ट किया, 'एक फर्जी व्हाट्सएप संदेश में दावा किया गया है कि अग्निपथ योजना को कई बदलावों के साथ समीक्षा के बाद 'सैनिक सम्मान योजना' के रूप में फिर से शुरू किया गया है। इसमें सेवा की अवधि को बढ़ाकर 7 साल करना, 60 प्रतिशत स्थायी कर्मचारी और बढ़ी हुई सैलरी शामिल है। भारत सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है।

यात्रीगण ध्यान दें....वेटिंग टिकट पर यात्रा अब बैन
बिना कन्फर्म टिकट ट्रेन पर सवार हुए तो लगेगा जुर्माना

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

ट्रेनों में लगातार बढ़ती भीड़ को कम करने अब रेलवे ने सख्त कदम उठाया है। अब वेटिंग टिकट पर यात्री स्लीपर और एसी कोच में सफर नहीं कर पाएंगे। ऑनलाइन टिकट खरीदने पर अगर टिकट कन्फर्म नहीं हुआ, तो रेलवे से रिफंड मिल जाता है, लेकिन काउंटर टिकट में यात्री रिफंड नहीं लेकर ट्रेनों में चढ़ जाते हैं। टीटीई भी ट्रेन में खड़े होने की जगह दे देते थे कि टिकट का पैसा रेलवे के पास जमा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। वेटिंग में कोई यात्री सफर करता हुआ पाया गया, तो सीधे जुर्माना वसूला जाएगा। जोन ने टीटीई को सख्त निर्देश दिए हैं कि अब ट्रेनों में वेटिंग यात्रियों की एंट्री नहीं होगी। रेलवे का मानना है कि ट्रेनों में वेटिंग टिकट के यात्री अनावश्यक भीड़ बढ़ा रहे हैं, जिससे अन्य यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। रेलवे के इस फैसले से अब स्लीपर और एसी में भीड़ कम होगी। हरिभूमि ने लगातार ट्रेनों में भीड़ को लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। रेलवे ने यात्रियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है।

हरिभूमि लगातार

चार्ट बनने तक कन्फर्म नहीं हुआ टिकट तो वेटिंग में अब यात्री स्लीपर व एसी कोच में नहीं कर पाएंगे सफर

अगले स्टेशन पर ही उतार देगा टीटीई

ट्रेन में वेटिंग टिकट पर सफर कर लेते हैं, तो जांच स्टाफ उनसे जुर्माना वसूल कर अगले स्टेशन पर ही उतार देगा। इन आदेशों के सख्ती से लागू होने से रेलवे की आमदनी पर भी इसका असर पड़ेगा। मई से जून तक ट्रेनों में यात्रियों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। रायपुर से बिहार, मुंबई, उत्तरप्रदेश, जम्मू आदि राज्यों को जाने वाली सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट डबल रही है। जो यात्री स्टेशन से टिकट बुक करवाते हैं, उनका टिकट स्वतः रद्द होने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में यह वेटिंग लिस्ट वाले यात्री ट्रेन में सवार हो जाते हैं और कन्फर्म टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों की सीट पर अनाधिकृत तरीके से बैठ जाते हैं।

एक डिब्बे से दूसरे डिब्बे में घूमते हैं यात्री

वेटिंग यात्रियों के सफर की शिकायतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा था। कन्फर्म टिकट पर यात्रा करने वाले यात्री ट्विट या फिर अन्य माध्यमों से रेलवे में शिकायत करते हैं। चलती गाड़ी में ही कार्रवाई करनी होती है। वेटिंग लिस्ट वाले यात्री एक डिब्बे से दूसरे डिब्बे में घूमते हैं और जहां सीट मिलती है बैठ जाते हैं। इससे कन्फर्म टिकट यात्री की यात्रा में खलल पड़ता है।

अनावश्यक भीड़ कम करने बढ़ाई सख्ती

ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ को कम करने जोन में सख्ती बढ़ाई गई है। काउंटर से वेटिंग टिकट लेने वाले यात्रियों को स्लीपर और एसी कोच में सफर करने नहीं दिया जा रहा है। टीटीई ट्रेनों में जांच कर सख्ती से नियमों का पालन कर रहे हैं।

- **विकास कश्यप,** सीपीआरओ, दपूमरे

टीटीई ही तोड़ते हैं रेलवे का नियम

एक तरफ रेलवे ने वेटिंग टिकट को स्लीपर और एसी कोच में नो एंट्री नियम बना रखा है, वहीं दूसरी ओर अमृतसर, दिल्ली, नागपुर, मुंबई, हावड़ा आदि स्टेशनों से जांच स्टाफ जनरल टिकट पर यात्रियों का टिकट बना देता है। इस टिकट के बनने से यात्री स्लीपर और एसी कोच में जाने के लिए अधिकृत हो जाता है, जिससे रेलवे के नियम भी टूटते हैं। यह यात्री जुर्माना देकर डिब्बे में एंट्री तो कर जाते हैं, लेकिन सीट नहीं मिलती। हालांकि रेलवे ने टीटीई से कहा है कि ट्रेन में अनावश्यक भीड़ को कम करना है। इसीलिए जिनके पास कन्फर्म टिकट है, वही सफर करेंगे।

याचिका में कहा गया, सालाना आय 3 लाख से कम तो ईडब्ल्यूएस के तहत मिलनी चाहिए पात्रता

ईडब्ल्यूएस वाले बच्चे बड़े निजी स्कूलों में निःशुल्क पढ़ाई के पात्र, प्राइवेट स्कूल नहीं कर सकते हैं मना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत दायर एक याचिका में कहा गया है कि ईडब्ल्यूएस वाले बच्चे पास के निजी स्कूलों में निःशुल्क पढ़ाई के लिए पात्र हैं लेकिन उन्हें एडमिशन से वंचित कर दिया जाता है। नियमों में उलझाकर निजी स्कूल संचालक बच्चों को बाहर कर देते हैं जबकि आरटीई के प्रावधानों में साफ है कि जिसकी सालाना आय 3 लाख रुपए से कम है, वह ईडब्ल्यूएस के तहत मिलने वाले लाभ का पात्र होगा। हाईकोर्ट ने मामले में राज्य सरकार और निजी स्कूलों से दो सप्ताह में जानकारी मांगी है। एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूलों से दो सप्ताह में जानकारी मांगी है। इसमें प्रत्येक निजी स्कूल को यह जानकारी देनी होगी की आरटीई के तहत आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों पर पिछले सालों में कितने बच्चों को एडमिशन दी गई है और कितनी सीट खाली रह गई। इसके साथ ही खाली सीटों को ओपन आधार पर भरा गया तो उसके लिए क्या नियम अपनाए गए, इसकी जानकारी भी देनी होगी। शासन को भी इस संबंध में डाटा पेश करने कहा गया है। इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस और बीपीएल कार्डधारियों की सीटों मामले में सुनवाई हुई, जिसमें बात सामने आई कि राज्य सरकार ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कोटा कम कर दिया है।

हाईकोर्ट ने मामले में राज्य सरकार और निजी स्कूलों से दो सप्ताह में मांगी जानकारी

ईडब्ल्यूएस के कोटे को बीपीएल कोटे में बदल दिया

एक-दूसरे मामले में सुनवाई हुई, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने ईडब्ल्यूएस वर्ग का कोटा कम कर दिया है जबकि यह केन्द्र का मामला है और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। राज्य सरकार ने 2007 की सूची के आधार पर ईडब्ल्यूएस वर्ग कोटे को बीपीएल कोटे में बदल दिया है जो गलत है। याचिका में यह भी कहा गया कि केन्द्र का नियम है कि ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत वह माता पिता प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को दाखिला दिला सकते हैं जिनकी सालाना आय तीन लाख तक सीमित होती है जबकि राज्य सरकार ने इसे 40 हजार रुपए कर दिया है।

बच्चे को पढ़ाई से रोका नहीं जा सकता

ये मामला 2012 से कोर्ट में चल रहा है। 2016 में हाईकोर्ट ने विस्तार से इस बारे में निर्देश जारी किया था लेकिन प्राइवेट स्कूलों ने उसे ठीक से लागू नहीं किया। इसी शिकायत को लेकर एडवोकेट देवर्षी ठाकुर ने फिर से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर शासन ने दो सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा है कि 6 से 14 आयु समूह के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा बच्चों का अधिकार है। बच्चे को आर्थिक एवं सामाजिक आधार पर पढ़ाई से रोका नहीं जा सकता है।

पात्र बच्चों को किया जा रहा वंचित

याचिका में बताया गया कि प्राइवेट स्कूलों में पहली कक्षा के नामांकन में 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब छात्रों को मुफ्त में नामांकन लेना है, एवं निशुल्क पढ़ाई कराना है। लेकिन गरीब बच्चों के नामांकन में प्राइवेट स्कूल के संचालकों की मनमानी जारी है। घर से 100 मीटर के दायरे में एडमिशन के नियम के आधार पर कई बच्चों को प्रवेश वंचित किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने मामले में कहा कि आरटीई अधिनियम के तहत पड़ोस के स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना बच्चों का मौलिक अधिकार है। गरीब माता पिता भी अपने बच्चों को बच्चे को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने की इच्छा रखते हैं तो वे अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में नामांकन करा सकते हैं।

बांदीपोरा में एक आतंकी ढेर सेना को ड्रोन से दिखा शव

एजेंसी ▶▶| जम्मू

उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकी को ढेर कर दिया गया। इस इलाके में दो आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने ये कार्रवाई की। ये मुठभेड़ बांदीपोरा के अरागम इलाके में रविवार देर रात शुरू हुई थी। सुरक्षाबलों ने इलाके को चारों तरफ से घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। ड्रोन के जरिए इलाके में आतंकी के शव का पता चला। ढेर आतंकी के हाथ में एम4 राइफल भी देखी गई।केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रियासी बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंपी है, जिसका नोटिफिकेश जारी कर दिया गया है। एनआईए ने इस मामले में यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज की है।

इससे पहले मारे गए थे दो आतंकी

बता दें कि बस हमले के बाद मंगलवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ के एक गांव में आतंकी घुस आए थे। आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। कठुआ जिले के एक गांव में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों का ऑपरेशन शुरू हुआ था। सुरक्षा जवानों ने चारों ओर से इलाके को घेरकर रखा है।

राशिफल

मेष – मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष – अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन – मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह – शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर – वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन – शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5546

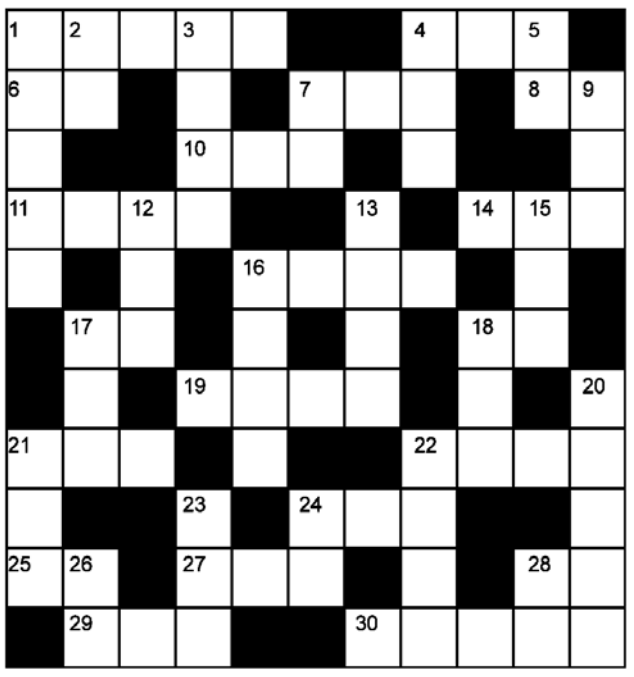

बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 5545 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
ब	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

सूडोकु नवताल- 5557

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5556 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

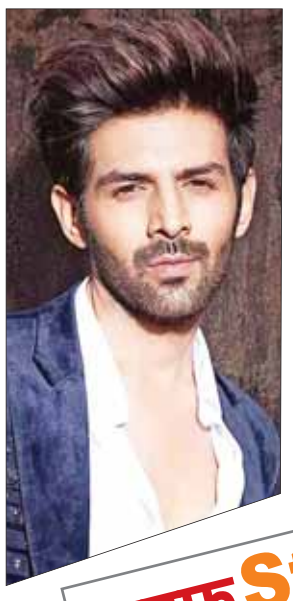

कार्तिक ने प्रशंसकों का माना आभार...

मुंबई। कार्तिक आर्यन की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रिलीज के बाद से ही प्रशंसकों ने कार्तिक के अभिनय की जमकर तारीफ की साथ ही फिल्म की कहानी भी प्रशंसकों को बेहद पसंद आई। इन दिनों कार्तिक अपनी फिल्म 'चंदू चैंपियन' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। कबीर खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रशंसकों से मिले प्यार से कार्तिक बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए उनका शुक्रिया अदा किया है। फिल्म ने अपने चौथे दिन भारत में लगभग 6.01 करोड़ की कमाई की।

लाइफ Style

पश्मिना

ऋतिक ने दी ये सलाह

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऋतिक रोशन की बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड'से बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म में वह फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच पश्मिना ने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन से मिली सलाह के बारे में साझा किया। साक्षात्कार के दौरान पश्मिना से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें उनके भाई ऋतिक और चाचा राकेश रोशन से कोई सलाह मिली है। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, 'बिल्कुल, मुझे एक कलाकार के रूप में कैसे सुधार करना है और जीवन में कैसे खुद को बेहतर बनाना है, इसके लिए मुझे उनसे सलाह मिली है। एक फिल्म या एक फिल्म निर्माता को एक चरित्र की आवश्यकता होती है। इससे कम पर समझौता नहीं किया जा सकता। असली खेल तो अब शुरू हो रहा है। मैं शुक्रवार को 'इश्क विश्क रिबाउंड'से डेब्यू कर रही हूं। इस फिल्म के बाद मुझे एक फ्रीलांसर की तरह और काम ढूंढना होगा।' अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी देर से क्यों डेब्यू किया, तो उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में होना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। मुझे कैमरे के सामने तैयार रहना पड़ता था। मैं अपने अभिनय और डांसिंग स्किल पर काम कर रही थी। यह केवल एक महीने का सफर नहीं है, इसमें लंबा समय लगता है।

हॉलीवुड मसाला

डांस मूव्स के लिए हुए ट्रोल...

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड की मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट इन दिनों अपने एराज टूर पर निकली हुई हैं। इस शो के लिए उनके चाहने वालों में अलग किस्म की दीवानगी देखने को मिल रही है। वहीं, इंटरनेट पर टेलर स्विफ्ट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे वे डांस करती नजर आ रही हैं। उस वीडियो की वजह से टेलर को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट किया है, 'टेलर से बेहतर डांस मेरा छोटा भाई कर लेता है'।

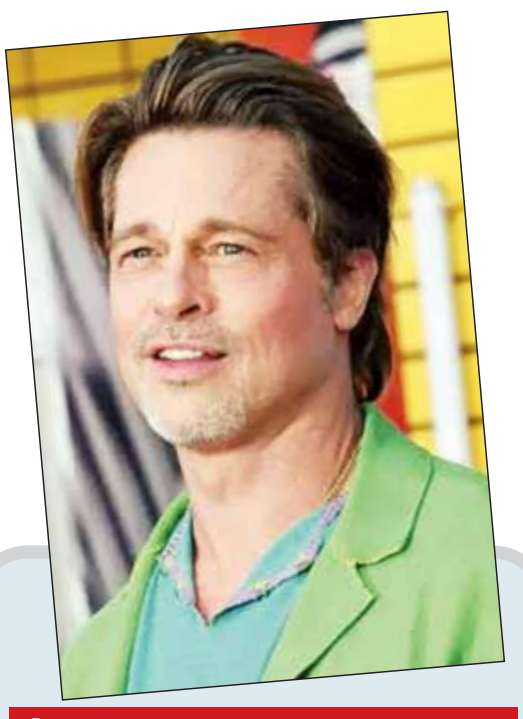

ब्रैड की आगामी फिल्म अगले साल होगी रिलीज

लॉस एंजिलिस। ब्रैड पिट की आगामी फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फॉर्मूला 1 पर आधारित यह फिल्म अगले साल बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान 'टॉप गनः मेवरिक' बना चुके जोसेफ कोसिंस्की के हाथों में है। ब्रैड पिट हॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। फैंस को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। वह फॉर्मूला 1 रेसिंग पर आधारित फिल्म में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अगले साल 25 जून को रिलीज होगी। सिनेमाघरों में इस फिल्म को प्रदर्शित करने के लिए एपल ने वॉर्नर ब्रदर्स के साथ साझेदारी की है। कंपनी इन दिनों अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एपल टीवी प्लस पर फिल्मों को लाने से पहले ज्यादातर फिल्मों को सिनेमाघरों में रिलीज कर रही है।

अश्मित पर भड़क गई थीं मल्लिका...

मुंबई। अश्मित पटेल फिल्म मर्डर में इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत के साथ काम कर चुके हैं। अश्मित ने कहा, 'फिल्म में एक सीन था जहां पर मुझे उनके गला को दबाना था।' मुझे याद है मैंने नसीर साहब से पूछा कि कैसे चोक कर सकते हैं, बिना किसी को असर में डाले। उन्होंने फिर बताया कि कैसे करें कि एक्सप्रेशन से लगेगा कि आप कर रहे हो, लेकिन असल में ऐसा नहीं हुआ। मैंने फिर वैसे ही किया और कट के बाद मल्लिका ने इश्यू बना दिया। अश्मित ने बताया कि मल्लिका काफी दिमाग वाली थीं और उन्होंने उस वक्त अपने स्टेटमेंट और कई चीजों से खुद को लाइमलाइट में रखा था, जबकि बाकी सब पर कोई ध्यान नहीं दे रहा था। इसके बाद उन्होंने एक किस्सा भी शेयर किया, जब मल्लिका ने अश्मित पर गला दबाने का आरोप लगाया था।

सुनाए पिता की कामयाबी के किस्से...

मुंबई। दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी हाल ही में 'डांस दीवाने' शो में बतौर जज नजर आए। एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता वीरप्पा शेट्टी के बारे में साझा किया कि वह नौ साल की उम्र में अपने घर से भाग गए थे और मुंबई के एक होटल में वेटर की नौकरी की। अभिनेता ने आगे कहा, 'उन्होंने दक्षिण भारतीय होटल में नौ साल की उम्र में नौकरी की, हमारे समुदाय के बारे में एक चीज है कि हम एक -दूसरे की मदद करते हैं। उनकी पहली नौकरी टेबल साफ करने की थी। वह बहुत छोटे थे। वह इतने छोटे थे कि उन्हें टेबल को साफ करने के लिए उसके चार चक्कर लगाने पड़ते थे। वह चावल की बनी बोरियों पर सोते थे। उन्होंने आगे कहा कि उनके मालिक ने तीन इमारतें खरीदी और उनके पिता को उसकी देखभाल के लिए कहा।

टीवी मसाला

तलाक की खबरों के बीच निखिल को फैंस ने खूब सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली। दलजीत कौर और निखिल पटेल के बीच की खटास अब जग-जाहिर हो चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने पति पर शादीशुदा होने के बावजूद एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर होने के आरोप लगाए थे जिसके बाद सोशल मीडिया के जरिए दोनों ने एक-दूसरे पर निशाना साधा था। अब उनकी ये आपसी अनबन तलाक तक जा पहुंची है।हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केन्या के कोर्ट में कपल की अर्जी पर सुनवाई हो रही है। इन सबके बीच हाल ही में दलजीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है जिसमें वह काफी इमोशनल नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस को दूसरी बार तलाक का दर्द झेलता देख उनके फैंस का कलेजा पसीज गया है। सोशल मीडिया पर उनके फैंस सामने आकर उन्हें तसल्ली और सांत्वना दे रहे हैं। जहां कई फैंस ने एक्ट्रेस का सपोर्ट किया है, तो कई ने उनके पति निखिल पटेल को जमकर खरी-खोटी भी सुनाई है। एक सोशल मीडिया यूजर दलजीत कौर के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखते हैं, 'वो बुड्ढा था बहुत ज्यादा.. तुम्हें उससे शादी नहीं करनी चाहिए थी। तुमने उस उम्रदराज इंसान से शादी क्यों की। तुम्हें कोई काफी अच्छा इंसान मिल जाता।'

बॉडीगार्ड ने सरेआम की थी बदतमीजी मना करने पर भी बार-बार किया था टच

नई दिल्ली। अविका गौर टीवी पर किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने सीरियल 'बालिका वधू में 'आनंदी' का किरदार निभा घर-घर में पहचान बनाई। छोटे पर्दे से निकलकर अविका गौर साउथ सिनेमा और हिंदी फिल्मों में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेर रही हैं। हाल ही में अविका गौर ने हाउटरफ्लाई को दिए एक इंटरव्यू में अपने साथ हुई एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे वह अपने बॉडीगार्ड की हरकत से सकते में आ गई थीं। एक्ट्रेस ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उनके बॉडीगार्ड ने उनके साथ सरेआम बदतमीजी की थी। ये वाकया कजाकिस्तान का है। अविका गौर ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे याद है किसी ने मुझे पीछे से छूने की कोशिश की थी। मैंने जब पीछे मुड़कर देखा तो वहां सिर्फ मेरा बॉडीगार्ड मौजूद था। मैं फिर जब स्टेज पर जा रही थी तब दोबारा किसी ने मुझे पीछे से छूने की कोशिश की, लेकिन वहां मेरे बॉडीगार्ड के अलावा कोई और नहीं था।

बॉलीवुड में सिक्का नहीं जमा सके दक्षिण के ये सितारे, लिस्ट के नाम कर देंगे हैरान

*मुंबई। दक्षिण के कई सितारे बॉलीवुड में सिक्का नहीं जमा सके। इस लिस्ट में पहले नंबर पर रामचरण का नाम आता है। उनका नाम तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारों में शामिल किया जाता है। **आरआरआर के बाद राम चरण** पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो चुके हैं। हालांकि, उनका बॉलीवुड डेब्यू काफी फीका रहा था। मिलन लूथरिया के निर्देशन में बनी फिल्म जंजीर से उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। इसके बाद राम चरण किसी भी हिंदी फिल्म में नजर नहीं आए।*

***विक्रम तमिल सिनेमा** के दिग्गज सितारों में से एक हैं। अपनी अदाकारी के वह कई बार दर्शकों को चौंका चुके हैं। अभिनेता ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है, लेकिन बॉलीवुड में वह बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए। उन्होंने रावण और डेविड नाम की हिंदी फिल्म में काम किया, लेकिन दोनों ही फिल्में टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं।*

***विजय देवरकोंडा** को गीता गोविंदम और अर्जुन रेड्डी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वह भी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। फिल्म लाइगर में वह अनन्या पांडे के साथ नजर आए थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी।*

***सूर्या तमिल सिनेमा** के एक और सितारे का नाम इस लिस्ट में शामिल है। अभिनेता कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में नजर आ चुके हैं, लेकिन बॉलीवुड में उनकी फिल्मों का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म रक्तचरित्र 2 में वह नजर आए थे, लेकिन यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।*

गोविंदा की वो फिल्म जिसने 1993 में बॉक्स ऑफिस पर रच डाला था इतिहास

मुंबई। आज भले ही गोविंदा फिल्मों से दूर हो चुके हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब बॉक्स ऑफिस पर उनके नाम से ही फिल्में सुपरहिट हुआ करती थीं। लाइमलाइट से दूर हो चुके गोविंदा की ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें आप बार-बार भी देखें तो मन नहीं भरेगा। आज हम आपको गोविंदा की उस फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महज 2 करोड़ में बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन रिलीज होते ही यह ब्लॉकबस्टर साबित हुई और कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। एक्शन से लेकर कॉमेडी तक, गोविंदा ने अपने करियर में हर तरह की फिल्में कीं और उन सभी में उन्हें सफलता भी मिली। ठीक ऐसी ही एक फिल्म थी 'आंखें' जो साल 1993 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। गोविंदा की यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होते ही हंगामा मचाने लगी थी, जो बेहद ही कम बजट में बनकर तैयार हुई थी। विकिपीडिया के आंकड़ों के अनुसार, फिल्म 'आंखें' साल 1993 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। दर्शकों को यह फिल्म बेहद पसंद आई थी। यह एक कॉमेडी फिल्म थी, जो डेविड धवन द्वारा निर्देशित और अनीस बज्मी द्वारा लिखित थी। इस फिल्म में गोविंदा के साथ चंकी पांडे, रितु शिवपुरी, रागेश्वरी, शिल्पा शिरोडकर, बिंदू, हरीश पटेल, शक्ति कपूर, महावीर शाह और गुलशन ग्रोवर भी अहम किरदारों में नजर आए थे।

'एसएसबी 29' के लिए राजामौली ने खरीदे अफ्रीकी किताबों के अधिकार!

मुंबई। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली 'एसएसएमबी 29' के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के लेखक केवी विजयेंद्र प्रसाद ने पहले बताया था कि यह फिल्म अफ्रीकी जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इंडियाना जोन्स एडवेंचर टेम्पलेट की कहानी को दिखाएगी। वहीं, अब इस फिल्म की कहानी को लेकर एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक एसएस राजामौली ने कथित तौर पर अफ्रीकी-ब्रिटिश उपन्यासकार विल्बर स्मिथ के बेस्टसेलिंग एडवेंचर उपन्यासों ट्रायम्फ ऑफ द सन और किंग ऑफ किंग्स के अधिकार खरीद लिए हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इन दोनों पुस्तकों की विषय-वस्तु निश्चित रूप से राजामौली को फिल्म की कहानी के लिए बड़ा आधार देगी, जिसके जरिए राजामौली फिल्म की कहानी को दमदार बनाने की योजना बना सकते हैं। ये दोनों पुस्तकें सूडान, अफ्रीका में सेट हैं और अफ्रीकी क्षेत्रों में कई पात्रों की साहसिक यात्रा को बताती है।

इन सितारों को मिला था 'बॉर्डर' का ऑफर, ठुकराने के बाद पीटा माथा!

***नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल बनने जा रहा है। मेकर्स ने बॉर्डर 2 की घोषणा भी कर दी है। ये फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। बॉर्डर में सनी देओल के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना और तब्बू जैसे तमाम सितारे नजर आए थे। 1997 में आई इस फिल्म में नजर आने से पहले कई स्टार्स को इस फिल्म का ऑफर दिया गया था। इन कलाकारों के हां बोलने से पहले बॉर्डर को कई सितारे ठुकरा चुके थे।*

आमिर खान : इस लिस्ट में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान का नाम भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान को भी फिल्म 'बॉर्डर' में रोल ऑफर हुआ था। मगर उन्होंने भी इस फिल्म को करने से मना कर दिया था।

जूही चावला : 'बॉर्डर' में तब्बू भी अहम किरदार में नजर आई थीं। दर्शकों को उनका किरदार भी काफी पसंद आया था। मगर शायद ही आप जानते हो कि इस किरदार के लिए तब्बू मेकर्स की पहली पसंद नहीं थीं। उनसे पहले इस किरदार के लिए मेकर्स ने जूही चावला से बात की थी। उन्होंने इसे करने से इंकार कर दिया था, जिसके बाद ये तब्बू की झोली में आ गिरी।

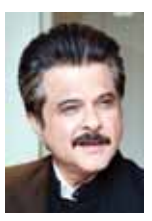

अनिल कपूर : धरवीर के रोल में नजर आए अभिनेता अक्षय खन्ना का किरदार पहले अनिल कपूर को ऑफर हुआ था। मगर अनिल कपूर ने भी किसी कारणवश इस फिल्म को करने से मना कर दिया था। इसके बाद ये फिल्म अक्षय खन्ना को ऑफर हुई थी। धरवीर के किरदार में उन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

आज से शुरू होंगे सुपर-8 के इम्तिहान, ट्रॉफी के लिए महाजंग का आगाज

अच्छे फार्म में चल रही अमरीकी टीम की आज द.अफ्रीका से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप 2024 में ग्रुप दौर के सभी मैच वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच हुए मैच के बाद समाप्त हो गए। इस बीच सुपर-8 चरण की तस्वीर साफ हो गई है। मेजबान अमेरिका क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बीच 19 जून को होने वाले मैच के साथ सुपर-8 की शुरुआत हो जाएगी। भारत की पहली टक्कर 20 जून को अफगानिस्तान से होगी। इस बार विश्व कप विजेता टीम को 24.5 लाख डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलने वाले हैं।

ग्रुप-1 में मौजूद है भारतीय टीम

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने ग्रुप दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारतीय टीम के साथ गत विजेता ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम जैसी प्रबल दावेदार शामिल है। इस ग्रुप में अफगानिस्तान और बांग्लादेश अन्य टीमें हैं।

टी-20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 मैच में अमेरिका क्रिकेट टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से 19 जून को होगा। मेजबान अमेरिका ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर उलटफेर किया है। ऐसे में प्रोटियाज टीम पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रही अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेना चाहेगी। ये दोनों टीमें पहली बार किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में आमने-सामने होने वाली हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला यह मैच आज एंटिगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा।

ऐसी हो सकती है अमेरिकी टीम

अमेरिका के सलामी बल्लेबाज शायन जहांगीर अब तक कोई अच्छी पारी नहीं खेल पाए हैं। उनके ऊपर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। गेंदबाजी में सौरभ नेत्रवलकर के प्रदर्शन पर नजरें रहने वाली हैं। वह नई गेंद से अपनी टीम के लिए विकेट लेना चाहेंगे।

इनके प्रदर्शन पर होंगी नजरें

अमेरिका के आक्रामक बल्लेबाज जोन्स ने 3 पारियों में 141.00 की औसत और 160.22 की स्ट्राइक रेट से 141 रन बनाए हैं। नोर्खिया इस समय जोरदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने 4 मैचों में 7.77 की औसत और 4.37 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नेत्रवलकर ने 3 मैचों में 5.20 की इकॉनमी रेट के साथ 4 विकेट अपने नाम किए हैं।

संभावित टीमें

अमेरिका : स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीस गौस (विकेटकीपर), आरोन जोन्स (कप्तान), नितीश कुमार, कोरी एंडरसन, हरमीत सिंह, शैडली वैन शल्कविक, जसदीप सिंह, सौरभ नेत्रवलकर और अली खान।

दक्षिण अफ्रीका : क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, माकों येंसन, कगिसो रबाडा, एनरिक नोर्खिया, ओटनील बार्टमैन और तबरेज शम्सी।

ग्रुप-2 में मेजबान अमेरिका

ग्रुप-2 में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका मौजूद हैं। दिलचस्प रूप से पहली बार टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले रही अमेरिका ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बनाई है।

दोनों ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें करेंगी सेमीफाइनल में प्रवेश

सुपर-8 के प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 27 जून को पहला सेमीफाइनल त्रिनिडाड के ब्रायन लारा स्टेडियम में होगा। इसके बाद दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भी 27 जून को गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला जाएगा। आखिर में खिताबी मुकाबला 29 जून को केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

ओलंपिक में नहीं खेलेंगी सबालेंका और जाबूर

बर्लिन। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका और दो बार की विंबलडन फाइनलिस्ट ओन्स जाबूर पेरिस ओलंपिक से हट गई हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि वे घास के कोर्ट पर होने वाले विंबलडन के तुरंत बाद क्लेकोर्ट पर नहीं खेलना चाहतीं। बेलारूस की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में खेलने के बजाय आराम करना चाहेंगी। उन्होंने कहा, ''कार्यक्रम बहुत व्यस्त है और मैंने अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह फैसला किया। मैं अगली प्रतियोगिताओं के लिए शारीरिक और स्वास्थ्य स्तर पर तैयार होने के लिए आराम करने को प्राथमिकता दूंगी।

अर्जुन ने स्टीफन अवग्यान मेमोरियल जीता, रेटिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आर्मेनिया के जर्मुक में स्टीफन अवग्यान मेमोरियल 2024 का खिताब जीता जबकि अभी एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है। एरिगैसी ने आठवें दौर में रूस के ग्रैंड मास्टर वोलोदार मुर्जिन को 63 चाल में हराया। इससे उनके चार जीत और इतने ही ड्रॉ के बाद छह अंक हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 10 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस जीत से अर्जुन लाइव रेटिंग में अपने करियर के सर्वोच्च चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस टूर्नामेंट से वह अभी तक नौ अंक हासिल कर चुके हैं जिससे उनके कुल 2779.9 अंक हो गए हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन तथा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना उनसे आगे हैं।

ईस्ट बंगाल ने डेविड से 3 साल का किया करार

कोलकाता। सुपर कप फुटबॉल चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी ने उभरते हुए भारतीय फारवर्ड डेविड लालहलानसांगा के साथ तीन साल के अनुबंध की घोषणा की। भारत के सबसे प्रतिभावान युवा स्ट्राइकरों में से एक डेविड पिछले साल कलकत्ता फुटबॉल लीग और डूरंड कप में शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब की पहली आईलीग खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डेविड को बर्खास्त किए गए मुख्य कोच इगोर स्टिमिक ने भारत के आखिरी दो विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया था जो कुवैत के खिलाफ घरेलू मैदान पर और कतर के खिलाफ उसके मैदान पर हुए थे। डेविड को हालांकि मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला।

टी-20 विश्व कप : ग्रुप मैच के अंतिम मुकाबले में 104 रन से दी शिकस्त

पूरन की धमाकेदार पारी से वेस्टइंडीज की अफगानिस्तान पर शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| ग्रॉस आइलेट

निकोलस पूरन ने छक्के जड़ने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया जिससे वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के अपने अंतिम मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से करारी शिकस्त दी। दोनों टीम पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन ,अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज ने दर्ज की जोरदार जीत

ब्रेंडन किंग (7) के जल्दी आउट होने के बाद जॉनसन चार्ल्स (43) और निकोलस पूरन (98) ने उम्दा पारी खेली। इनके अलावा शाई होप (25) और रोवमैन पॉवेल (26) ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जवाब में रहमानुल्लाह गुरबाज (0) और नईब (7) जल्दी पवेलियन लौट गए। खराब शुरुआत के बाद भी अफगान टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट खोए। इस बीच इब्राहीम जादरान ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज से ओबेद मैककॉय ने 3 विकेट लिए।

पूरन ने पूरे किए अपने 2,000 टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे

पूरन ने 53 गेंदों पर 6 चौकों और 8 छक्कों की मदद 98 रन की पारी खेली। वह पारी के आखिरी ओवर में रन आउट हुए। इस दौरान उन्होंने 2,000 टी-20 रन पूरे किए। उन्होंने 98 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2,012 रन बना लिए हैं। इस बीच उन्होंने 12 अर्धशतक लगाए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 98* रन अब उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

पूरन ने टी-20 क्रिकेट में पूरे किए अपने 500 छक्के

पूरन अब क्रिस गेल (124) को भी पीछे छोड़ते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बन गए। उनके नाम अब 128 छक्के हैं। पूरन अब 500 टी-20 छक्के (502) पूरे करने वाले छठे बल्लेबाज भी बन गए। वह गेल (1,056), कीरोन पोलार्ड (860), आंद्रे रसेल (686), कॉलिन मुनरो (548) और रोहित शर्मा (514) की सूची में शामिल हुए। पूरन ने टी-20 विश्व कप की एक पारी में तीसरे सबसे ज्यादा छक्के (8) लगाए।

वेस्टइंडीज ने बनाया रिकॉर्ड स्कोर

पूरन और चार्ल्स की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 92/1 का स्कोर बना लिया था। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इससे पहले ये रिकॉर्ड आयरलैंड (91/1 बनाम नीदरलैंड, 2014) के नाम पर दर्ज था। कुल मिलाकर यह टी-20 इतिहास का चौथा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसके अलावा यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज के लिए दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर भी है।

यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप

फ्रांस ने ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया एमबापे की नाक में लगी चोट

एजेंसी ▶▶| डसेलडोर्फ

मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की मदद से फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से पराजित किया लेकिन इस मैच में उसके स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबापे की नाक में चोट लग गई और उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है। एमबापे ग्रुप डी के इस मैच के अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण बनाने के प्रयास में ऑस्ट्रिया के केविन डांसो से टकरा गए। इससे उनकी नाक से खून बहने लगा और वह सूज गई। एमबापे को इस कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

चोटिल होने के बावजूद दिलाई जीत

चोटिल होने से पहले एमबापे पर सभी की निगाह टिकी थी। ऑस्ट्रिया ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई।। वोबर ने 38वें मिनट में एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास में ही आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे डेसचैम्प्स ने फ्रांस का कोच रहते हुए जीत का शतक भी पूरा किया।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत की जीत के साथ

बर्लिन। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था।

दूसरे दौर में अन्ना से मुकाबला : वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

तोंडाइमन, राजेश्वरी ओलंपिक के लिए पांच सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीनियर ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज तोंडाइमन आगामी पेरिस ओलंपिक में भारतीय शॉटगन टीम की अगुवाई करेंगे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने मंगलवार को खेलों के महाकुंभ के लिए घोषित पांच सदस्यीय टीम में जगह दी जिसके सभी खिलाड़ी पहली बार इन खेलों में हिस्सा लेंगे। पेरिस खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे।

टोंडाइमन ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में जगह बनाई है जबकि राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में निशाना साधेंगी। अनंतजीत सिंह नरुका भारत के एकमात्र पुरुष स्कीट निशानेबाज होंगे जबकि रायजा ढिल्लों और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में उन पांच कोटा स्थानों को पूरा करेंगी जो शॉटगन टीम ने क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान हासिल किए थे। महेश्वरी और अनंतजीत स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में एकमात्र भारतीय जोड़ी के रूप में भी भाग लेंगे। यह स्पर्धा पेरिस खेलों में पहली बार हो रही है। भारत के पांचों शॉटगन निशानेबाज अपने पहले ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

महिला क्रिकेट

द. अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने आज उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी।

भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी। मैच दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा। पहला मैच में बल्लेबाजी में दिखीं खामियां इस तरह से भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

मंधाना से उम्मीद, हरमन व जेमिमा भी रहीं नाकाम

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रहीं।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./7385/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 18.06.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 296/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

● **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments up to issue date of NIT.**

1. Table No. 1 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Bhopal	1	7516765.00
2.	Chhatarpur	1	3230084.00
3.	Dewas	2	25544722.00
4.	Harda	2	27423282.00
5.	Jabalpur	2	18371999.00
6.	Mandla	1	18848945.00
7.	Narsinghpur	1	10800133.00
8.	Neemuch	1	29587992.00
9.	Panna	1	8813077.00
10.	Rajgarh	4	55814421.00
11.	Sagar	2	22384470.00
12.	Sehore	2	12465047.00
13.	Seoni	1	16923755.00
14.	Shahdol	1	5437981.00
15.	Ujjain	1	15518651.00
16.	Vidisha	2	18338629.00

2. Table No. 2 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Mandla	2	36399045.00
2.	Narsinghpur	1	5309873.00
3.	Rajgarh	1	5605916.00
4.	Seoni	1	3597161.00

3. Table No. 3 : Name of Work – REPAIR/MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	8517719.00
2.	Narmadapuram	1	19471003.00
3.	Rajgarh	1	13176435.00
4.	Sehore	1	7943180.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **24.06.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/114942/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

भारतीय स्टेट बैंक शाखा– गृह ऋण केन्द्र (एच.एल.सी.) फर्स्ट फ्लोर, एसबीआई मेन ब्रांच, सिविल लाईन, जबलपुर फोन: 0761-2628641, 2628632

आधिपत्य (कब्जा) की सूचना (अचल संपत्ति के लिये)

अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारी/जमानतदार को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणग्रहिता/जमानतदार और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतस्मिन नीचे वर्णित संपत्तियों का आधिपत्य कर लिया है। ऋणग्रहिता/जमानदार को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्न वर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज तथा अन्य प्रभार आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के प्रभार के अनुसार होगा।

क्र	ऋणी /जमानतदार का नाम व पता	बंधक संपत्ति का विवरण	मांग सूचना पत्र की तिथि व राशि	आधिपत्य की तिथि
1	श्री मनोज कुमार सोनी पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद सोनी और श्रीमती अंजना सोनी पत्नी श्री मनोज कुमार सोनी प्लाट नंबर 16, सामरा ट्रेडर्स रोड के बाजू में, अमखेरा पेट्रोल पंप के पास, वार्ड नंबर 74, तहसील - पनागर, जबलपुर (म.प्र.) - 482001	अचल संपत्ति का विवरण - मौजा - अमखेरा, नं. ब. 04/62, प.ह.नं. 26/24 (नया 80), रा.नि.मं. महाराजपुर, तहसील - पनागर, जिला जबलपुर में स्थित भूमि डायवर्सन एवं पी -2, खसरा नं. 49/2 में से प्लाट नं. 16 का विक्रय 25 फुट बाई 50 फुट यानी 1250 वर्गफुट है जो कि श्री मनोज कुमार सोनी पिता श्री दुर्गा प्रसाद सोनी नाम से पंजीकृत है। सीमाएँ - (शीर्षक विलेख के अनुसार) -उत्तर - प्लाट नंबर 17, दक्षिण - प्लाट नंबर 15, पूर्व - साइड रोड, पश्चिम - प्लाट नंबर 18 रजिस्ट्री तारीख 08/08/2013 को पुस्तक कं. 1अ, ग्रन्थ कं 461 के पृष्ठ कं 79 से 84 पर कमांक 1206 देकर उप पंजीयक जोन कं 06, जबलपुर-02, मध्य प्रदेश द्वारा पंजीकृत किया गया है।	दि. 02/11/2023 रू. 18,72,346.00 + ब्याज 02/11/2023 से + अन्य खर्च	13-06-2024

उक्त (सरफेसी एक्ट 2002) अधिनियम के अंतर्गत सम्पत्ति विक्रय बावद 30 दिवस की वैधानिक सूचना– ऋणी एवं प्रति भू को सूचित किया जाता है कि, इस नोटिस की दिनांक से 30 दिनों के अंदर नोटिस में दर्शायी गई समस्त राशि मय ब्याज के जमा करें अन्यथा संपत्ति नीलाम की जावेगी एवं शेष राशि मय ब्याज के ऋणी एवं प्रति भू से वसूल की जायेगी।

दिनांक: 19/06/2024 , स्थान– जबलपुर — प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, गृह ऋण केन्द्र (एच.एल.सी.) जबलपुर

ट्रेन हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवाल

एक तरफ वंदेभारत व स्पेशल ट्रेन की संख्या बढ़ा रहा रेलवे, दूसरी तरफ सेफ्टी के लाखों पद खाली

हरिभूमि, जबलपुर

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास हुए दर्दनाक रेल हादसे के बाद रेलवे की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, ओडिशा के बाद पश्चिम बंगाल में हुए इस बड़े हादसे के बाद रेलवे में रनिंग स्टाफ के लाखों की संख्या में खाली पड़े लाखों की संख्या में पदों को भरे जाने की मांग उठ रही है।

जबलपुर, भोपाल कोटा सहित देशभर के 68 रेल मंडल सेफ्टी से जुड़े रिक्त पद से कर्मचारी परेशान हैं। एक तरफ भारतीय रेलवे देश की वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या बढ़ा रहा है।

पश्चिम बंगाल में हुए बड़े हादसे के बाद उठ रही रनिंग स्टाफ के खाली पद भरे जाने की मांग

संरक्षा व सुरक्षा को प्रभावित कर रहे खाली पड़े पद

समर सीजन सहित अन्य सीजन में स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ा रहा है, तो वहीं आने वाले दिनों पहली बुलेट ट्रेन को चलाने की तैयारी कर रहा है, दूसरी तरफ सेफ्टी से जुड़े रिक्त पद रेलवे में संरक्षा व सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। भारतीय रेलवे बड़ी संख्या में कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। तकरीबन सभी विभागों में पर्याप्त कर्मचारियों की कमी है। हालत यह है कि रेलवे के पास पर्याप्त संख्या में सेफ्टी कर्मचारी भी नहीं हैं।

बड़ी संख्या में कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा रेलवे

कर्मचारी संगठन कर रहे बोर्ड से आग्रह

रेल में फिलहाल सेफ्टी कर्मचारियों की श्रेणी में एक लाख से अधिक पद रिक्त हैं। इसके कारण यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे की गंभीरता पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। इनमें पमरे में 64157 कर्मचारी की पोस्ट है। इनमें जबलपुर, भोपाल, कोटा रेल मंडल आता है।

मौजूदा कर्मचारियों पर काम का दबाव

सेफ्टी के रिक्त पद को भरने में हो रही देरी के चलते कई तरह से यात्री की संरक्षा व सुरक्षा पर असर हो रहा है। एक तरफ जो कर्मचारी काम कर रहे हैं, उन पर काम का दबाव तो है ही इसके साथ साथ नजर हटी व दुर्घटना घटी की स्थिति भी बन रही है। पमरे जोन में ही जबलपुर, भोपाल व कोटा रेल मंडल में कई अलग-अलग स्थान पर यात्री से लेकर मालगाड़ी ट्रेन के डिब्बों के बे पटरी होने की घटनाएं गत वर्षों में हुई हैं। रेल संगठन इसके लिए आवाज तो उठाते है, लेकिन उसका खास असर देखने को नहीं मिल रहा है।

रेलवे में मैन पॉवर बढ़ाने की है जरूरत

भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए जरूरी है कि सेफ्टी को प्राथमिकता दी जाए। दरअसल रेलवे की ओर से लगातार तीसरी रेल लाइन शुरू की जा रही है। स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। यानी कुल मिलाकर ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। लेकिन रनिंग स्टाफ की संख्या नहीं। इसलिए जरूरी है कि नई परिसंपत्तियों (थर्ड व फोर्थ लाइन, वंदे भारत सहित अन्य योजनाओं) के लिए सेफ्टी ऑडिट कराकर पुनः मैन पॉवर तैयार करें और सेफ्टी विभाग के रिक्त पदों को भरा जाए।

बालिका को लेने बड़े पिताजी पहुंचे बनारस

गूगल में ट्रेन सर्च कर बनारस अकेले पहुंची मासूम बच्ची

जबलपुर। बच्चों का इंटरनेट ज्ञान जितना लाभदायक है उतना खतरनाक भी होते जा रहा है। गूगल में सर्च कर 12 साल की एक मासूम बच्ची अनुष्का के मन में अकेले ही बनारस जाने की इच्छा जाग उठी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने घर से अकेली स्टेशन पहुंची और ट्रेन में बैठकर बनारस पहुंच गई। अनुष्का के लापता होने पर परिजन परेशान हुए और माढ़ोताल थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भी सक्रियता दिखाई और रेलवे स्टेशन और बस स्टेंड में लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले और सोशल मीडिया पर बच्ची की फोटो अपलोड कर अन्य जिलों से भी मदद मांगी थी।

नई बस्ती इलाके से 16 जून को शाम 5 बजे से 11 वर्षीय अनुष्का घर से लापता हो गई थी। परिवार वालों की सूचना पर पुलिस ने बालिका की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने बालिका के बारे में

जानकारी देने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम (07612676100) या 8889382888 नंबर जारी किए गए थे।

इस बीच बनारस से अच्छी खबर आई कि बच्ची मिल गई। बताया गया है कि पिता के निधन के बाद से गुमशुम रहने वाली अनुष्का अपने बड़े पिता के साथ रह रही थी। परिवार में सबकुछ अच्छा है। कुछ ही दिन पहले ही वह परिवार के साथ उज्जैन घूमकर आई थी। घर में चर्चा हो रही थी कि अब इसके बाद बाबा विश्वनाथ और अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन करने जाना है यही से उसकी इच्छा बनारस जाने की हुई।

घर के लोगों से अनुष्का ने कई बार कहा, लेकिन घरवालों ने बात नहीं मानी तो गुमसुम रहने लगी। फिर अकेले ही घूमने का प्लान बनाया। इसके लिए गूगल में बनारस की ट्रेन सर्च करने लगी। ट्रेन की जानकारी लेने के बाद किसी को कुछ बिना बताए अकेले ही बनारस जाने के लिए निकल गई। अनुष्का बनारस स्टेशन में उतरकर कैंट थाने के पास बाजार पहुंची, जहां इंटरनेट मीडिया में वायरल हुई तस्वीर से एक युवक ने पहचान कर पुलिस को बताया। केंट पुलिस ने तुरंत जबलपुर पुलिस से संपर्क किया। जबलपुर से उसे लेने उसके बड़े पिता जी बनारस पहुंच गए। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि अनुष्का के पिता नहीं है। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अनुष्का अकेले ही निकली थी उसके साथ कोई नहीं था।

आरएसके ने सभी डीपीसी को लगाई फटकार

सीएम हेल्पलाइनः स्कूल शिक्षा में 50 दिन से 1228 शिकायतें पेंडिंग

हरिभूमि, जबलपुर

>> 82 शिकायतें दमोह जिले की और सबसे कम एक-एक शिकायत सीधी, मंडला में लंबित

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को लेकर जहां एक ओर से सरकार गंभीर हैं, तो वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकार की इस अहम पहल को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। स्थिति यह है कि शिकायतों के निराकरण में स्कूल शिक्षा विभाग बहुत पीछे नजर आता है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा हाल ही में प्रदेशभर के जिला परियोजना समन्वयकों को लेकर आदेश के मुताबिक सीएम हेल्पलाइन पर विभाग की करीब 1228 ऐसी शिकायतें हैं जो 50 से अधिक दिन से लंबित हैं। इनमें सबसे अधिक 82 शिकायतें दमोह जिले हैं और सबसे कम एक-एक शिकायतें सीधी, मंडला और अलीराजपुर में लंबित है। विभाग ने शिकायतों के समय सीमा में निराकरण न होने और लापरवाही पर संबंधित अफसरों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही का अल्टीमेटम भी दिया है।

इस प्रकार की हैं शिकायतें

आदेश के साथ उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों में स्कूल के संचालन और शिक्षकों के लेट होने, अनुपस्थित होने या फिर स्कूल बंद होने की 131 शिकायतें हैं। भवन निर्माण, साफ पानी, साफ-सफाई की 133, आरटीई से संबंधित 82, छात्रवृत्ति व योजनाओं से संबंधित 451, प्रेरक से संबंधित 4, विभाग के कॉलेज व डाईट की 10, शाला प्रबंध समिति के खाते में राशि नहीं आने की 8, विद्यार्थियों के मूल्यांकन की 14, पुस्तकें न पहुंचने की 19, गणवेश की 10, छात्रावास में आवास-भोजन की 36, साईकिल नहीं मिलने की 56, शिक्षकों के प्रशिक्षण संबंधित 8, शिक्षा महाविद्यालय में प्रवेश से संबंधित 67, सर्व शिक्षा अभियान के तहत कार्यरत कर्मचारियों से संबंधित 42, स्मार्ट क्लास से संबंधित 1 सहित 156 अन्य शिकायतें हैं।

विभाग ने कहाः ग्रेडिंग खराब हो रही

आरएसके के आदेश में कहा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्शित प्रकरणों का निराकरण न होने से राज्य शिक्षा केंद्र की ग्रेडिंग खराब हो रही है। इसलिए प्रकरणों पर आवयक कार्यवाही कर पोर्टल पर निराकरण कर कार्यवाही समय समीमा में पूरी की जाए।

हाईकोर्ट ने दिये निर्देश

जमा करें मोटर दुर्घटना में राशि बढ़ोत्तरी की कोर्ट फीस

जबलपुर। मोटर दुर्घटना दावा के तहत निर्धारित राशि को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। जस्टिस अमरनाथ केसरवानी की एकलपीठ ने दावा राशि में लगभग साढ़े पांच लाख रुपये की बढ़ोतरी करने के आदेश जारी किये। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि याचिकाकर्ता ने दो लाख रुपये का मूल्यांकन करते हुए कोर्ट फीस का भुगतान किया था। याचिकाकर्ता बढ़ाई गई राशि पर पूरी कोर्ट फीस का भुगतान करता है, तभी उसे पूरा लाभ मिलेगा।

रीवा निवासी सविता मिश्रा व उनके दोनों बच्चे तथा सास-ससुर की ओर से उक्त याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उनके पति रमा शंकर मिश्रा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रीवा ने मुआवजे के रूप में 64 लाख 51 रुपये देने के आदेश जारी किये थे। याचिका में कहा गया था कि दावा अधिकरण ने मुआवजे का गलत निर्धारण किया है। एकलपीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि अधिकरण ने नवीन वेतनमान के अनुसार मुआवजे का निर्धारण नहीं किया है। एकलपीठ ने 70 लाख 6 हजार रुपये मुआवजा देने के आदेश जारी करते हुए अपने आदेश में कहा है कि याचिकाकर्ता ने सिर्फ दो लाख रुपये का मूल्यांकन करते हुए कोर्ट फीस जमा की थी। याचिकाकर्ता मुआवजा की राशि में की गई बढ़ोतरी राशि के अनुसार कोर्ट फीस जमा करती है, तभी उसे शेष राशि प्रदान की जायेगी।

पुणे स्पेशल ट्रेन एक-एक ट्रिप निरस्त

जबलपुर। मध्य रेलवे, पुणे मंडल में ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक के चलते प्री ए न आ ई , एनआई कार्य हेतु पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ-टर्मिनेट होने वा ली

जबलपुर-पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन एक.एक फेरे प्रभावित रहेंगी। 23 जून को जबलपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 02132 जबलपुर पुणे एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन एक ट्रिप निरस्त रहेगी। दिनांक 24 जून को पुणे से चलने वाली गाड़ी संख्या 02131 पुणे . जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन एक ट्रिप निरस्त रहेगी।

सॉफ्ट ड्रिंक्स और पैक जूस की जांच जरूरी

सिंथेटिक लस्सी और कोल्ड ड्रिंग्स भी खतरनाक

जबलपुर। जाते-जाते गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। ऐसे में लोग गर्मी से राहत पाने लस्सी और कोल्ड ड्रिंग्स का सहारा लेते हैं लेकिन बाजार में चल रही प्रतिस्पर्धा और अंधी कमाई की दौड़ में लस्सी व कोल्ड ड्रिंक्स, दूध व अन्य सॉफ्ट ड्रिंक्स सेहत को राहत देने वाले पेय-पदार्थों से सावधान रहें। क्योंकि बाजार में जहां-तहां बिकने वाले पेय पदार्थ आपके लिये खतरनाक साबित हो सकते हैं। इस बात की पुष्टि कोई और नहीं बल्कि डॉक्टर्स खुद करते हैं। पेय पदार्थों की शुद्धता पर बात की जाये तो इसमें लस्सी और कोल्ड ड्रिंग्स सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है क्योंकि बाजार में कुछ लोग सिंथेटिक लस्सी भी बेच रहे हैं, जो सबसे ज्यादा सेहत के लिये खतरनाक है। इसी तरह अन्य सॉफ्ट-ड्रिंक व डिब्बा पैक जूस सवालों के घेरे में आ चुके हैं। इनमें पेस्टीसाईज (हानिकारक कैमिकल) होने का हल्ला कई बार मच चुका है। बड़ी-बड़ी कम्पनियां मुनाफा कमाने के चक्कर में मानव स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहीं हैं। तो फिर छोटे व्यापारी कैसे पीछे रह सकते हैं वे है। वर्षों से मुनाफा कमाने लस्सी और जूस विक्रेताओं ने गर्मी के मौसम में पैसा कमाने पेय पदार्थों की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

ऐसे बन रही सिंथेटिक लस्सी

बाजार में दूध की बढ़ती कीमतों के कारण विक्रताओं द्वारा सिंथेटिक लस्सी बनाकर मुनाफा कमाने का आसान रास्ता चुना गया है। दूध को गर्म करते समय ब्लॉटिंग पेपर डाल कर आंच में घुमाया जाता है। जिससे दूध गाढ़ा हो जाता है, फिर इसी दूध का दही जमाने से कम दूध में ही अधिक दही मिल जाता है। लस्सी विक्रेता इसी दही का इस्तेमाल कर लस्सी को गाढ़ा करने आरारोट व पोस्टर कलर का इस्तेमाल भी करते हैं। वहीं दूसरी ओर महंगी हुई शक्कर के चलते लस्सी विक्रेता शक्कर से आधी कीमत में आने वाले सेक्रीन का इस्तेमाल मिठास लाने के लिये कर रहे हैं।

सिंथेटिक लस्सी से किडनी पर असर

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. मनीष मिश्रा ने बताया कि सिंथेटिक लस्सी के सेवन से किडनी ज्यादा प्रभावित होती है। इसका लगातार सेवन करने से शरीर में सुन्नपन आने लगता है साथ ही गर्मी में बाजारों में बिकने वाले अन्य पेय पदार्थों के पीने से सेहत बिगड़ने का डर बना रहता है। बाजार में बिकने वाले सड़े-गले फलों के जूस और मैंगो शैक लोगों की सेहत से बिगाड़ते हैं। बोतलबंद पानी और पाउच सबसे ज्यादा सेहत पर विपरीत असर डालते हैं। क्योंकि ये पानी पूरी तरह से शुद्ध नहीं होता और बोतल और पाउच में भरकर इसे ठंडा कर मनमाने दामों पर बेचा जा रहा है।

मानसून अभी बहुत दूर, मुंबई में अटका

बूंदाबांदी के बाद मौसम हुआ खुशनुमा

जबलपुर। मानसून का अभी इंतजार किया जा रहा है। मानसून मुंबई में अटका है आगे नहीं बढ़ पा रहा है। लिहाजा अभी गर्मी झेलनी पड़ेगी। इस बीच पश्चिमी विक्षोभ से छाए बादलों की वजह से मंगलवार की शाम अचानक तेज हवाएं चली और हल्की बूंदाबांदी हुई और ठंडी हवाएं चलने लगी, जिससे लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिली। मौसम कार्यालय का कहना है कि मानसून अभी बहुत दूर है। कब तक सक्रिय होगा, ठीक-ठीक कह पाना संभव नहीं है। महाराष्ट्र से आगे मानसून बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल नहीं मिल पा रहा। इसलिए जोरदार बारिश के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। विदर्भ से एक टर्फ लाईन मप्र तक बनी है, जिसके कारण जबलपुर और आसपास जिलें में मंगलवार को बादल छाए और शाम को हल्की बूंदाबांदी हुई। उसके बाद मौसम खुशनुमा हो गया है लेकिन उमस को बढ़ने का मौका मिल गया। प्री मानसून (मानसून आगमन के पूर्व) की स्थितियां भी अभी नहीं बनी। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले 24 घंटों के दौरान तेज हवाओं के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक आसमान पर हवा के कम दबाव वाले क्षेत्र बनने व बादलों के छाने से अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर सहित संभाग के अनेक स्थान पर कहीं कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 40.08 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 28.06 सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 56 प्रतिशत और सायंकाल 84 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.25 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.57 बजे हुआ। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 9.06 मिमी दर्ज की जा चुकी है। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली।

तालाब-कुएं-स्टॉप डेम सूखे चिंताजनक स्थिति में पहुंचा जलसंकट

जबलपुर। प्रदेश में जलसंकट की स्थिति चिंताजनक स्थिति में पहुंच गई है। केंद्र व प्रदेश सरकार एक तरफ जलसंरक्षण के लिए तालाब व स्टॉप डेम बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। दूसरी तरफ इन योजनाओं को मूलस्वरूप में लाने के नाम जिम्मेदार अफसर भ्रष्टाचार करने पर आमदा है। तालाब और स्टॉप डेम में एक बूंद भी पानी नहीं ठहर रहा है। जबकि जलस्तर नीचे गिरने से कुंए सूख गए तथा हैंडपंपों ने भी पानी देना बंद कर दिया है। तालाबों के सूखने, कुंओं में पानी नहीं और हैंडपंपों के जवाब देने के मामले सबसे ज्यादा छतरपुर, पन्ना, बालाघाट, सतना, सिंगरौली, शहडोल जिलों में हैं। तीन साल पहले प्रदेशभर में टूटे-फूटे छोटे तालाब और ऐतिहासिक महत्व जल संरचनाओं में जल स्तर बढ़ाने पुष्कर धरोहर योजना आई। इसके अंतर्गत 33 हजार से अधिक पुष्कर धरोहरों का जीर्णोद्धार हुआ। इनमें 80 फीसदी इस गर्मी में सूख चुके हैं। आयुक्त मनरेगा चेतन्य कृष्ण का कहना है कि गंगा जल संवर्धन अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों में एक हजार करोड़ से अधिक के काम हो रहे हैं। 33 हजार पुष्कर धरोहर कंपलीट हैं और 5,700 अमृत सरोवर बन चुके हैं। जल स्तर बढ़ाने के सभी प्रयास हो रहे हैं।

ओएचई लाईन टूटने से रेल यातायात प्रभावित

जबलपुर। आंधी तूफान के कारण जबलपुर -कटनी रेल खंड के गोसलपुर स्टेशन पर डाउन ट्रैक पर ओएचई लाइन टूटी हैं जिससे ट्रेनों का यातायात प्रभावित हुआ है। जिससे कई ट्रेनें घंटों विलंब से चल रही हैं। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार डाउन ट्रेक पर गाड़ी क्रमांक 12295 पिपरिया, 22177 नरसिंहपुर, 22613 विक्रमपुर, 03242 भिटौनी, 02186 मदन महल, 09033 जबलपुर, 12167 जबलपुर, 12149 आधारताल, 12322 देवरी, एनबीओएक्स अधारताल प्रभावित हुई हैं। यातायात को बहाल करने के सभी आवश्यक प्रयास रेलवे द्वारा किये जा रहे हैं। शीघ्र ही यातायात सुचारू रूप से प्रारम्भ करने के प्रयास किये जा रहें है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240